दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

वर्ष 04 : अंक : 88 | ग्वालियर, सोमवार 17 मई 2021 | pushpanjalitoday@gmail.com | मूल्य : 01, रुपए, पृष्ठ 8

न्यूज ट्रैक

दिल्ली में एक हफ्ते और बढ़ा लॉकडाउन अब 24 तक रहेंगी पाबंदियां

नई दिल्ली। दिल्ली में लॉकडाउन के कारण कोरोना की दूसरी लहर की रफ्तार में काफी कमी देखने को मिल रही है. लॉकडाउन के प्रभाव को देखते हुए दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल) ने एक बार फिर से लॉकडाउन को एक हफ्ते के लिए और बढ़ाने का फैसला लिया है. मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि दिल्ली सरकार ने कोरोना संक्रमण को रोकने के लिए एक हफ्ते के लिए लॉकडाउन को और आगे बढ़ा दिया है. अब 24 मई तक पाबंदियां लागू रहेंगी.

18 अप्रैल को लगाया गया था पहली बार लॉकडाउन- बता दें कि इससे पहले दिल्ली में लॉकडाउन की मियाद 17 मई को खत्म होने वाली थी. दिल?ली में कोरोना वायरस की दूसरी लहर से बिगड़ते हालातों के मद्देनजर पहली बार मुख?यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने 18 अप्रैल को 6 दिन के लॉकडाउन की घोषणा की थी. अब तक राजधानी में 5 बार लॉकडाउन को बढ़ाया जा चुका है. इससे पहले जब लॉकडाउन की मियाद 17 मई यानी सोमवार की सुबह 5 बजे तक की बढ़ाई गई थी. लेकिन अब एक बार इसे फिर से 24 मई तक बढ़ा दिया गया है. मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने खुद इसकी घोषणा की है.

लॉकडाउन से धीमी पड़ी कोरोना संक्रमण की रफ्तार- फिलहाल दिल्ली में लागू लॉकडाउन के दौरान कोरोना के मामलों में गिरावट देखने को मिली है. पिछले कुछ दिनों से दिल्ली में रोजाना पॉजिटिविटी मामलों, पॉजिटिविटी दर और होम आइसोलेशन में रोगियों की संख्या आदि में कमी आई है. राजधानी में कोरोना के दैनिक मामले 28 हजार से कम होकर 7 हजार से नीचे आ गए हैं. दिल्ली में शनिवार को कोरोना के 6,430 नए मामले सामने आए, जो 7 अप्रैल के बाद सबसे कम है, इस दिन शहर में एक दिन में 5,506 मामले दर्ज किए गए थे. कोविड महामारी की दूसरी लहर के चरम के दौरान 20 अप्रैल को दिल्ली के रोजाना पॉजिटिव मामले 28,395 थे, जबकि 22 अप्रैल को सबसे अधिक पॉजिटिविटी दर 36 प्रतिशत थी.

जुलाई तक भारत में दी जा चुकी होंगी वैक्सीन की 51.6 करोड़ डोज

नई दिल्ली। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन ने कहा कि भारत में जुलाई के अंत तक टीकों की 51.6 करोड़ खुराकें दी जा चुकी होंगी. भारत में अब तक 18 करोड़ से अधिक लाभार्थियों को खुराकें दी जा चुकी हैं. हर्षवर्धन ने उत्तर प्रदेश, गुजरात, मध्य प्रदेश और आंध्र प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्रियों के साथ चर्चा के दौरान कहा कि बढ़ी हुई मांग को पूरा करने के लिये टीकों का उत्पादन बढ़ाया जा रहा है. हर्षवर्धन ने कहा, बढ़ी हुई मांग को पूरा करने के लिए टीकों के उत्पादन में लगातार वृद्धि की जा रही है. दूसरी ओर फिलहाल जिन टीकों का उत्पादन किया जा रहा है, उन्हें राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को समान रूप से वितरित किया रहा है.

अब तक दी जा चुकी हैं 18 करोड़ डोज: हर्षवर्धन

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा, जुलाई के अंत तक हमारे यहां 51.6 करोड़ खुराकें दी जा चुकी होंगी. इनमें अब तक दी जा चुकी 18 करोड़ खुराक शामिल हैं. स्पुतनिक को मंजूरी दे दी गई है. हर्षवर्धन ने जायडस कैडिला, सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया की नोवावैक्स वैक्सीन, भारत बायोटेक की नेजल वैक्सीन और जेनोवा एमआरएनए के नए टीकों को मंजूरी दी जानी बाकी है, जिसके बाद अगस्त से दिसंबर के बीच कोविड टीकों की खुराकों की उलपब्धता बढ़कर 216 करोड़ हो जाएगी.

तमिलनाडु ने बोली लगाने से नहीं रोका चीनी कोविड वैक्सीन निर्माताओं को

चेन्नई। तमिलनाडु सरकार की कोविड-19 वैक्सीन की 3.5 करोड़ खुराक के लिए वैश्विक निविदा चीनी वैक्सीन निर्माताओं को बोली लगाने से प्रतिबंधित नहीं करती है. एक अधिकारी ने यह जानकारी दी. एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, हम उन उत्पादों (वैक्सीन) को अनुमति दे रहे हैं, जो विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा अनुमोदित है और भारत के औषधि महानियंत्रक (डीजीसीआई) द्वारा लाइसेंस प्राप्त है. अधिकारी के मुताबिक करीब छह टीकों को डब्ल्यूएचओ और तीन को डीसीजीआई ने मंजूरी दी है. दूसरी ओर, बृहन्मुंबई नगर निगम ने अपनी एक करोड़ वैक्सीन खुराक निविदा में भारत के साथ सीमा साझा करने वाले देशों में स्थित कंपनियों को बोली में भाग लेने से अयोग्य घोषित कर दिया है, इस प्रकार चीनी वैक्सीन निर्माता खुद ब खुद अयोग्य घोषित हो गए हैं. तमिलनाडु मेडिकल सर्विसेज कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा जारी निविदा में केवल निम्नलिखित प्रतिबंध हैं-

पहला, बोली लगाने वाले के टीके को डब्ल्यूएचओ द्वारा

अनुमोदित किया जाना चाहिए और बोली के दिन भारत के औषधि महानियंत्रक (डीसीजीआई) द्वारा भारत में उपयोग के लिए लाइसेंस दिया जाना चाहिए. यदि वैक्सीन को डब्ल्यूएचओ द्वारा अनुमोदित किया गया है लेकिन बोली के दिन डीसीजीआई द्वारा अनुमोदित नहीं किया गया है तो खरीद डीसीजीआई द्वारा लाइसेंस/अनुमोदन जारी करने के अधीन है.तीसरा, यदि किसी वैक्सीन निर्माता द्वारा बोली लगाई जाती है तो उसे या तो सीधे या किसी अन्य अधिकृत डीलर के माध्यम से दुनिया के किसी भी देश को पिछले दो वर्षों में कम से कम 200 मिलियन खुराक की आपूर्ति करनी चाहिए, जिनमें से कम से कम 50 मिलियन खुराक पिछले एक साल में आपूर्ति की जानी चाहिए. इस बीच, सिरिंज निर्माता अपने उत्पादों की मांग में वृद्धि की उम्मीद कर रहे हैं, क्योंकि विभिन्न राज्य कोविड -19 वैक्सीन के लिए वैश्विक निविदाओं के लिए जा रहे हैं. जबकि राज्य कोविड -19 वैक्सीन के लिए निविदाएं जारी कर रहे हैं, सीरिंज के लिए निविदाएं अभी बाकी हैं. ऑल इंडिया सीरिंज एंड नीडल्स मैन्युफैक्च र्स एसोसिएशन (एआईएसएनएमए) के अध्यक्ष राजीव नाथ ने बताया, मांग में बढ़ोतरी होगी. लेकिन कोविड -19 के बाद, निमार्ताओं को भारी सरप्लस कैपेसिटी का सामना करना पड़ेगा.÷ नाथ हिंदुस्तान सीरिंज एंड मेडिकल डिवाइसेज लिमिटेड के प्रबंध निदेशक भी हैं. उन्होंने कहा, केंद्र सरकार ने कोविड -19 वैक्सीन के लिए ऑटो-डिसेबल सीरिंज के लिए हमें बुक किया है.÷ उनके मुताबिक केंद्र सरकार को अपने पास रखे ऑटो डिसेबल सीरिंज की आपूर्ति राज्यों को करनी चाहिए.

दिग्विजय का सीएम शिवराज पर हमला

भोपाल। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की रेमडेसीविर इंजेक्षन की कालाबाजारी करते पकडे गए आकाश दुबे के साथ एक तस्वीर साझा करते हुए हमला बोला है . उन्होंने सवाल किया है, मुख्यमंत्री जी, क्या आकाश को पहचानते है? साथ ही उसके खिलाफ कार्रवाई की मांग की है. दिग्विजय सिंह ने शिवराज सिंह चौहान के साथ आकाश की तस्वीर ट्वीट कर कहा कि, जबलपुर नर पिशाच के बाद एक और नर पिशाच. शिवराज जी, आप इस नर पिशाच आकाश दुबे को पहचानते हैं ना? देखते हैं आप क्या कार्रवाई करते हैं.

उन्होंने आगे कहा क्या अंकित सलूजा और दिलप्रीत सलूजा पुत्र गुरबचन सिंह भी भाजपा से ही जुड़े है? भोपाल में दोनों इंजेक्शन की कालाबाजारी में पकड़े गये थे. दिग्विजय सिंह ने भोपाल के नर पिशाचों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की माग की है. बताया गया है कि भोपाल के एक निजी अस्पताल के में कोविड केयर सेंटर के कर्मचारी और मैनेजर रेमडेसीविर इंजेक्शन चोरी कर बाहर बेच रहे थे. पुलिस ने इस मामले में अस्पताल के आईटी विभाग के मैनेजर आकाश दुबे सहित चार आरोपियों को पकड़ा और उनके खिलाफ रासुका के तहत केस दर्ज किया गया. इसके साथ ही इस मामले में इस मामले में दिलप्रीत सलूजा, उसके भाई अंकित सलूजा एवं मेडिकल स्टोर

संचालक आकर्ष को पांच इंजेक्शन के साथ रंगे हाथ गिरफ्तार किया है. आपको बता दें कि इसके पहले मध्य प्रदेश में कोरोना के संकट के बीच कई नेताओं का अमानवीय चेहरा सामने आया है. खादी में समाज सेवक की भूमिका निभाने का दावा करने वाले खुद ही दवाओं की कालाबाजारी में जुट गए , इतना ही नहीं कोरोना के जीवन रक्षक रेमडेसीविर इंजेक्शन के नाम पर नकली इंजेक्शन बेचने में हिचके नहीं. ऐसे लोग पुलिस की गिरफ्त में भी आए हैं. राज्य सरकार नकली दवाओं के गोरखधंधे में शामिल लोगों को आजीवन कारावास की सजा का प्रावधान करने जा रही है. वहीं कांग्रेस ने सवाल उठाया है कि ऐसे लोगों को किस का संरक्षण है यह भी सामने आए. राज्य के अलग-अलग हिस्सों में राजनीतिक दलों से जुड़े लोगों के अस्पताल और दवाओं की दुकानें हैं. इनमें से कई लोग अपने राजनीतिक रसूख का इस्तेमाल कर महामारी के दौर में अपनी जेब भरने में लगे हैं. कोरोना संक्रमित मरीजों के लिए रेमडेसीविर इंजेक्शन को जीवन रक्षक माना गया है और इसी का लाभ मुनाफाखोरों ने उठाने की कोशिश की. इंजेक्शन में ग्लूकोज भरकर 25 हजार तक में बेचा गया है. जबलपुर के एक अस्पताल के डायरेक्टर समेत चार लोगों को नकली रेमडेसीविर दवा खरीदने और मरीजों को देने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है. आरोपी सरबजीत सिंह मोखा विश्व हिंदू परिषद नर्मदा डिविजन का अध्यक्ष भी था. उसे तमाम पदों से विहिप ने हटा दिया है. इसी तरह का मामला रतलाम में सामने आया है जहां कथित तौर पर भाजपा के पदाधिकारी को ऑक्सीमीटर की कालाबाजारी के आरोप में गिरफ्तार किया गया है. पुलिस ने राजेश माहेश्वरी को आक्सीमीटर ज्यादा दाम में बेचने के आरोप में पकड़ा है.

कांग्रेस राज्यसभा सांसद राजीव सातव का कोरोना से निधन

नई दिल्ली। कांग्रेस राज्यसभा सांसद राजीव सातव का शनिवार को कोरोनावायरस से निधन हो गया है. राजीव सताव का पिछले कुछ दिनों से पुणे के जहांगीर हॉस्पिटल में इलाज चल रहा था. कांग्रेस प्रवक्ता रणदीप सिंह सुरजेवाला ने ट्वीट कर उनके निधन की जानकारी दी है. सुरजेवाला ने राजीव सातव की मौत पर दुख जताते हुए लिखा, निशब्द ! आज एक ऐसा साथी खो दिया जिसने सार्वजनिक जीवन का पहला कदम युवा कांग्रेस में मेरे साथ रखा और आज तक साथ चले पर आज.. राजीव सातव की सादगी, बेबाक़ मुस्कराहट, ज़मीनी जुड़ाव, नेत्रत्व और पार्टी से निष्ठा और दोस्ती सदा याद आयेंगी. अलविदा मेरे दोस्त ! जहाँ रहो, चमकते रहो ! बता दें कि राजीव सातव की 25 अप्रैल तक उनकी हालत स्थिर थी. 25 अप्रैल को कुछ परेशानी आने के बाद उन्हें आईसीयू में भर्ती कराया गया और तीन दिनों बाद उन्हें वेंटिलेटर पर रखा गया.

पीएम मोदी ने कोरोना प्रभावित

4 राज्यों के सीएम के साथ की बैठक

नई दिल्ली। देश में कोरोना की दूसरी लहर से अभी भी हाहाकार मचा हुआ है. आज भी 3 लाख से ज्यादा नए मरीज सामने आए तो 3 हजार से ज्यादा कोरोना मरीजों की मौत हो गई. ऐसे में पीएम मोदी ने एक बार फिर से मुख्यमंत्रियों के साथ बातचीत की और स्थिति का जायजा लिया. हालांकि इस बार पीएम ने सभी राज्यों की जगह सिर्फ 4 राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ बैठक की. इन 4 राज्यों में राजस्थान, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश और पुडुचेरी शामिल थे.

गांवों में टेस्टिंग बढ़ाने के निर्देश- बैठक में पीएम मोदी ने राज्यों के मुख्यमंत्रियों से प्रदेश में कोरोना संक्रमण को लेकर पैदा हुए हालातों के बारे में जानकारी ली. और कोरोना से लड़ने के प्रयासों के बारे में पूछा. जानकारी के मुताबिक इस दौरान वैक्सीनेशन को लेकर भी चर्चा हुई. वहीं इससे पहले पीएम मोदी ने कल (शनिवार को) एक उच्चस्तरीय बैठक की थी. इसमें उन्होंने कोविड-19 की स्थिति की समीक्षा की और गांवों में घर-घर जाकर कोविड टेस्ट किए जाने की बात कही थी.

आशा कार्यकर्ताओं को शामिल करें- इस बैठक में पीएम मोदी ने निर्देश दिया था कि गांवों में स्वास्थ्य सुविधाएं बढ़ाई जाएं और आशा कार्यकर्ताओं से मिलकर कोविड की लड़ाई में तेजी लाई जाए. पीएमओ के मुताबिक बैठक में प्रधानमंत्री ने निर्देश दिया है कि ज्यादा संक्रमण दर वाले इलाके में कोविड-19 की जांच बढ़ाए जाने की जरूरत है.

बोइंग की भारत में फील्ड अस्पताल स्थापित करने की योजना

नई दिल्ली। कोरोना की दूसरी लहर ने देश में इस कदर कोहराम मचाया कि अस्पतालों में बेड्स, ऑक्सीजन और दवाओं की भारी किल्लत देखने को मिली. वही एयरोस्पेस प्रमुख बोइंग ने भारत में कोविड मरीजों के इलाज के लिए फील्ड अस्पताल स्थापित करने के उद्देश्य से गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) और राज्य सरकारों के साथ करार किया है. तदनुसार, एयरोस्पेस प्रमुख अपने अधिकार क्षेत्र में ऐसी सुविधाएं प्रदान करने के लिए पांच राज्य सरकारों के साथ बातचीत कर रहा है. पिछले कुछ दिनों के दौरान बोइंग इंडिया ने उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, तेलंगाना और तमिलनाडु राज्य सरकारों से संपर्क किया है. बोइंग की भारत कोविड राहत प्रतिबद्धता के हिस्से के रूप में पहल में पांच राज्यों में से प्रत्येक में ऐसी सुविधाओं की स्थापना की परिकल्पना की गई है, जो महामारी के पुनरुत्थान का सामना कर रहे हैं. कार्यक्रम के हिस्से के रूप में बोइंग संबंधित राज्य सरकार और एनजीओ भागीदारों, डॉक्टर्स फॉर यू और केयर यूएसए के संयुक्त प्रयास द्वारा एक साझेदारी मॉडल के माध्यम से धन, भूमि और उपयोगिताओं, सुविधा, उपकरण, डॉक्टरों के साथ-साथ दवाएं प्रदान की जाएंगी. राज्य सरकारें बुनियादी ढांचा और सुविधाएं मुहैया कराएंगी, जबकि डॉक्टर्स फॉर यू मेडिकल इंफ्रास्ट्रक्चर और स्टाफ मुहैया कराएगी.

अविका गौर, आदिल खान का म्यूजिक वीडियो दिल को मेरे इस दिन होगी रिलीज

मुंबई। बालिका वधू फेम अभिनेत्री अविका गौर म्यूजिक वीडियो दिल को मेरे में नजर आएंगी, जो 17 मई को रिलीज होगा. उन्होंने कहा कि इस गाने में उनके साथ आदिल खान भी हैं. अविका ने अपने अगले प्रोजेक्ट के बारे में कहा, मुझे लगता है कि आदिल और मेरे बीच बहुत अच्छी केमिस्ट्री है और यह संगीत वीडियो में साफ नजर आ रहा है. हमारे निर्देशक और क्रू ने अच्छा काम किया है. इस गाने का संगीत अच्छा है, हर कोई इसे दोहराना पसंद करेगा. उन्होंने आगे कहा, ऐसे कठिन समय के दौरान मेरे लिए सम्मान की बात होगी अगर मैं दर्शकों के लिए किसी भी तरह का मनोरंजन ला सकती हूं. मैं सभी से एसओपी का पालन करने का अनुरोध करती हूं. हम एक राष्ट्र के तौर पर साथ लड़कर इस वायरस को हरा देंगे.

एनटीपीसी ने देश भर में कोरोना मरीजों के देखभाल सुविधाओं में बढ़ोतरी की

नयी दिल्ली। भारत की सबसे बड़ी एकीकृत ऊर्जा कंपनी एनटीपीसी लिमिटेड ने कोविड-19 की गंभीर देखभाल में मदद के लिए विभिन्न राज्यों के संयंत्रों में ऑक्सीजन सपोर्ट के साथ 500 से ज्यादा बेड और 1100 से ज्यादा आइसोलेशन बेड जोड़े हैं. एनसीआर क्षेत्र में, कंपनी ने 200 ऑक्सीजन समर्थित बेड और बदरपुर, नोएडा और दादरी में 140 आइसोलेशन बेड की सुविधा के साथ कोविड देखभाल केंद्र स्थापित किए हैं. इसके अलावा, कंपनी ने ओडिशा के सुंदरगढ़ में 500 बेड वाला कोविड स्वास्थ्य केंद्र स्थापित किया है जहां 20 वेंटिलेटर उपलब्ध कराए गए हैं.आगे, कंपनी पहले ही एनसीआर में 11 ऑक्सीजन उत्पादन संयंत्रों के लिए ऑर्डर दे चुकी है. इसके अलावा, बॉटलिंग सुविधा वाले 2 बड़े ऑक्सीजन उत्पादन संयंत्र स्थापित किए जा रहे हैं.

ग्वालियर से प्रकाशित
दैनिक पुष्पांजली टुडे
राष्ट्रीय मासिक पत्रिका, ऑनलाइन न्यूज चैनल, पोर्टल, एंड्रॉयड ऐप
को
सम्पूर्ण भारत में नियुक्त करना है
ब्यूरो चीफ/रिपोर्टर
मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, हरियाणा, गुजरात, बिहार, झारखंड, उड़ीसा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, आंध्रप्रदेश, अरूणाचल प्रदेश, असम, गोआ, कर्नाटक, केरल
आदि राज्यों के जिला एवं तहसील स्तर पर मनोनीत करना है
सम्पर्क करें
जी.एस. प्लाजा सूर्य मंदिर रोड गोले का मंदिर, ग्वालियर मध्यप्रदेश
फोन: 0751-4901403
मो. 7879637585, 8770253710
Website-www.pushpanjalitoday.com
Email.- pushpanjalitoday@gmail.com

मुंबई के कोविड केयर सेंटर से 580 मरीजों को शिफ्ट किया गया

आईएमडी ने कहा कि चूंकि इससे उस क्षेत्र में बहुत भारी वर्षा आएगी, मुंबई जैसे शहर ज्यादा प्रभावित नहीं होंगे.

मुंबई। भारतीय मौसम विभाग ने शनिवार शाम में कहा कि चक्रवाती तूफान 'तौकते' और मजबूत हो गया है और यह गुजरात तट एवं केंद्र शासित प्रदेश दमन-दीव एवं दादरा-नगर हवेली तट की ओर बढ़ रहा है. आईएमडी ने कहा कि तूफान के शनिवार देर रात तक ''बहुत गंभीर चक्रवाती तूफान'' में तब्दील होने की संभावना है. विभाग ने कहा कि इसके उत्तर-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने और 18 मई की दोपहर के आसपास पोरबंदर और नलिया के बीच गुजरात तट को पार करने की संभावना है, इस वजह से चक्रवात तौकतै के मद्देनजर बृह्नमुंबई महानगर पालिका ने करीब 580 कोरोना मरीजों को जंबो सेंटर्स से सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट कर दिया है. ये मरीज दहिसर, बीकेसी और मुलुंड जंबो सेंटर्स से सुरक्षित निकालकर भेजे गए हैं. जहां दहिसर से 183 मरीज, बीकेसी से 243 मरीज तो वहीं मुलुंड

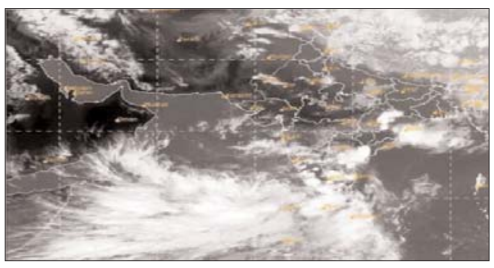

से 154 मरीजों को निकाला गया है. बता दें मौसम विभाग ने चक्रवात के मद्देनजर 60-80 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली हवाओं को लेकर चेतावनी जारी की है. इसके साथ ही क्षेत्र में भारी बारिश की भी आशंका है.

ज्यादा प्रभावित नहीं होगी मुंबई- आईएमडी ने कहा कि चूंकि इससे उस क्षेत्र में बहुत भारी वर्षा आएगी, मुंबई जैसे शहर ज्यादा प्रभावित नहीं होंगे. आईएमडी ने कहा कि 17 मई को मुंबई सहित उत्तरी कोंकण में कुछ स्थानों पर तेज हवाएं चलेंगी और भारी बारिश होगी. वरिष्ठ निदेशक (मौसम) आईएमडी, मुंबई शुभानी भूटे ने कहा कि महाराष्ट्र की राजधानी में रविवार दोपहर से बारिश की उम्मीद है. उन्होंने कहा कि तूफान फिलहाल गोवा से 250 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में है. भूटे ने कहा, ''महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग और रत्नागिरि जिलों के साथ गोवा ज्यादातर बारिश और तेज हवाओं से प्रभावित होगा.'' उन्होंने कहा कि हवा की गति लगभग 60 से 70 किमी प्रति घंटे होगी.

प्रधानमंत्री मोदी ने की उच्च स्तरीय बैठक- दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चक्रवात ''तौकते'' से निपटने की राज्यों, केंद्रीय मंत्रालयों और एजेंसियों की तैयारियों का जायजा लेने के लिए शनिवार को एक महत्वपूर्ण बैठक की और उनसे लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने तथा बिजली, दूरसंचार, स्वास्थ्य, पेयजल जैसी जरूरी सेवाओं का प्रबंध सुनिश्चित करने के निर्देश दिए.

कुटरोली ग्राम में गोरमी तहसीलदार द्वारा ली गई आपदा प्रबंधन समिति की बैठक

संतोष सिंह भदौरिया
ररिपोर्टर चम्बल संभाग

कुटरोली ग्राम में फैली महामारी से सम्बधिंत प्रकाशित खबर को तुरंत गोरमी तहसीलदार शिवदत्त कटारे जी ने संज्ञान में लेते हुए कुटरोली ग्राम में कोरोना की गाइडलाइन रखते हुए आपदा प्रबंधन समिति एवं ग्राम पंचायत सरपंच एवं प्रतिनिधियों के साथ में बैठक रखी खबरों के अनुसार जो भी उसमें बिंदु दिखाए थे इन बिंदुओं पर चर्चा की एवं उन्होंने कहा कि आपके ग्राम में जो भी लोग बीमारी से संक्रमित हैं उनके बारे में हमें या हमारी स्वास्थ्य टीम को अवगत कराएं जिससे कि हम उनको निशुल्क दवा वितरण करवाएंगे साथ मे प्रबंधन समिति सदस्यों व कर्मचारियों को फटकार लगाते हुए कहा की आपने जो सर्वे की है वो ठीक है पर इस कार्य मे और पारदर्शिता लाये सर्वे करें और पता करें कहां कितने लोग संक्रमित हैं और ग्रामीण वासियों का सहयोग ले कुछ कर्मचारियों ने अपनी समस्याएं तहसीलदार के सामने रखी उन समस्याओं पर भी तहसीलदार ने उसका निराकरण भी किया और कहा ग्राम वासियों प्रतिनिधियों का सहयोग लें उनके साथ काम करें जिन लोगों की अभी तक जो मृत्यु हो चुकी हैं उनके बारे में भी तहसीलदार द्वारा समीक्षा की गई प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की यह ऐ .एन. एम वंदना शर्मा भी साथ में उपस्थित रहे और तहसीलदार की द्वारा कुछ लोगों को दवा वितरण का कार्य भी किया गया तहसीलदार की उपस्थिति में कुटरोली ग्राम के प्रत्येक मोहल्ले हर घर घर में सैनिटाइजर का छिड़काव भी करवाया गया और ग्रामवासीयो को साथ में समझाइश भी दी गई । कि जो लोग कोरोना

वैक्सीन को लेकर भ्रमित हैं कृपया करके वह अफवाह ना फैलाएं यह वैक्सीन पूर्ण रूप से सुरक्षित है और सभी लोगों ने अभी तक वैक्सीनेसन नहीं करवाया है वह वैक्सीनेशन करवाएं और कोरोना से संबंधित बचाव के सुझाव भी दीए । पंचायत की आपदा प्रबंधन समिति के उन सभी सदस्यों से चर्चा की और उनको बताया कि आप सभी लोग इस कार्य में सहयोग करें साथ में पंचायत वासियों का भी सहयोग लें जब तक एक दूसरे का सहयोग नहीं करेगा तब तक यह कार्य संभव नहीं हो सकेगा क्योंकि गांव में कुछ लोग बाहर से आ रहे हैं और अपने आप खुद छुपाते हैं ।तो यह कार्य अकेले प्रशासन नहीं देख पाएगा प्रशासन का सहयोग करने के लिए और आस पास पड़ोस के लोग भी इसमें जागरूकता लाएं और वह प्रशासन को भी अवगत कराएं जिससे समय रहते हुए अगर किसी को कोई परेशानी है तो शासन द्वारा उनका इलाज भी करवाया जाएगा पंचायत की बैठक में यह पंचायत सचिव मनोज शर्मा पटवारी अरुण शर्मा सरपंच केसरीबाई पुत्र चरण सिंह ,संतोष सिंह भदौरिया ,आशा कार्यकर्ता, रज्जु शर्मा, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता वर्षा शर्माओ3 ,आंगन वाड़ी कार्यकर्ता नर्मदा परिहार02,आंगनवाड़ी कार्यकर्ता वैदेही01, सभी सहायिका , उपसरपंच लाखन सिंह गुर्जर ,रोजगार सहायक गणेश गुर्जर, पंचायत मेंबर रणवीर सिंह बघेल , शंभू सिंह श्याम बिहारी शर्मा ,गिर्राज शर्मा , बीएलओ शिक्षक सिकंदर शाक्य ,हवलदार सिंह परिहार, मुरारी शर्मा एवं अन्य लोग उपस्थित रहे । कुटरोली ग्राम वासी द्वारा तहसीलदार का जताया आभार की इतनी जल्दी हमारी प्रशासन ने सुध ली उसके लिए धन्यवाद।

ख़बर का हुआ असर

एक नजर...

जैन मिलन महानगर ने घरों में भक्तामर का अखंड पाठ कर की प्रभु से प्रार्थना

ग्वालियर। जैन मिलन महिला महानगर के तत्वाधान में अक्षय तृतीया पर्व के अवसर पर रविवार को हमने कोरोना महामारी को देखते हुए संस्था के मेम्बरों ने अपने अपने घरों में भक्तामर का अखंड पाठ 10 घंटे का करके महामारी से जल्द से जल्द छुटकारा पाने के लिए वीर प्रभु से अंतर भावना से प्रार्थना की गई। जैन समाज के प्रवक्ता सचिन जैन ने बताया कि इस भक्तामर पाठ में सभी ने अपने अपने घरों में भगवान आदिनाथ की तस्वीर के आगे दीप प्रज्वलित कर जयकारों के साथ भक्तामर का शुभारंभ किया। भक्तामर पाठ के श्लोक वचन करते हुए जैन मिलन के राष्ट्रीय मासिक मिलन चेयरमैन निर्मल पाटनी एवं क्षेत्रीय निर्वत मान अध्यक्ष नीरज जी छाबड़ा ने भी अपने परिवार के साथ संस्था अध्यक्ष रेनू जैन, सचिव दीपिका जैन, कोषाध्यक्ष ममता पंड्या, संगीता कागदी, मंजू पाटनी, सुनीता गोधा, इंदु बोहरा, रेखा कासलीवाल, पूजा जी टोंग्या, अनीता जैन, रजनी टोंग्या, चंचल अजमेरा, ज्योति जैन, मोनिका सेठी, मीनू जैन, नमिता पाटनी, रेनू भौंच, मृदुला पहाड़िया, समता जैन, रेखा कासलीवाल, तेज कुमारी सोनी, हीरा गोधा, नमिता पाटनी, अमिता गोधा, गोलू भोच, अनीता जैन ने सामूहिक अखंड भक्तामर का पाठ कर कोरोना महामारी से जल्द से जल्द छुटकारा पाने के लिए वीर प्रभु से प्रार्थना की गई। अंत मे भगवान की दीपो से आरती उतारी गई। संस्था की ओर से कर्फ्यू लॉक डाउन में 24 घंटे हमारी सेवा में कार्य पुलिसकर्मियों को जूस पिलाया।संस्था की सचिव दीपिका जैन परिवार ने मुनिश्री विहर्ष सागर महाराज ससंघ का आहारचर्या संपन्न कराई गई।

एनटीएस थाना पुलिस ने दो आरोपी को किया गिरफ्तार

अमन राय

पश्चिम बंगाल (दुर्गापुर)। कहते हैं काल मनुष्य पर जब छाता है पहले विवेक मर जाता है. इस कथन को सच साबित किया है दुर्गापुर के सुभाषपल्ली इलाके के रहने वाले उज्जवल उपाध्याय उर्फ अज्जू ने एवं भांजां विक्रम दुबे ने. दरअसल अज्जू की बहन दूसरी शादी करने जा रही थी इस बात से खफा भाई ने अपने भांजे के साथ मिलकर बहन का किस्सा खत्म करने की रची साजिश. उज्जवल उपाध्याय उर्फ अज्जू एवं उसके भांजे विक्रम दुबे ने पहले तो दोनों ने मिलकर शराब पी और इसके बाद अपनी सगी बहन पर गोली दाग दी. और मौके से फरार हो गया. गोली लगने के बाद घायल अवस्था में पड़ोसियों की मदद से उसे महकमा अस्पताल ले जाया गया. जहां स्थिति की गंभीरता को देखते हुए एक गैर सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां उसका इलाज चल रहा है. पुलिस को इस बात की खबर मिलते ही तुरंत मौके पर पहुंची और कार्रवाई शुरू कर दी. पुलिस ने पहले भांजे को गिरफ्तार किया. फिर थोड़ी सी कड़ाई दिखाई तो उसने सारा स्क्रिप्ट उगल दिया. उसके बाद एनटीएस पुलिस ने अपने मुखवीरों के माध्यम से घटना के मुख्य आरोपी को भी पकड़ने में कामयाब रही. पुलिस अब पूरी घटना एवं उनके पास से बरामद पिस्तौल कहां से मिली उस रैकेट का भी पता लगाने में जुटी है ताकि उन्हें भी उनके गुनाहों की सजा दी जा सके।

निःशुल्क दवा वितरण अभियान का प्रारंभ

पुष्पांजली टुडे

मुरैना कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं विधानसभा जौरा के प्रत्याशी पंकज उपाध्याय द्वारा कोरोना महामारी की रोकथाम के लिए स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी गाइडलाइन के अनुरूप निर्धारित सात दवाओं का निशुल्क वितरण अभियान प्रारंभ किया गया जिसमें जौरा नगर में दो जगह पर निशुल्क दवाएं मिल सकेंगी जिसके लिए मरीज को डॉक्टर से लिखित रूप में परामर्श लेना अनिवार्य रहेगा निशुल्क दवा वितरण कार्यक्रम का प्रारंभ करते हुए पंकज उपाध्याय ने बताया मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री माननीय कमलनाथ जी के निर्देशानुसार महामारी के समय जोरा क्षेत्र में आमजन के सहयोग के लिए अभियान प्रारंभ किया गया है कोविड-19 से संक्रमित लोग जो होम आइसोलेशन में हैं ऐसे नागरिकों के लिए निशुल्क दवा वितरण व्यवस्था रखी गई है ग्रामीण क्षेत्रों में कोरोना महामारी का बहुत भय व्याप्त है गरीब ग्रामीणों को दवाइयां उपलब्ध नहीं हो पा रही है कोरोना महामारी अब शहरों से निकलकर ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंच चुकी है कई ग्रामों में सर्दी जुकाम के साथ कोरोना के मरीज निकल रहे हैं लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में दवाइयां ना मिलने कारण लोग परेशान हो रहे हैं जिसके लिए हमने जौरा एवं कैलारस में निशुल्क दवाई वितरण का बीड़ा उठाया है इसमें जनता को एजित्रोमायसिन पेरासिटामोल सिट्रीज़ीन मल्टीविटामिन रेनिटिजिन जिंक एवं विटामिन सी की टेबलेट का वितरण निशुल्क किया जाएगा। यह दवाइयां स्वास्थ्य मंत्रालय के द्वारा तय किए गए मापदंडों के अनुसार दी जा रही है कैलारस नगर में पुरानी सब्जी मंडी में स्थित वीरेंद्र धाकड़ शम्मा कुरैशी एवं सुमित शुक्ला के मेडिकल पर निशुल्क दवाइयां उपलब्ध रहेंगी । कार्यक्रम में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष लक्ष्मी दुबे राजकुमार सिघल मुकेश शुक्ला अशोक जाटव राजाराम बंसल साबिर पठान रफीक खान शम्मा कुरैशी वीरेंद्र धाकड सुरेश रजक अमर सिंह धाकड़ राम नरेश जाधव नरहरी शर्मा मोहित शुक्ला रिजवान खान मौजूद थे। जौरा शहर में टाउन हॉल गली नरेंद्र मेडिकल पर एवं पगारा रोड पर शुक्ला मेडिकल पर निशुल्क दवाई उपलब्ध रहेंगी। कार्यक्रम में जिला कांग्रेस कमेटी के महामंत्री द्वय गोपाल शर्मा, गिर्राज उपाध्याय, वरिष्ठ कांग्रेसी महावीर प्रसाद जैन युवा नेता रवि नरेश मुद्गल अंकित मुद्गल प्रमोद शर्मा पम्मी,दिलीप काला, नरेंद्र त्यागी दामोदर त्यागी अक्षत शर्मा इंदल सिंह महाना, के के अवस्थी, कालीचरण त्यागी जमाल खां,अजीत वर्मा आदि उपस्थित थे।

ग्रामीण क्षेत्रों में कोरोना संक्रमण को प्रभावी ढंग से रोकें - मुख्यमंत्री श्री चौहान

भिण्ड। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि प्रदेश में कोरोना संक्रमण को समाप्त करने के लिए शहरों में कोविड केयर सेंटर और ग्रामीण क्षेत्रों में चल रहे किल कोरोना अभियान की नियमित समीक्षा प्रभारी मंत्री और प्रभारी अधिकारी सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में कोरोना को फैलने से प्रभावी ढंग से रोकना है। इसके लिए ग्रामीणजनों का व्यापक सहयोग लिया जाए। ग्राम पंचायत में स्थानीय स्तर पर आपदा प्रबंधन कमेटी, जन-प्रतिनिधि, गाँव के वरिष्ठ नागरिक नियमित अंतराल में बैठक कर कोरोना संक्रमण की स्थिति, जन-जागरूकता बढ़ाने और संक्रमण को रोकने के लिए चर्चा करें और ग्रामीणों को जोड़ें। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि इस बात का पूरा ध्यान रखा जाए कि सर्दी, जुकाम, खाँसी और बुखार का कोई मरीज छूटे नहीं। मरीज को निःशुल्क मेडिकल किट देकर इलाज की प्रक्रिया तेज की जाए। कोरोना के लक्षणों वाले व्यक्तियों की जाँच की जाए। कोरोना टेस्टिंग बढ़ाई जाए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि कोरोना पीड़ित व्यक्ति की मृत्यु न हो, इस कार्य योजना पर पूरी तत्परता से अमल किया जाए। मुख्यमंत्री श्री चौहान गत दिवस निवास से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कोरोना नियंत्रण के कोर ग्रुप के सदस्यों से चर्चा कर रहे थे। उन्होंने प्रदेश के जिलों में कोरोना की स्थिति और व्यवस्थाओं की समीक्षा की। बैठक में कोर ग्रुप के सदस्य, मंत्री, अधिकारी और जिलों के प्रभारी मंत्री उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि ऐसे परिवार जिसमें कमाने वाले सदस्य की कोरोना की वजह से मृत्यु हो गई है और परिवार के बच्चे बेसहारा हो गए हैं। ऐसे परिवारों की सूची तत्काल तैयार की जाए और उन्हें राज्य शासन की पेंशन योजना का लाभ तुरंत पहुँचाना सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि ब्लैक फंगस से पीड़ित मरीजों के समाचार प्राप्त हो रहे हैं। सरकार इन सब मरीजों का निरूशुल्क इलाज कराएगी। शासन ने पाँच मेडिकल कॉलेज भोपाल, जबलपुर, ग्वालियर, इंदौर और रीवा में ब्लैक फंगस के इलाज के लिए विशेष वार्ड बनाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि ब्लैक फंगस की लक्षणों के बारे में आम जनता को सरल भाषा में बताया जाए। राज्य शासन के अधिकारी विशेषज्ञों से चर्चा कर इस बीमारी को शुरूआत में ही पहचानने और इलाज के तरीकों के संबंध में एडवाइजरी तैयार करें और जनता तक पहुँचाए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि ब्लैक फंगस बीमारी के इलाज के लिए दवाईयों की कमी नहीं होने दी जाएगी। उन्होंने केन्द्र सरकार और दवा बनाने वाली कम्पनियों से इंजेक्शन की आपूर्ति के संबंध में चर्चा की है और शीघ्र ही आवश्यक दवाईयाँ उपलब्ध हो जाएंगी। अपर मुख्य सचिव श्री मोहम्मद सुलेमान ने बताया कि मेडिकल कॉलेज के चिकित्सकों की चर्चा अंतर्राष्ट्रीय स्तर के विशेषज्ञों से कराई गई है। ब्लैक फंगस के संक्रमण और उपचार के संबंध में काफी विस्तार से बात हुई है, जिसका लाभ पीड़ित मरीजों को मिलेगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि कोविड से बचाव और उपचार के संबंध में विशेषज्ञों, डब्ल्यू.एच.ओ. के अधिकारी और भारतीय प्रशासनिक सेवा के मध्यप्रदेश कैडर के दिल्ली और अन्य स्थानों में पदस्थ अधिकारियों, भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारियों और भारतीय वन सेवा के अधिकारियों से चर्चा हुई है। उनके सुझाव तो प्राप्त किए ही गए हैं साथ ही उनसे विभागीय सहयोग भी लिया जाएगा। इस संबंध में कार्ययोजना बनाई जा रही है। प्रदेश में आज 7,571 नए कोरोना प्रकरण आए हैं और 11 हजार 973 मरीज स्वस्थ हुए हैं। एक्टिव मरीजों कीसंख्या घटकर 99 हजार 970 हो गई है। प्रदेश की पॉजिटिविटी दर घटकर 11.05त्न रह गई है।

अंतर्राज्जीय बस परिवहन सेवा 23 मई तक स्थगित

भिण्ड। राज्य शासन ने कोरोना वायरस के संक्रमण पर प्रभावी रोकथाम के लिए लोकहित में मध्यप्रदेश में उत्तरप्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान और छत्तीसगढ़ राज्य से आने तथा जाने वाले बस परिवहन संचालन को पूर्व में 15 मई तक स्थगित किया था। सचिव, राज्य परिवहन प्राधिकारी एवं अपर परिवहन आयुक्त ने बताया कि उक्त राज्यों से आने तथा जाने वाले बस परिवहन संचालन को स्थगित करने की अवधि बढ़ाकर 23 मई, 2021 कर दी गई है। इस संबंध में आदेश जारी कर दिये गये हैं।

स्थानीय विधायक बाहरी विधायकों से भी ज्यादा व्यस्त

मोहन मांझी पुष्पांजली टुडे

गोहद विधानसभा क्षेत्र गोहद में लगभग 30 वर्ष से अधिक समय के बाद कांग्रेस पार्टी द्वारा स्थानीय प्रत्याशी मेवाराम को टिकट मिला था और लोगों ने उन भरोसा जताते हुए विधायक बनाया वर्ष 2018 में हुए चुनाव में कांग्रेस विधायक रणवीर जाटव के जीतने के बाद भाजपा में चले जाने से इस सीट पर उपचुनाव हुआ था जहां भाजपा ने रणवीर जाटव को उम्मीदवार बनाया था वही कांग्रेस ने स्थानीय प्रत्याशी की मांग को देखकर पिछले तीन बार चुनाव लड़ चुके मेवाराम जाटव को अपना प्रत्याशी बनाया और जनता ने पूरी सरकार के चुनाव में मोजूद होते हुए भी स्थानीय प्रत्याशी को चुनाव जिताया जनता ने उम्मीद लगाई थी कि स्थानीय प्रत्याशी भले ही विपक्ष में रहे भले ही काम ना हो लेकिन विधायक हमारे नगर में ही रहेगा और आए दिन होने वाली समस्याओं को भी हल कराने का प्रयास करेगा लेकिन चुनाव होने के बाद देखने में आया निरंतर लगभग 30 वर्षों से बाहरी प्रत्याशियों को विधायक बनाया गया दो हजार अट्ठारह में रणवीर जाटव को चुना गया लेकिन 1 वर्ष बाद ही सियासी उठापटक में 28 विधायकों के साथ रणवीर जाटव भाजपा में शामिल हो गए इनमें बाहरी प्रत्याशी होते हुए भी इन विधायकों ने भले ही वह ग्वालियर में निवास करते हो लेकिन विधानसभा क्षेत्र में आने की सूचना पूर्व से मिल जाती थी और कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ता था कार्यकर्ता एक

अपने निवास पर पहुंचते हैं मेहमान की तरह कार्यकर्ताओं को भी नहीं लग पाती भनक

दूसरे की समस्या को प्रतिनिधियों के सामने रखते थे और प्रतिनिधि भी तुरंत समस्या का समाधान कराने का प्रयास करते थे लेकिन 2020 में चुनाव उपचुनाव में मेवाराम जाटव के चुनाव जीतने के बाद जनता अपने आप को ठगा सा महसूस कर रही है विधायक आए दिन ग्वालियर में ही निवास करते हैं कोरोना काल में आम नागरिक परेशान हैं लॉकडाउन में गरीब मजदूर परेशान हैं लेकिन उनकी सुनने वाला कोई मौजूद नहीं है उनके द्वारा बनाए गए प्रतिनिधि भी सिर्फ फोटो खिंचवाने तक सीमित है जबकि इस समय प्रतिनिधि की बहुत आवश्यकता है अस्पतालों की व्यवस्थाएं चरमराई हैं राशन की दुकानों पर राशन नहीं मिल पा रहा है कई बार्डो में पानी की समस्या विकराल बनी हुई है अधिकारी निरंकुश है गरीब मजदूर यदि समस्या को लेकर कहीं ऑफिसों में जाता भी है तो कोरोना के चलते उनको वहां से चलता कर दिया जाता है कोई सुनने को तैयार नहीं है यदि यही व्यवस्था रही तो आगे आने वाले समय में स्थानीय प्रत्याशियों पर कौन भरोसा करेगा आज भी पिछले चुनावों में हारे हुए प्रत्याशी लाल सिंह आर्य एवं रणवीर जाटव क्षेत्र में सक्रिय हैं लेकिन वर्तमान विधायक का पता ही नहीं एक बार खुले मंच से लहार विधायक डॉक्टर गोविंद सिंह ने भी विधायक मेवाराम जाटव को सचेत किया था कि आपने आपको जनता ने चुना है आप उनके फोन नहीं उठाते ऐसा ना हो कि जब जनता आपको भूल जाए इसलिए आप बराबर फोन उठाएं और आमजन की बात सुनें।

पुलिस ड्यूटी के साथ कर रहे पीड़ितों की सेवा

पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर। कोरोना वैष्विक महामारी की दूसरी लहर के प्रकोप के चलते गरीब, असहाय, विकलांग, जरूरतमंद, दिहाड़ी मजदूर, रोजाना कमाने वाले एवं दर-दर भटक रहे लोगों के लिये सरकारों द्वारा दी जा रही सुविधाओं के अतिरिक्त समाज के कई एन.जी.ओ., सामाजिक संगठन, ग्रुप एवं धार्मिक संस्थायें भोजन एवं सूखे राषन की व्यवस्था कर रही हैं। इन सब के बीच पुलिस का मानवीय चेहरा किसी से छुपा नहीं है। जिला ग्वालियर में पदस्थ सूबेदार अक्षुण्ण बोहरे अपनी ड्यूटी के साथ-साथ गरीब, असहाय, विकलांग, जरूरतमंद, दिहाड़ी मजदूर, रोजाना कमाने वाले एवं दर-दर भटक रहे लोगों के लिये सामाजिक संस्थाओं के सहयोग से भोजन की व्यवस्था कर रहे हैं। साथ ही उनके द्वारा अभी तक स्वयं की बचत आय से जरूरतमंदों को सूखा राषन एवं झुग्गी में रहने वाले बच्चों को मास्क, सेनेटाइजर एवं हैण्ड ग्लब्स वितरित किये गये हैं।

झुग्गी बस्तियों के बच्चों को किया मास्क, सेनेटाइजर एवं हैण्ड ग्लब्स का वितरण–कोरोना वैष्विक महामारी के प्रकोप के चलते सूबेदार अक्षुण्ण बोहरे ने जिला ग्वालियर के भितरवार, डबरा, पिछोर, टेकनपुर, समूदन के आसपास की बस्तियों में स्वयं की बचत आय से बच्चों को सेनेटाइजर, मास्क एवं हैण्ड ग्लब्स का वितरण कर कोरोना वायरस से बचाव हेतु जागरूक किया।

जरूरतमंदों को दवाई पहुँचाकर दिखाई मानवता–डबरा निवासी हेमंत एवं विकास को अपनी मां की दवाई लेने ग्वालियर जाना था, परंतु लॉकडाउन के चलते वह ग्वालियर नहीं जा पाये। जब उन्होंने अपनी समस्या ग्वालियर में पदस्थ सूबेदार अक्षुण्ण बोहरे को बताई, तो उन्होंने ड्यूटी उपरांत दवाई भेजने का आष्वासन दिया। ड्यूटी के उपरांत श्री बोहरे द्वारा दवाई संबंधितों के पास पहुँचाकर अपनी कर्तव्यनिष्ठा एवं मानवता का परिचय दिया।

पिछले वर्ष बच्चे को बचाकर हुए थे घायल–सूबेदार बोहरे द्वारा पिछले वर्ष कोरोना की पहली लहर के समय जौरासी हाइवे पर भोजन वितरण के दौरान मजदूर के बच्चे को भारी वाहन की चपेट में आने से बचाकर स्वयं घायल हो गए थे।

सोषल मीडिया के माध्यम से कोराना वायरस से बचाव हेतु लोगों को कर रहे हैं जागरूक––कोरोना वैष्विक महामारी के प्रकोप के चलते सूबेदार अक्षुण्ण बोहरे द्वारा सोषल मीडिया के माध्यम से ''इंडिया फाइट कोरोना'' अभियान चलाकर शासन की योजना, निर्देष एवं बचाव हेतु जारी दिषा-निर्देषों से आमजन को निरंतर जागरूक कर रहे हैं।

यह जीवन उनके लिये अभियान को कर रहे हैं लीड–सूबेदार अक्षुण्ण बोहरे के ''यह जीवन उनके लिये'' अभियान से जुड़े देष के लगभग 5200 लोग सोषल मीडिया के माध्यम से बाल श्रम एवं बाल बंधुआ मजदूरी समाप्त करने के लिये लोगों को जागरूक कर जनचेतना अभियान का चला रहे हैं। इनके ग्रुपकी युवा टीम से जुड़े लोग अधिकांषतः उच्च पदों पर आसीन हैं, जो प्रतिमाह अपनी वेतन में से कुछ रूपयों को एकत्रित कर गरीब बच्चों को अच्छा भोजन, कपड़े एवं पढ़ाई का सामान वितरित कर समाज के सामने एक नई मिसाल कायम कर रहे हैं।

ग्वालियर, सोमवार 17 मई 2021

दैनिक पुष्पांजली टुडे

कोरोना संक्रमण की चैन तोड़ने के लिए किए जा रहे प्रयास

भिण्ड। मध्यप्रदेश में 5 स्तरीय रणनीति आइडेंटिफाई, टैस्ट, आइसोलेट, ट्रीट एवं वैक्सिनेट अपनाकर कोरोना नियंत्रण के लिए दिन-रात कार्य किया जा रहा है तथा कोरोना की गति को नियंत्रित कर लिया गया है। अब निरंतर संक्रमण कम हो रहा है। नए प्रकरणों तथा सक्रिय प्रकरणों दोनों की संख्या कम हो रही है।

96 ऑक्सीजन प्लांट लगाए जा रहे हैं-श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश में केन्द्र सरकार के सहयोग से तथा राज्य सरकार के मद से कुल 96 ऑक्सीजन संयंत्र लगाए जा रहे हैं।

नकली रेमडेसिविर बेचने वालों के विरुद्ध रासुका में कार्रवाई-प्रदेश में नकली रेमडेसिविर बेचने वालों, कालाबाजारी करने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध रासुका में कार्रवाई करते हुए उन्हें जेल भेजा जा रहा है। साथ ही अधिक राशि वसूलने वाले अस्पतालों के विरुद्ध भी कार्रवाई की गई है तथा मरीजों के परिजनों को लगभग 74 लाख रूपए की राशि वापस कराई गई है। कोरोना महामारी से अनेक परिवारों में कोई भी कमाने वाला और पालन-पोषण करने वाला सदस्य जीवित नहीं बचा है। ऐसे परिवारों के सामने जीवन यापन का संकट पैदा हो गया है। बच्चों के पिता एवं अभिभावक और बुजुर्गों के बुढ़ापे की लाठी उनके युवा बेटे तथा परिवार के कमाने वाले सदस्य अब इस दुनिया में नहीं है। जीविकोपार्जन का सहारा छिन चुके ऐसे परिवारों को प्रदेश सरकार द्वारा पाँच हजार रुपये प्रतिमाह पेंशन दी जायेगी। आइडेंटिफाई, टेस्ट, आइसोलेट, ट्रीट प्रदेश में किल कोरोना अभियान के माध्यम से एक-एक कोरोना मरीज को ''आइडेंटिफाई'' किया जा रहा है। प्रदेश में रोज लगभग 65 हजार टेस्ट किए जा रहे हैं। टेस्ट कराना हर नागरिक का अधिकार बनाया गया है। 'आइसोलेशन' के लिए घर पर तथा कोविड केयर सेंटर्स में अच्छी व्यवस्था की गई है। इलाज के लिए सरकारी, अनुबंधित तथा आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत संबद्ध सभी निजी अस्पतालों में कोरोना मरीजों का निःशुल्क इलाज किया जा रहा है। होम आइसोलेट कोरोना मरीजों को मेडिकल किटों का वितरण लगातार जारी है। अभी तक 52 जिले में 2 लाख 42 हजार 219 मेडिकल किट वितरित की जा चुकी हैं। 18 अप्रैल से 12 मई के मध्य नगरीय क्षेत्रों में फीवर क्लीनिक एवं होम डिलीवरी के माध्यम से 2 लाख 42 हजार 219 मेडिकल किट कोविड मरीजों को उपलब्ध कराई गई हैं। उन्होंने जानकारी दी है कि 18 अप्रैल को 12 हजार 583, 19 अप्रैल को 16 हजार 914, 20 अप्रैल को 11 हजार 465, 21 अप्रैल को 10 हजार 327, 22 अप्रैल को 11 हजार 76, 23 अप्रैल को 11 हजार 17, 24 अप्रैल को 10 हजार 658, 25 अप्रैल को 9 हजार 497, 26 अप्रैल को 9 हजार 360, 27 अप्रैल को 9 हजार 705, 28 अप्रैल को 11 हजार 141, 29 अप्रैल को 9 हजार 347, 30 अप्रैल को 8 हजार 958, एक मई को 10 हजार 253, 2मई को 9 हजार 112, 3 मई को 8 हजार 439, 4 मई को 9 हजार 301, 5 मई को 8 हजार 455, 6 मई को 8 हजार 866, 7 मई को 7 हजार 983, 8 मई को 7 हजार 746, 9 मई को 7 हजार 450, 10 मई को 7 हजार 248, 11 मई को 7 हजार 387 और 12 मई को 7 हजार 931 कोविड मरीजों को मेडिकल किट वितरित की गई हैं। अनाथ बच्चों और बुजुर्गों के परिवार और अनाथ हुए परिवार का कोई सदस्य यदि काम-धंधा करना चाहता है तो उसको प्रदेश सरकार की गारंटी पर बिना ब्याज का ऋण उपलब्ध कराया जाएगा। ऐसे दुःखी परिवार जिनका कोई सहारा नहीं है उनका सहारा प्रदेश की सरकार है। अनाथ बच्चे हमारे प्रदेश के बच्चे हैं। इनकी देखभाल प्रदेश करेगा, प्रदेश सरकार करेगी। राज्य सरकार किसी भी बच्चे को बेसहारा नहीं छोड़ सकती है। अनाथ बच्चों, बुजुर्गों और परिवारों को जीवन यापन में कोई परेशानी नहीं होने नहीं दी जायेगी। प्रदेश सरकार पूरा ध्यान रखेगी। अनाथ बच्चों की शिक्षा का निःशुल्क प्रबंध किया जाएगा, जिससे वे अपनी पढ़ाई बिना बाधा जारी रख सकें। अनाथ बच्चों, बुजुर्गों और परिवारों को पात्रता नहीं होने के बाद भी निःशुल्क राशन दिया जाएगा। उनके भोजन की समस्या का समाधान होगा। दिनांक 12 मई, प्रदेश में कोरोना के 9754 नए प्रकरण आए है, 9517 मरीज स्वस्थ हुए हैं तथा 1 लाख 11 हजार 366 सक्रिय मरीज हैं। प्रदेश में आज पॉजिटिविटी रेट 14.78 प्रतिशत रहा। साप्ताहिक पॉजिटिविटी 17.2 प्रतिशत है। संक्रमण की दृष्टि से प्रदेश का देश में 15वां स्थान है। प्रदेश के 10 जिलों में 200 से ज्यादा नए प्रकरण हैं। इंदौर में 1651, भोपाल में 1412, ग्वालियर में 793, जबलपुर में 542, रतलाम में 350, उज्जैन में 275, रीवा में 251, दमोह में 243, शहडोल में 242 शिवपुरी में 210 नए प्रकरण आए हैं।

आयुष्मान भारत योजना में 335 निजी अस्पताल संबद्ध-प्रदेश में आयुष्मान भारत योजना में अभी तक 335 निजी अस्पतालों को सम्बद्ध किया गया है, 1335 कोविड मरीजों को निःशुल्क इलाज दिया जा रहा है। नकली रेमडेसिविर बनाने वाले और इसकी कालाबाजारी करने वाले विरुद्ध कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जा रही है। इस संबंध में विधि-विशेषज्ञों की मदद ली जा रही है। प्रदेश में अभी तक ऐसे 48 मामलों में रासुका के अंतर्गत कार्रवाई और एफ.आई.आर. दर्ज की गई है। कलेक्टर डॉ सतीश कुमार एस के निर्देशानुसार जिला प्रबंधक लोक सेवा प्रबंधन श्री भानु प्रजापति एवं लोक सेवा टीम के द्वारा कोविड सभी वार्डो का भ्रमण कर ऑनलाइन ड्यूटी डाक्टर के सहयोग से समस्त संक्रमित मरीजो के आयुष्मान कार्ड बनाना प्रारंभ कर दिया गया है। साथ ही उनके परिजनों के आयुष्मान कार्ड बनाने हेतु संबंधित लोक सेवा टीम के द्वारा मरीजो के घर पर भ्रमण कर पात्र सदस्यों के आयुष्मान कार्ड बनाने की कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है। राज्य शासन द्वारा रबी उपार्जन में किसानों से समर्थन मूल्य पर गेहूँ, चना, मसूर और सरसों की खरीदी की जा रही है। प्रदेश में बनाए गए 5171 उपार्जन केन्द्रों पर अब तक 13 लाख 54 हजार 497 किसानों से एक करोड़ मीट्रिक टन से अधिक गेहूँ, चना एवं मसूर की खरीदी की जा चुकी है।

रबी उपार्जन की प्रगति-रबी उपार्जन में इस बार 35 लाख 79 हजार 423 किसानों ने अपना पंजीयन करवाया। इनमें से 35 लाख 64 हजार 569 किसानों का पंजीयन वेरीफाई हुआ। खरीदी के लिए 5735 उपार्जन केन्द्र बनाये गये। इनमें से 5171 केन्द्र सक्रिय हैं। इनमें से गेहूँ के लिए 4657 केन्द्र और चना, मसूर एवं सरसों के लिए 514 केन्द्रों पर खरीदी का कार्य हो रहा है। फसल खरीदी के लिए 32 लाख 74 हजार 625 किसानों को एसएमएस किये गये। अब तक 13 लाख 12 हजार 605 किसानों से 99 लाख 38 हजार 29 मीट्रिक टन गेहूँ, 41 हजार 850 किसानों से एक लाख 10 हजार 480 मीट्रिक टन चना और 37 किसानों से 17 मीट्रिक टन मसूर की खरीदी की जा चुकी है। इस प्रकार अभी तक एक करोड़ 48 हजार 526 मीट्रिक टन उपज समर्थन मूल्य पर क्रय की जा चुकी है, जिसका मूल्य 20 हजार 191 करोड़ रूपये है। इसमें से 15 हजार 476 करोड़ रूपये का भुगतान संबंधित कृषकों को किया जा चुका है। क्रय की गई उपज में से 92 लाख 64 हजार 858 मीट्रिक टन का परिवहन भी किया जा चुका है। कोरोना संकट काल में किसानों से खरीदी का कार्य प्रभावित न हो, इसके लिए शासन द्वारा प्रत्येक खरीदी केन्द्र पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करवाये गये। केन्द्रों पर किसानों की भीड़ न लगे, इसके लिए किसानों को एसएमएस कर केन्द्र पर आने की सूचना दी गई। इस बार खरीदी केन्द्रों पर कोरोना संक्रमण को देखते हुए प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन करवाया जा रहा है।

कलेक्टर एवं एसपी ने स्थापित हो रही सीटी स्कैन मशीन लगाने में गति देने के दिए निर्देश कलेक्टर डॉ सतीश कुमार एस, पुलिस अधीक्षक श्री मनोज कुमार सिंह ने जिले में स्थापित होने जा सीटी स्कैन मशीन के स्थान का निराक्षण कर सीटी स्कैन मशीन शीघ्र लगाने में गति लाने के लिए संचालक को दिशा निर्देश दिए। इस दौरान सीएमएचओ डॉ अजीत मिश्रा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। डॉ सतीश कुमार एस द्वारा भिण्ड जिला अंतर्गत समिति का गठन किया गया है जिसमें आंशिक संशोधन करते हुए इस समिति में अपर कलेक्टर श्री प्रवीण फुलपगारे को अध्यक्ष, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ अजीत मिश्रा, अध्यक्ष इण्डियन मेडीकल एसोसिऐशन डॉ गुलाब सिंह किरार, प्रतिनिधि नर्सिंग होम एसोसिऐशन डॉ व्हीसी जैन को सदस्य एवं औषधि निरीक्षक श्रीमती आकांक्षा गरूड को संयोजक रहेंगे।

ब्लैक फंगस के प्रकरणों की जल्द पहचान सुनिश्चित की जाएः मुख्यमंत्री

भिण्ड। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि ब्लैक फंगस के प्रकरणों की जल्द पहचान के लिए संपूर्ण प्रदेश में तत्काल व्यापक स्तर पर अभियान चलाने की आवश्यकता है। प्रत्येक वार्ड और ग्रामस्तर पर ब्लैक फंगस के प्रकरणों की तत्काल पहचान के लिए आवश्यक रणनीति विकसित कर एडवाइजरी जारी की जाए। इससे ऐसे प्रकरणों में तत्काल उपचार सुनिश्चित किया जा सकेगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने ब्लैक फंगस के उपचार के लिए पाँच मेडिकल कॉलेज भोपाल, जबलपुर, ग्वालियर, इंदौर और रीवा में विशेष वार्ड बनाने के निर्देश भी दिए हैं।

मुख्यमंत्री श्री चौहान विशेषज्ञों और ग्रुप ऑफ़ ऑफिसर के साथ कोविड नियंत्रण व स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ीकरण के लिए भविष्य की कार्य योजनाओं पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग पर आयोजित ष्विचार मंथनष् को निवास से संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश में कोरोना के विरुद्ध अभियान जनता के सहयोग से संचालित किया गया। जिले से लेकर ग्राम स्तर तक आपदा प्रबंधन समूहों और अन्य माध्यमों से जनता के सहयोग से लड़ी गई कोविड के विरुद्ध लड़ाई में सफलता मिली है और प्रदेश में संक्रमण नियंत्रित हुआ है। इस दिशा में लम्बी लड़ाई बाकी है। राज्य सरकार हर स्तर पर अपनी रणनीति में सुधार के लिए सुझाव और चर्चा को आवश्यक मानती है। मध्यप्रदेश आदर्श रूप से कोविड नियंत्रण कर सके, इस उद्देश्य से ही विशेषज्ञों और अधिकारियों की यह बैठक बुलाई गई है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने विशेषज्ञों और ग्रुप ऑफ़ ऑफिसर से कोविड-19 के प्रबंधन में समाज की सहभागिता बढ़ाने, कोविड नियंत्रण के लिए आवश्यक आदतों और व्यवहार को स्थाई रूप से जीवन का हिस्सा बनाने, निजी और शासकीय अस्पतालों के बेहतर प्रबंधन, स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण, नागरिकों को स्वस्थ जीवन चर्या अपनाने के लिए प्रेरित करने, परंपरागत चिकित्सा पद्धतियों के विस्तार और अन्य राज्यों तथा देशों की बेस्ट प्रैक्टिसेस तथा उनकी प्रदेश के लिए प्रासंगिकता के संबंध में सुझाव मांगे। इसके साथ ही पोस्ट कोविड केयर की प्रक्रिया, ब्लैक फंगस की स्थिति और बचाव, कोरोना की तीसरी वेव को ध्यान में रखते हुए आवश्यक तैयारियों और कोरोना के बाद हमारा व्यवहार कैसा हो, इस संबंध में भी सुझाव आमंत्रित किए गए। अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य श्री मोहम्मद सुलेमान ने प्रदेश में कोविड-19 के प्रबंधन पर प्रस्तुतीकरण दिया। विचार मंथन' में नीति आयोग के सीनियर कंसल्टेंट डॉ. के. मदन गोपाल, दिल्ली स्थित थिंक टैंक रिसर्च एण्ड इनफार्मेशन सिस्टम इन डव्हलेपमेंट कंट्रेरीज (आरआईएस) में डायरेक्टर जनरल तथा रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स में सदस्य प्रो. सचिन चतुर्वेदी, विश्व स्वास्थ्य संगठन के डॉ. अभिषेक जैन, गांधी मेडिकल कॉलेज भोपाल की सदस्य डॉ. ज्योत्सना श्रीवास्तव, यूनिसेफ की सुश्री वंदना भाटिया, डॉ. राहुल खरे, डॉ. निशांत खरे, एम्स भोपाल के डॉ. देवाशीष विश्वास, गांधी मेडिकल कॉलेज के डॉ. लोकेन्द्र दवे, डॉ. महेश माहेश्वरी, नेशनल अस्पताल के डॉ. पी.के. पाण्डे सम्मिलित हुए। चर्चा में अपर मुख्य सचिव सर्वश्री राजेश राजौरा, एस.एन. मिश्रा, मलय श्रीवास्तव, प्रमुख सचिव श्री मनोज गोविल, श्री नीरज मण्डलोई, श्री संजय दुबे, डॉ. पल्लवी जैन गोविल, श्री प्रतीक हजेला, सचिव श्री सुखवीर सिंह, आयुक्त जबलपुर श्री बी. चंद्रशेखर, आयुक्त इन्दौर श्री पवन शर्मा, कलेक्टर रीवा श्री टी. इल्लैयाराजा, कलेक्टर बुरहानपुर श्री प्रवीण सिंह अढायच ने अपने सुझाव रखे। प्रो. सचिन चतुर्वेदी ने कहा कि भोपाल, इंदौर सहित जहाँ ज्यादा प्रकरण हैं, वहाँ विशेष रणनीति अपनानी होगी। समुदाय के प्रयासों को एक विशेष पोर्टल पर प्रस्तुत किया जाए। समुदाय को जोड़ने के प्रयासों का डाक्यूमेटेंशन हों। राज्य स्तर पर टेस्टिंग, ट्रेसिंग के साथ-साथ माइक्रो कंटेनमेंट एप्रोच अपनाना होगी। अर्थ-व्यवस्था को सुरक्षित रखने के लिए प्रयास करना आवश्यक है। डिजिलट डाटा फॉर हेल्थ, ई.संजीवनी और आयुष्मान भारत को समन्वित कर आगामी रणनीति विकसित की जाए।

ब्लैक फंगस के उपचार के लिए 5 मेडिकल कॉलेजों में बनेंगे विशेष वार्ड, मुख्यमंत्री श्री चौहान ने किया विशेषज्ञों और ग्रुप ऑफ़ ऑफिसर के साथ विचार-मंथन

निजी, शासकीय अस्पतालों और इंश्योरेंस कम्पनियों के मध्य बेहतर समन्वय हो। आयुष किट, काढ़ा, भाप के उपयोग के साथ आयुष के अनुशासन के पालन की भी आवश्यकता होगी। ग्रामीण क्षेत्र में टेस्टिंग बढ़ाने के लिए रूरल हेल्थ वर्कर्स की भर्ती हो। वैक्सीन के मूल्य के लिए राज्य मिलकर नेगोसिएशन करें। रिजर्व बैंक के साथ बात कर 50 करोड़ के पैकेज का लाभ लेते हुए ऑक्सीजन यूनिट लगाने के लिए उद्यमियों को प्रोत्साहित किया जाए। स्वस्थ मध्यप्रदेश से ही आर्थिक रूप से समृद्ध मध्यप्रदेश का निर्माण संभव है, अतरू दवाओं व ऑक्सीजन उत्पादन इकाइयों की स्थापना के लिए उद्यमियों को प्रोत्साहित किया जाए। डॉ. के. मदन गोपाल ने सुझाव दिये कि फ्रंट लाईन वर्कर्स के उत्साह और मनोबल को बनाए रखना आवश्यक होगा। जन-भागीदारी और जन-सहयोग से ही रणनीति क्रियान्वित की जाए। मंदसौर, उमरिया, दमोह और निकटवर्ती राज्यों से लगे जिलों पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। कम संख्या वाले जिलों में भी सावधानी रखें। टेस्ट करते रहें। एम्स, आईसीएमआर, नीति आयोग का एक ही हेल्थ प्रोटोकॉल आए, अलग-अलग नहीं। मेडिकल कॉलेजों से अस्पतालों को जोड़ा जाए। मेडिकल कॉलेज अस्पतालों के मेंटर की भूमिका पर आए। कोमोर्बेडिटी पर विशेष ध्यान रखा जाए। मौतें कैसे रोकें इसके लिए समीक्षा की सही व्यवस्था हो। ट्रेसिंग और अन्य नॉन मेडिकल कार्यों में स्वयंसेवी संस्थाओं का सहयोग लिया जाए। डॉ. अभिषेक जैन, विश्व स्वास्थ्य संगठन ने सुझाव दिये कि बच्चों की बीमारी के प्रकरणों के लिए डेडिकेटेड कॉल नंबर हो। टीकाकरण में शिक्षकों को प्राथमिकता दी जाए। ब्लैक फंगस को रोकने के लिए गाइडलाइन बनाना आवश्यक है। आशा, आँगनवाड़ी कार्यकर्ता का क्षमता विकास आवश्यक किया जाए। डॉ. ज्योत्सना श्रीवास्तव ने सुझाव दिये कि 16 वर्ष तक के आयु वर्ग के बच्चों के टीकाकरण की व्यवस्था हो, 5 वर्ष से कम आयु वर्ग के बच्चों के इलाज के लिए टेलि-कम्युनिकेशन सुविधा को सुदृढ़ किया जाए। ब्लैक फंगस के नियंत्रण के लिए इंफेक्शन और साफ-सफाई पर अस्पताल के कर्मचारियों को विशेष जागरूक करने की आवश्यकता है। डॉ. वंदना, यूनिसेफ ने कहा कि ड्राइव इन वैक्सीनेशन की सुविधा का विस्तार जरूरी है। जिन बच्चों के माता-पिता दोनों का देहांत हो गया है, उन्हें तुरंत सुरक्षा उपलब्ध कराने के लिए महिला बाल विकास विभाग के साथ मिलकर प्रभावी रणनीति बनाई जाये। ट्राइबल माइग्रेंड के टीकाकरण और उनके होम आयसोलेशन के लिए व्यवस्था बनाना भी आवश्यक है। कार्यालय, अस्पताल, रहवासी संघों तथा अन्य भीड़ भरे स्थानों में मास्क व परस्पर दूरी बनाए रखने के लिए विशेष गतिविधियां चलाना जरूरी है। डॉ. राहुल खरे ने कहा कि थर्ड वेव को देखते हुए बच्चों की दवाई की व्यवस्था की जाए। होम आयसोलेशन में रह रहे लोगों को ब्लैक फंगस से बचाने के उपाय और इलाज की व्यवस्था करना आवश्यक है। डॉ. महेश माहेश्वरी ने सुझाव दिये कि ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता बढ़ाने की तरफ ध्यान देना जरूरी है। रोगों की तत्काल पहचान कर उपचार व्यवस्था सुनिश्चित की जाये। छोटे अस्पतालों से सही जगहों पर रैफर करने के लिए उपयुक्त व्यवस्था विकसित करना आवश्यक। डेथ ऑडिट की व्यवस्था हो। डॉ. लोकेंद्र दवे ने सुझाव दिये कि कम आयु समूह में ट्रायल के रूप में टीकाकरण की शुरूआत हो। धीरे-धीरे इसे बढ़ाया जाए। नर्सिंग होम अपने कार्यों का इनफॉरमल ऑडिट करें, इससे आगे की चुनौतियों के लिए अपने आप को तैयार करने में मदद मिलेगी। पोस्ट कोविड रिहबिलिटेशन के लिए मनोवैज्ञानिक सहित कार्डियेक व रैसपिरेटरी चिकित्सकों को सम्मिलित कर मरीजों की निगरानी व मार्गदर्शन आवश्यक है। डॉ. देवाशीष विश्वास ने कहा कि स्टेराइड उपयोग का ऑडिट हो। इससे ब्लैक फंगस को रोकने में मदद मिलेगी। होम आयसोलेशन पेशेंट के परिवारों का रैपिड एंटीजन टेस्ट करें। अपर मुख्य सचिव श्री एस.एन. मिश्रा ने कहा कि अव्यक्त आशंका से निपटने के लिए सकारात्मक वातावरण बनाना आवश्यक है। संक्रमण से बचाव के लिए स्कूल पाठ्यक्रम में आवश्यक सामग्री सम्मिलित की जाए। अपर मुख्य सचिव श्री राजेश राजौरा ने सुझाव दिये कि स्टेट रैपिड रिस्पांस टीम का गठन हो, जिसमें तकनीकी रूप से दक्ष व्यक्ति भी सम्मिलित हों। प्रमुख सचिव श्री मनोज गोविल ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग की अगले दो-तीन साल की आवश्यकता के अनुसार मानव संसाधन और सामग्री आदि की प्लानिंग कर क्रियान्वयन हो। समस्त शासकीय कर्मियों का मनोबल बनाए रखने के लिए कदम उठाना होंगे। शासकीय कर्मचारियों के लिए स्वास्थ्य बीमा योजना का क्रियान्वयन किया जाए।

प्रमुख सचिव श्री संजय दुबे ने सुझाव दिये कि स्वास्थ्य क्षेत्र में संस्थागत सुदृढ़ीकरण के प्रयास हो। अस्पतालों में स्वास्थ्य प्रबंधन और इलाज को पृथक रखा जाए। नर्सिंग प्रशिक्षण संस्थान बड़े अस्पतालों से जोड़ें। बीमारी से बचाव के लिये अधिक ध्यान की आवश्यकता है। वेलनेस का इंडेक्स बनाया जाए। ट्रीटमेंट प्रोटोकॉल और डॉक्टरों की योग्यता और सुलभता के आधार पर अस्पतालों की इंडेक्सिंग हो। प्रमुख सचिव श्रीमती पल्लवी जैन गोविल ने सुझाव दिये कि लोक स्वास्थ्य प्रबंधन का पृथक कैडर हो। स्वास्थ्य नियामक आयोग का गठन हो। फैक्ट्री से मरीज तक दवाओं की ट्रेकिंग की व्यवस्था हो। सचिव श्री सुखबीर सिंह ने कहा कि रोगों से बचाव के लिए राशन के साथ-साथ विटामिन की गोलियों का वितरण किया जाए। संभागायुक्त इंदौर श्री पवन शर्मा ने सुझाव दिये कि जिन गतिविधियों में मास्क हटाना आवश्यक है, जैसे रेस्टोरेंट आदि पहले बंद हों। जो डॉक्टर प्रशासनिक या प्रबंधकीय कार्यों में लगे हैं, उन्हें इलाज के कार्यों में लगाया जाए। विदेश में पढ़कर आए लगभग 8 से 10 हजार डॉक्टरों के एग्जिट एग्जाम नहीं हुए हैं। इस कारण वे देश में सेवाएँ नहीं दे पा रहे हैं। एम.सी.आई. से निवेदन कर एग्जिट एग्जाम करवाकर इन डॉक्टरों की सेवाएँ ली जाना चाहिए। संभागायुक्त जबलपुर श्री चंद्रशेखर ने कहा कि कोराना इलाज के लिए संभावित चेक लिस्ट विकसित कर उपलब्ध कराई जा सकती है। श्री प्रवीण सिंह अढायच, कलेक्टर बुरहानपुर ने कहा कि टीकाकरण और कोविड एप्रोप्रिएट व्यवहार के लिए ग्राम, नगरीय निकाय स्तर पर प्रतियोगी वातावरण निर्मित किया जाए। इस आधार पर विकास कार्यों के लिए छूट हो।

मुख्यमंत्री ने बीसी के माध्यम से भिण्ड जिले में कोरोना संक्रमण रोकने की व्यवस्थाओं की समीक्षा की

भिण्ड। प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज ग्वालियर एवं चंबल संभाग के जिलो की कोरोना संक्रमण की रोकथाम की व्यवस्थाओं के संबंध में वीडियों कॉन्फ्रेस के माध्यम से समीक्षा की। इस अवसर पर कलेक्ट्रेट भिण्ड के बीसी कक्ष में नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री तथा जिले के कोविड प्रभारी मंत्री श्री ओपीएस भदौरिया, कलेक्टर डॉ सतीश कुमार एस, पुलिस अधीक्षक श्री मनोज कुमार सिंह, अपर कलेक्टर श्री प्रवीण फुलपगारे, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री कमलेश कुमार, संयुक्त कलेक्टर श्री वरूण अवस्थी, सीएमएचओ डॉ अजीत मिश्रा, संकट प्रबंधन समूह के सदस्य श्री अशोक भारद्वाज, श्री खिजर मोहम्मद कुरेशी एवं श्री जगदीश दीक्षित सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री तथा जिले के कोविड प्रभारी मंत्री श्री ओपीएस भदौरिया ने जिले के लिए सीटी स्कैन मशीन, 6 एम्बूलेंस एवं ऑक्सीजन प्लांट दिए जाने पर मुख्यमंत्री का आभार प्रकट किया। जिले की समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि जिले में एक विधानसभा अन्तर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर कम से कम 50 बेडो की व्यवस्था हो जाए, क्यों कि सामुदायिक केन्द्र काफी जर्जर स्थिति में है। जिला स्तर पर 25 आईसीयू बैड बढाने की मांग रखी। इसके साथ ही उन्होंने अन्य मेडीकल फेसलिटी बढाने की मांग की। जिस पर मुख्यमंत्री द्वारा मांग पूर्ण करने का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने जिले में टेस्टिंग बढाने जाने की बात कही।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान को भिण्ड जिले की समीक्षा के दौरान कलेक्टर डॉ सतीश कुमार एस ने कोरोना संक्रमण की रोकथाम हेतु जिले में किए जा रहे व्यवस्थाओं एवं प्रयासों को प्रजेंटेशन के माध्यम से अवगत कराया। कलेक्टर डॉ सतीश कुमार एस ने बताया कि किल कोरोना अभियान के तहत सर्वे दल द्वारा घर-घर जाकर सर्वे का कार्य किया जा रहा है। जिला अस्पताल में भर्ती मरीजो के बैड स्थल पर आयुष्मान कार्ड बनाए जा रहे है। गूगल के माध्यम से प्रतिदिन योगा प्रशिक्षको द्वारा योगा कराया जा रहा है। जिसके काफी लाभ मिल रहा है। कोरोना संक्रमण की रोकथाम हेतु जिले में हर संभव प्रयास किए जा रहे है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि तीन माह का राशन 91 प्रतिशत से अधिक वितरण किया जा चुका है। इसके बाद केन्द्र सरकार द्वारा प्रदत्त किया गया दो माह का राशन भी शीघ्र ही वितरण कराने की कार्यवाही की जा रही है।

अभी तक 2 लाख 56 हजार 225 कोरोना मरीजों तक पहुँची मेडिकल किट

भिण्ड। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के निर्देशानुसार होम आइसोलेट कोरोना मरीजों को मेडिकल किटों का वितरण लगातार जारी है। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह ने बताया है कि अभी तक 52 जिलों में 2 लाख 56 हजार 225 मेडिकल किट वितरित की जा चुकी हैं। मंत्री श्री सिंह ने बताया है कि 18 अप्रैल से 14 मई के मध्य नगरीय क्षेत्रों में फ़ीवर क्लीनिक एवं होम डिलीवरी के माध्यम से 2 लाख 56 हजार 225 मेडिकल किट कोविड मरीज़ों को उपलब्ध कराई गई हैं। उन्होंने जानकारी दी है कि 18 अप्रैल को 12 हजार 583, 19 अप्रैल को 16 हजार 914, 20 अप्रैल को 11 हजार 465, 21 अप्रैल को 10 हजार 327, 22 अप्रैल को 11 हजार 76, 23 अप्रैल को 11 हजार 17, 24 अप्रैल को 10 हजार 658, 25 अप्रैल को 9 हजार 497, 26 अप्रैल को 9 हजार 360, 27 अप्रैल को 9 हजार 705, 28 अप्रैल को 11 हजार 141, 29 अप्रैल को 9 हजार 347, 30 अप्रैल को 8 हजार 958, एक मई को 10 हजार 253, 2 मई को 9 हजार 112, 3 मई को 8 हजार 439, 4 मई को 9 हजार 301, 5 मई को 8 हजार 455, 6 मई को 8 हजार 866, 7 मई को 7 हजार 983, 8 मई को 7 हजार 746, 9 मई को 7 हजार 450, 10 मई को 7 हजार 248, 11 मई को 7 हजार 387, 12 मई को 7 हजार 931 ,13 मई को 7 हजार 388 और 14 मई को 6 हजार 618 कोविड मरीजों को मेडिकल किट वितरित की गई हैं।

जिले में कोरोना संक्रमण रोकने की कार्यवाही जारी

श्योपुर। कलेक्टर श्री राकेश कुमार श्रीवास्तव के निर्देशन में नोबल कोरोना वायरस कोविड-19 के अतंर्गत श्योपुर जिलें में संक्रमण को रोकने के लिए विभिन्न प्रकार के उपाय किये जा रहे है। साथ ही समय-समय पर मिलने वाले संक्रमित मरीजो को कोरोना से निजात दिलाने की कार्यवाही जारी है। सीएमएचओ ने बताया कि कोरोना संक्रमण की दिशा में राज्य/अन्य राज्यों से आये 17313 यात्रियो की स्क्रीनिंग कार्य मेडीकल टीम द्वारा समय-समय पर कराने की सुविधा दी गई है। जिसमें विदेश भ्रमण से आये 64 व्यक्तियों को स्क्रीनिंग की सुविधा प्रदान की गई। इसी प्रकार विदेश से आये इतने ही व्यक्तियों को होम कोरेनटाईन की व्यवस्था सुनिश्चित की गई। साथ ही उनका होमकोरेनटाइन का पीरियड भी पूर्ण हो चुका है। इसके अलावा विदेश से आये 02 यात्री जिले मे वापिस नही लौटे है। इसी प्रकार जिले में होम कोरेनटाईन किये गये 17550 व्यक्तियों में से 17550 को घर भेजा जा चुका है। इसके अलावा 67950 व्यक्तियों के सेम्पल लिये जा चुके है। साथ ही 3694 कोरोना वायरस सेम्पल रिपोर्ट पॉजीटिव पाई गई थी। इसी प्रकार कोरोना वायरस सेम्पल में 63388 व्यक्तियों की जानकारी नेगेटिव पाई गई है। सीएमएचओ श्योपुर द्वारा जारी हेल्थ बुलेटिन के अनुसार 231 व्यक्तियों की सेम्पल रिपोर्ट प्राप्त नही हुई है। इसके अलावा 576 कोरोना वायरस सेम्पल पैथोलॉजी द्वारा रिजेक्ट कर दिये गये है। कोरोना संक्रमण से 50 व्यक्तियों की मृत्यु हो गई है। साथ ही कोरोना संक्रमित 3052 व्यक्ति ठीक होने के बाद अपने घर पहुंच गये है। इसके अलावा कुल सर्वे न्यू माईक्रो कॉटेन्टमेंट एरिया 676 घोषित किये गये थे।

जिले में अब 31 मई की प्रातः 6 बजे तक रहेगा कोरोना कर्फ्यू

श्योपुर। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्री बी कार्तिकेयन ने जिले में लागू कोरोना कर्फ्यू की अवधि बढ़ाकर अब 31 मई की प्रातः 6 बजे तक कर दिया है। पूर्व में इस कोरोना कर्फ्यू की अवधि 17 मई प्रातः 6 बजे तक थी, जिसे बढ़ाकर अब 31 मई की प्रातः 6 बजे तक कर दिया गया है। यह निर्णय प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा ग्वालियर से वीडियो कॉन्फ्रेस के माध्यम से संबोधित किया था। इसके आधार पर जिला स्तरीय क्राइसेस मैनेजमेन्ट की बैठक द्वारा लिया है। कलेक्ट्रेट कार्यालय से प्राप्त जानकारी अनुसार बढ़ाई गई अवधि के दौरान भी सिर्फ मेडिकल एवं चिकित्सा से संबंधित संस्थान ही खुले रहेंगे, जबकि अन्य दुकानें बंद

मुख्यमंत्री की वीडियो कॉन्फ्रेंस बाद जिला क्राइसेस मैनेजमेन्ट ग्रुप ने लिया निर्णय

रहेंगी। इस दौरान फल, सब्जी, दूध की डिलीवरी घर-घर जाकर की जा सकेगी। अति आवष्यक सेवाओं वाले लोग सड़कों पर निकल पाएंगे, अन्यथा लोगो पर जुर्माना एवं खुली जेल की कार्यवाही की जाएगी। रविवार को मुख्यमंत्री द्वारा आयोजित वीडियो कांफ्रेंसिंग में दिये गये आदेश के तहत जिले की आपदा प्रबंधन समिति के सदस्य जौरा विधायक श्री सूबेदार सिंह रजौधा, भाजपा जिलाध्यक्ष श्री योगेशपाल गुप्ता, पुलिस अधीक्षक श्री सुनील कुमार पाण्डेय, अपर कलेक्टर श्री नरोत्तम भार्गव, समाजसेवी श्री हरिओम शर्मा, श्री दिनेश गुर्जर, आयुक्त नगर निगम श्री अमरसत्य गुप्ता, एसडीएम मुरैना श्री आरएस बाकना सहित क्राइसेस मैनेजमेन्ट ग्रुप ने निर्णय लिया है कि कोरोना कर्फ्यू 31 मई 2021 की प्रातः 6 बजे तक बढ़ा दिया जाये।

जिले में कोरोना संक्रमण रोकने की कार्यवाही जारी

श्योपुर। कलेक्टर श्री राकेश कुमार श्रीवास्तव के निर्देशन में नोबल कोरोना वायरस कोविड-19 के अतंर्गत श्योपुर जिलें में संक्रमण को रोकने के लिए विभिन्न प्रकार के उपाय किये जा रहे है। साथ ही समय-समय पर मिलने वाले संक्रमित मरीजो को कोरोना से निजात दिलाने की कार्यवाही जारी है। सीएमएचओ ने बताया कि कोरोना संक्रमण की दिशा में राज्य/अन्य राज्यों से आये 17313 यात्रियो की स्क्रीनिंग कार्य मेडीकल टीम द्वारा समय-समय पर कराने की सुविधा दी गई है। जिसमें विदेश भ्रमण से आये 64 व्यक्तियों को स्क्रीनिंग की सुविधा प्रदान की गई। इसी प्रकार विदेश से आये इतने ही व्यक्तियों को होम कोरेनटाईन की व्यवस्था सुनिश्चित की गई। साथ ही उनका होमकोरेनटाइन का पीरियड भी पूर्ण हो चुका है। इसके अलावा विदेश से आये 02 यात्री जिले मे वापिस नही लौटे है। इसी प्रकार जिले में होम कोरेनटाईन किये गये 17550 व्यक्तियों में से 17550 को घर भेजा जा चुका है। इसके अलावा 67950 व्यक्तियों के सेम्पल लिये जा चुके है। साथ ही 3694 कोरोना वायरस सेम्पल रिपोर्ट पॉजीटिव पाई गई थी। इसी प्रकार कोरोना वायरस सेम्पल में 63388 व्यक्तियों की जानकारी नेगेटिव पाई गई है। सीएमएचओ श्योपुर द्वारा जारी हेल्थ बुलेटिन के अनुसार 231 व्यक्तियों की सेम्पल रिपोर्ट प्राप्त नही हुई है। इसके अलावा 576 कोरोना वायरस सेम्पल पैथोलॉजी द्वारा रिजेक्ट कर दिये गये है। कोरोना संक्रमण से 50 व्यक्तियों की मृत्यु हो गई है। साथ ही कोरोना संक्रमित 3052 व्यक्ति ठीक होने के बाद अपने घर पहुंच गये है। इसके अलावा कुल सर्वे न्यू माईक्रो कॉटेन्टमेंट एरिया 676 घोषित किये गये थे।

मैं कोरोना वांलेटियर कोरोना संक्रमण की कार्यवाहियों में प्रशासन का कर रहे सहयोग

श्योपुर। जिला प्रशासन द्वारा जिले के कोरोना संक्रमण की रोकथाम की दिशा में निरंतर प्रयास किये जा रहे है। साथ ही जिलें में जन अभियान परिषद के माध्यम से नियुक्त किये गये मैं कोरोना वालेंटियर भी कोरोना संक्रमण की रोकथाम में महती भूमिका अदा रहे है। इसके अंतर्गत जन अभियान परिषद के मैं कोरोना वालेंटियर श्री हेमन्त नागर ग्राम उतनवाड में कोरेना संक्रमित मरीजों के घर को कॉन्टेटमेंट जोन बनाने की स्वास्थ्य विभाग, अधिकारियों का सहयोग कर रहे है।

कोविड वैक्सीनेशन-दिव्यांगजनों के लिए हो मोबाइल टीकाकरण केन्द्र

श्योपुर। आयुक्त निशक्तजन कल्याण श्री संदीप रजक ने प्रदेश के दिव्यांगजनों के कोविड वैक्सीनेशन के लिए मोबाइल टीकाकरण केन्द्र और ऑनलाइन वैक्सीनेशन रजिस्ट्रेशन के बजाए केन्द्र पर ही तुरंत पंजीयन की सुविधा की माँग की है। लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण आयुक्त को भेजे पत्र में श्री रजक ने भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा दिव्यांगजनों की सुरक्षा के सिलसिले में जारी नीति के पक्ष में उडीसा उच्च न्यायालय द्वारा दिव्यांगजनों को टीकाकरण में प्राथमिकता और विशेष व्यवस्था संबंधी निर्णय से भी अवगत कराया है। श्री रजक ने कहा कि कुछ क्षेत्रों में दिव्यांगजन विभिन्न कारणों से ऑन लाइन पंजीकरण सुविधा का लाभ उठाने मे सक्षम नहीं है। दिव्यांगों के लिए वैक्सीनेशन सेंटर पर ही विशेष ऑफ लाइन सुविधा उपलब्ध कराई जाए। ग्रामीण क्षेत्रों में दिव्यांगों का वैक्सीनेशन मोबाइल टीकाकरण केन्द्र से हो। श्री रजक ने कहा कि कई वैक्सीनेशन सेंटर पर दिव्यांग भी लंबी कतारों में खड़े हो रहें है। यह उनके स्वास्थ्य की दृष्टि से उचित नहीं है। विशेषकर दृष्टिबाधित दिव्यांगों के कई जगह स्पर्श का सहारा लेने से संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है। अतः उन्हें केन्द्र पर एक दिव्यांग सहायक भी उपलब्ध कराया जाए।

सम्पादकीय

मानव गरिमा का सवाल

प्रसिद्ध कन्नड़ उपन्यासकार स्वर्गीय यू आर अनंतमूर्ति के बहुचर्चित उपन्यास संस्कार की कहानी प्लेग की महामारी के दौरान मरे एक व्यक्ति के अंतिम संस्कार की दुविधा से शुरू होती है। 19वीं सदी के अंतिम दशक और 20वीं सदी के पहले दो दशकों में भारत में प्लेग का संक्रमण हुआ था। उस उपन्यास में महामारी की भयावहता और उसके जो सामाजिक, धार्मिक, निजी आयाम हमें देखने को मिलते हैं, किसने सोचा होगा कि उससे कई गुना बड़े आकार में ये 21वीं सदी में देखने को मिलेंगे। पिछले कई दिनों से गंगा व कर्मनाशा नदियों में सैकड़ों की तादाद में शवों को बहा देने की खबरें आ ही रही हैं कि अब उन्नाव में गंगा के किनारे रेत में बड़ी संख्या में शवों को दफ्नाए जाने की विचलित करने वाली तस्वीरें और खबरें आ रही हैं। ऐसा लग रहा है कि शवों का बाकायदा दहन न कर सकने की वजह से लोग उन्हें रेत में गाड़कर चले जा रहे हैं। तस्वीरें देखकर लगता है कि उथली रेत में दफ्नाए गए शवों की संख्या काफी बड़ी है। सरकार ने इस बात की जांच के आदेश दिए हैं और इस पर कार्रवाई जरूर होगी, लेकिन यह ध्यान रखना जरूरी है कि यह कोई कानून-व्यवस्था की समस्या नहीं है, बल्कि मानवीय समस्या है और इसका इलाज भी मानवीय आधार पर ही किया जाना चाहिए। शायद कोई भी ऐसा नहीं चाहेगा कि उसके आत्मीय का अंतिम संस्कार गरिमा और रीति-रिवाज के साथ न हो। लेकिन पिछले दिनों ऐसी खबरें बहुत आई हैं कि उत्तर प्रदेश और बिहार के गांवों तक में कोरोना संक्रमण तेजी से फैल गया है। जब शहरों, कस्बों तक में जांच व इलाज को लेकर मारामारी है, तब गांव में तो इन बातों की उम्मीद करना ही बेकार है। जो लोग कोरोना से मर रहे हैं, उनमें से ज्यादातर की मौत सरकारी आंकड़ों में दर्ज ही नहीं हो रही है। अगर कोरोना से उतने ही मरीज मर रहे होते, जितने सरकारी आंकड़ों में दर्ज हैं, तो श्मशानों, कब्रिस्तानों में ऐसी अफरा-तफरी की नौबत आनी ही नहीं चाहिए थी। उत्तर प्रदेश सरकार में कोरोना से मरने वालों के अंतिम संस्कार के लिए आर्थिक सहायता देने का वादा किया है, लेकिन अगर किसी की कोरोना जांच ही नहीं हुई, तो उसे कोरोना मरीज कैसे मान लिया जाएगा? ऐसे में, इस सहायता का फायदा शायद ही किसी को मिले। साफ है, अगर लोग शवों को रेत में दफ्ना रहे हैं या नदी में बहा रहे हैं, तो इसका मतलब है कि वे अंतिम संस्कार कर पाने में असमर्थ हैं। इसकी कई वजहें हो सकती हैं। श्मशानों में जगह नहीं है, लकड़ियां नहीं है, अंतिम संस्कार का खर्च इतना बढ़ गया है कि मरीज के इलाज में पहले ही लुट चुके लोग उस भार को भी उठा सकने में असमर्थ हैं। फिर इन दिनों गरमी भी बढ़ गई है, ऐसे में मृत देह को रखकर ज्यादा वक्त तक इंतजार भी नहीं किया जा सकता। इन शवों की वजह से कई समस्याएं पैदा हो सकती हैं, बल्कि हो रही हैं। चील-कौए और कुत्ते इन शवों को नोच रहे हैं। जो शव उथली रेत में दफ्न किए गए हैं, वे बारिश में बहकर नदी में पहुंच सकते हैं और इनके सड़ने से कई बीमारियां फैल सकती हैं। लेकिन सबके ऊपर यह मानवीय समस्या है। यह हमारे समाज और प्रशासन के लिए कलंक है। हम इतने बदहाल तो नहीं हुए हैं कि अपने मृतकों को सम्मान के साथ आखिरी विदा न दे सकें। यह हमारी मानवीय गरिमा का सवाल है।

सेवा के दावे पर कितना भरोसा

कोरोना के दूसरे भयावह दौर में राजनीति में अभी चिट्ठियों का दौर चल रहा है, 'लेटर बम' भेजे जा रहे हैं। इंटरनेट, वाट्सएप, ट्विटर और इंस्टाग्राम के साथ मोबाइल फोन के जमाने में जब चिट्ठियां लिखना दूर की बात हो गई, तब राजनीतिक दलों को यह सबसे ताकतवर हथियार लग रहा है। राजनीतिक दल अपने विरोधी नेता को चिट्ठी लिख रहे हैं। चार राज्यों के मुख्यमंत्रियों समेत देश के 12 विपक्षी दलों के नेताओं ने प्रधानमंत्री को चिट्ठी लिखी है और नौ सुझाव दिए हैं। उसमें बात सिर्फ कोरोना की नहीं है, कुछ और भी राजनीतिक सुझाव है। इससे पहले पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने प्रधानमंत्री मोदी को चिट्ठी लिखी, तो उसका कड़ा-सा जवाब स्वास्थ्य मंत्री डॉक्टर हर्षवर्द्धन ने भेजा, फिर कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने लंबी चिट्ठी लिखी, तो उससे भी लंबा जवाब भाजपा अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने भेज दिया। उत्तर प्रदेश में मंत्री और एमएलए मुख्यमंत्री को चिट्ठी लिख रहे हैं। देश में कोरोना की इस दूसरी लहर में हरेक दिन करीब चार लाख नए संक्रमित मरीज मिल रहे हैं और करीब चार हजार लोगों की रोजाना मौत हो रही है। यह तो सरकारी आंकड़ा है, अनुमान इससे कई गुना ज्यादा मौत होने का है, वरना गंगा, यमुना और दूसरी नदियों में लाशें बहती न दिखतीं और न ही श्मशानों व कब्रिस्तानों में मुर्दों के लिए जगह कम पड़ती। इस बात से कोई इनकार नहीं कर सकता कि लोकतंत्र में सरकारों से सवाल पूछना जरूरी है और विपक्ष में बैठे राजनीतिक दलों के लिए यह सबसे मजबूत हथियार है। सवाल है, क्या सबसे जरूरी काम इस वक्त सवाल पूछना भर है और वह भी तब, जब एक राज्य में कोई पार्टी सरकार में है, तो दूसरी विपक्ष में और हर जगह हाल यही है कि अपने गिरेबान में झांकने के बजाय हर कोई दूसरे पर अंगुली उठा रहा है। इस सबके बीच पिस रहा है आम आदमी, जिसके लिए अस्पताल में न बेड है, न ऑक्सीजन और न ही वेंटिलेटर और बिना इलाज के मर जाए, तो श्मशान-कब्रिस्तान में भी जगह नहीं है। जन-नाराजगी से पीछा छुड़ाने के लिए 'पॉजिटिविटी अनलिमिटेड कैंपेन' शुरू कर दिया गया है, पर क्या सिर्फ भाषणों और प्रवचनों से पॉजिटिविटी आ सकती है?

केंद्र और राज्यों में बैठी सरकारें तो अपनी जिम्मेदारियां पूरी नहीं ही कर रही हैं, हैरानी है कि 'राष्ट्र को प्रथम' और 'समाजसेवा के लिए राजनीति' में आए हमारे राजनीतिक दल, उनके नेता और कार्यकर्ता भी इस समय कहीं दिखाई नहीं दे रहे हैं। साल 1950 में लोकतंत्र को अपनाने वाले इस देश में आज करीब 2,300 राजनीतिक दल हैं। इनमें चुनाव आयोग में सात राष्ट्रीय पार्टी के तौर पर और 59 राज्य स्तरीय पार्टी के तौर पर पंजीकृत हैं। करीब 800 सांसद हैं, 4,120 विधायक हैं, जिनमें सबसे ज्यादा भाजपा के 1,300 और कांग्रेस के 870 विधायक हैं। इसके साथ ही, हजारों की तादाद में पार्षद, पंच और सरपंच हैं। राजनीतिक दलों के सदस्यों की तादाद देखी जाए, तो दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी होने का दावा करने वाली भाजपा के 18 करोड़ सदस्य और सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस के करीब दो करोड़ सदस्य हैं। सबसे बड़े सामाजिक संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के एक करोड़ से ज्यादा स्वयंसेवक हैं। कुल मिलाकर, 30 करोड़ से ज्यादा सक्रिय राजनीतिक कार्यकर्ता देश में हैं, यानी औसतन हर परिवार के पीछे एक राजनीतिक कार्यकर्ता मिल सकता है और यदि देश के कुल ढाई करोड़ कोरोना मरीजों की तादाद मानें, तो हरेक मरीज की सेवा 14 राजनीतिक कार्यकर्ता कर सकते हैं, पर क्या आपको तस्वीर ऐसी ही दिख रही है? क्या राजनेता व कार्यकर्ता अपनी जिम्मेदारी पूरी कर रहे हैं? कुछ लोग हैं, जो काम कर रहे हैं, लेकिन पटना और बिहार में जब पप्पू यादव पीड़ितों के लिए काम करते दिखते हैं, तो उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाता है। दिल्ली में आम आदमी पार्टी के दिलीप पांडे मरीजों को बिस्तर दिलाने की कोशिश में लगे हैं, तो उनसे क्राइम ब्रांच पूछताछ कर रही है। गुरुद्वारों के लोग लगे हैं, मस्जिदों, मंदिरों और चर्च में भी कुछ हद तक लगे हैं, लेकिन अस्पतालों में ऑक्सीजन की कमी को सार्वजनिक करने वाले अपने ही लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने से सरकारें नहीं चूक रहीं। ये राजनीतिक कार्यकर्ता भले ही वेंटिलेटर, बेड नहीं दे सकते, ऑक्सीजन पैदा नहीं कर सकते, वैक्सीन की खुराक नहीं बना सकते, लेकिन उनके जमीन पर उतरने से इतना तो तय है कि दवाओं और ऑक्सीजन सिलेंडरों की कालाबाजारी रुक जाती। विधायकों और सांसदों के सक्रिय होने पर अस्पताल बिस्तर भरे होने के झूठे आंकड़े नहीं दिखा पाते। लाखों के फर्जी बिल बनाने की हिम्मत नहीं कर पाते। राजनीतिक दल कोरोना पीड़ित परिवारों के लिए कम से कम दो वक्त का भोजन उपलब्ध तो करा ही सकते थे और इतनी उम्मीद तो उनसे की ही जा सकती है कि वे मरने वालों के शवों का सम्मानजनक अंतिम संस्कार ही करवा दें। साल 2019 के आम चुनाव में भाजपा के 436 उम्मीदवारों में से 303 सांसद चुने गए, तो कांग्रेस के 421 उम्मीदवारों में से 52 चुनकर लोकसभा पहुंचे, इसी अनुपात में दूसरे दलों के भी उम्मीदवार हैं। सांसदों और विधायकों की बात छोड़िए, यदि ये हारे हुए लोग ही इस संकट काल में सेवा के लिए मैदान में उतर जाएं, तो हो सकता है कि अगली बार उनकी किस्मत बदल जाए। यहां जयपुर से कई बार भाजपा सांसद और विधायक रहे गिरधारी लाल भार्गव का जिक्र जरूरी लगता है। जब भार्गव विधायक से सांसद बने, तो उन्होंने जयपुर के श्मशानों में गंगा में प्रवाहित होने के इंतजार में बरसों से पड़ी हजारों अस्थियों को प्रवाहित करने का संकल्प किया और वह हर शनिवार की रात रोडवेज की बस में बैठकर एक बोरा अस्थियां हरिद्वार लाते। अगले दिन संस्कार और सम्मान के साथ उन्हें प्रवाहित कर देते। नतीजा जब एक बार कांग्रेस ने उनके खिलाफ जयपुर के पूर्व महाराजा भवानी सिंह को उतार दिया, तब एक नारा चला, 'जिसका कोई न पूछे हाल, उसके संग गिरधारी लाल'। उस चुनाव का नतीजा यहां लिखने की जरूरत नहीं है और यह राजनेता के लिए सबक भी हो सकता है, गर वह सीखना चाहे।

सवाल है, क्या सबसे जरूरी काम इस वक्त सवाल पूछना भर है और वह भी तब, जब एक राज्य में कोई पार्टी सरकार में है, तो दूसरी विपक्ष में और हर जगह हाल यही है कि अपने गिरेबान में झांकने के बजाय हर कोई दूसरे पर अंगुली उठा रहा है। इस सबके बीच पिस रहा है आम आदमी, जिसके लिए अस्पताल में न बेड है, न ऑक्सीजन और न ही वेंटिलेटर और बिना इलाज के मर जाए, तो श्मशान-कब्रिस्तान में भी जगह नहीं है। जन-नाराजगी से पीछा छुड़ाने के लिए 'पॉजिटिविटी अनलिमिटेड कैंपेन' शुरू कर दिया गया है, पर क्या सिर्फ भाषणों और प्रवचनों से पॉजिटिविटी आ सकती है? केंद्र और राज्यों में बैठी सरकारें तो अपनी जिम्मेदारियां पूरी नहीं ही कर रही हैं, हैरानी है कि 'राष्ट्र को प्रथम' और 'समाजसेवा के लिए राजनीति' में आए हमारे राजनीतिक दल, उनके नेता और कार्यकर्ता भी इस समय कहीं दिखाई नहीं दे रहे हैं। साल 1950 में लोकतंत्र को अपनाने वाले इस देश में आज करीब 2,300 राजनीतिक दल हैं।

पर्दा क्यों ?

पर्दा जिसमें स्त्रियां अपना चेहरा साड़ी के पल्लू या दुपट्टे से ढकती हैं, जिसे घूंघट ,घुमटा, लाज, ओढ़नी, चुनरी, झुण्ड आदि कहा जाता है। पर्दे का कारण शायद कोई भी स्पष्ट ना कर सके। लेकिन एक सवाल फिर भी कचोटता है कि आखिर सपर्दा क्यों? कुछ लोगों का मानना है कि महिलाओं को अपना शरीर मर्द से ढकने को पर्दा करना कहते हैं, ऐसा क्यों? क्या पुरुष मांसाहारी जानवर है और स्त्री उसका शिकार, जो हर समय उसे पर्दे में रखा जाए, अगर बांधना ही है तो जानवर को बांधा जाए ना कि स्त्रियां ही ज़ुल्म का शिकार होती रहे। उस पर पर्दा के लिए हम पुत्र वधु को ही क्यों चुनते हैं, वो भी किसी की बेटी है, कुछ लोगों का मानना है कि पर्दा प्रथा से पुरुष कामुकता को वश में किया जा सकता है, तो क्या पुरुष की कामुकता इतनी बढ़ गई कि उसे अपनी ही महिला साथी को पर्दे में कैद रखने की आवश्यकता हो गई। इसका अर्थ ये हुआ कि जिस प्रांत में पर्दा प्रथा होगी वहां दुराचार नहीं होगा, जबकि हकीकत ये है कि सबसे ज्यादा दुराचार वहीं होता है, जिस चीज़ को हम छुपा कर रखेंगे उसे देखने की लालसा उतनी ही बढ़ेगी।तन ढकने या पर्दा करने से पुरुष की गंदी सोच पर अंकुश नहीं लगाया जा सकता। कुछ लोगों का मानना है कि यदि बहु पर्दा नहीं करेगी तो उनका मान-सम्मान कम हो जाएगा, तो क्या मान-सम्मान पर्दे में ही होता है? शर्म और लिहाज तो ऑखों में होता है। कुछ का मानना है कि पर्दा ना करने वाली स्त्रियों का शील-धर्म नष्ट हो जाता है, तो गुजरात, महाराष्ट्र, मद्रास की स्त्रियों ने कौन सा शील-धर्म नष्ट किया है अपितु इन्हीं प्रांतो ने भारत में नारी धर्म का वास्तविक मान रखा है। राजा राम मोहन राय ने इस प्रथा का कड़ा विरोध किया था कि अगर समाज को आगे ले जाना है तो इस कुरीति को खत्म करना होगा। पर्दा एक अरबी शब्द है जिसका अर्थ है ढकना। पर्दा इस्लामिक देशों की प्रथा भी जो आज के समय में बुर्के के रूप में दिखाई देती है, पुरुषों की नज़र से बचाने के लिए इस्लामिक महिलाओं को पर्दा अर्थात बुर्के में रहने कुछ हिदायत दी जाती है, हिन्दू धर्म में पर्दा इस्लाम की देन है। मध्यकाल में निरन्तर हो रहे इस्लामी आक्रांत और पुरूषों की बुरी नज़र से बचने के लिए हिन्दू औरतें पर्दे में रहने लगी। माना जाता है कि विविध रूप से भारत में पर्दा प्रथा का प्रचलन 12वीं सदी से शुरू हुआ। 10 वीं सदी के आसपास राजपरिवारों में स्त्रियां बिना पर्दे के आया -जाया करती थी। 15 वीं16वीं सदी के आते-आते यह पर्दा उत्तर भारत की स्त्रियों की सामान्य जीवन शैली बन गया, 20 वीं सदी के उत्तरार्ध में विरोध के कारण इस प्रथा में कमी आई, खासकर राजस्थान में पर्दा का प्रचलन अधिक है, हालांकि शहरों में पर्दा को अस्वीकार किया गया मगर गांवों में अभी भी पर्दा प्रथा का प्रचलन है। पर्दा के कारण स्त्रियां सहज नहीं अनुभव कर सकती, पर्दा गुलामी का सा अहसास दिलाता है, कई बार ना चाहते हुए भी लोक लाज के कारण उन्हें पर्दा करना पड़ता है, नारी का जीवन घर तक ही सिमट कर रह जाता है, कहीं बाहर जाना तो दूर अस्वस्थता की दशा में ईलाज तक नहीं करवाती। आज के परिप्रेक्ष्य में पर्दा के घातक नुकसान ही हैं, भारत के ऐतिहासिक स्त्रोतों और ग्रंथों में कहीं भी पर्दे का ज़िक्र नहीं मिलता, वेद और उपनिषद में भी कहीं पर्दे का प्रमाण नहीं मिलता, हिन्दुओं के महत्वपूर्ण ग्रंथ महाभारत एवं रामायण में भी कहीं पर्दे का प्रमाण नहीं मिलता, अजन्ता, ऐलोरा की गुफाओं में बने चित्रों में भी स्त्री को बिना घुंघट के दिखाया गया है, मनु और याज्ञवल्क्य ने भी स्त्री के लिए कुछ नियम बनाए थे मगर उनमें भी पर्दे का उल्लेख नहीं था, इससे स्पष्ट है कि पर्दा कभी भी भारतीय संस्कृति का हिस्सा नहीं रहा, ईशा से 500 साल पहले रचित निरूक्त ईशा में स्त्री और समाज के बारे में व्यापक वर्णन है जिसमें स्त्री पुरुष के समान ही सभी कार्यों में भाग लेती थी। स्त्रियां खुले सिर ही रहा करती थी। पर्दे का कारण चाहे कुछ भी हो लेकिन स्त्री अपनी क्षमता खो देती है, और खुद को असहाय, निर्बल, कायर, भीरू समझने लगती है, पर्दे की आढ़ में उसे कमज़ोर और अविश्वसनीय का अहसास कराया जाता है। अगर हम आज की बात करें तो अन्तरिक्ष में जाने वाली पहली भारतीय महिला सकल्पना चावला, मुक्केबाजी में एम.सी.मैरी कोम, कान्स में जूरी सदस्य ऐश्वर्या राय, ओलम्पिक खेलों में पी.वी.संधु, बेडमिंटन में सान्या नेहवाल, ओलम्पिक में पी.टी.ऊषा, भारतीय सेना की पहली लेफ्टिनेंट कर्नल जे. फरीदा रेहाना जैसी अनेकों महिलाएं हैं, जिन्होंने देश का नाम रौशन किया, क्या ये घूंघट में रहकर अपने कामों को बेहतर अंजाम दे सकती थी। घुंघट स्त्री के लिए आवश्यक है इस परिप्रेक्ष्य में ऐसा सोचना मुर्खतापूर्ण है ।

प्रेम बजाज

कोरोना तो सब पे भारी है

परेशानी में दुनिया सारी है,
कोरोना तो सब पे भारी है।
भूत ,चुड़ैल का जिक्र नहीं,
डायन का भी फ़िक्र नहीं,
चोर,डाकू का का पता नहीं,
जादू -टोना भी लगता नहीं,
बस एक ही तो दुश्वारी है,
कोरोना तो सब पे भारी है।
ना प्यार का लफड़ा है,
ना सास -बहू का झगड़ा है,
पड़ोसी से झगड़ा कमजोर हुआ,
आदमी घर में बोर हुआ,
लाक डाउन में बड़ी बेकारी है,
कोरोना तो सब पे भारी है।

नूर फातिमा खातून (नूरी)
(शिक्षिका) जिला-कुशीनगर

मां

मां तुम एक विचार हो,
मेरी आध्यात्मिकता का आधार हो,
मैं जब भी सोया और जागा,
तो पाया कि मेरे सपनों का संसार हो ।
मां तुम एक विचार हो ।।1।।
रिश्तो में आदि और अंत हो,
जीवन का अंतिम बसंत हो,
गांव की बेटी, बहना, देवी बनकर रहीं,
आज भी निराकार होकर आकार हो,
मां एक विचार हो ।।2।।
मन बुद्धि आत्मा की एक सहज अनुभूति हो,
सभ्यता संस्कृति व परंपरा की प्रतिमूर्ति हो,
रिश्ते का कभी नहीं किया अंत,
हो पतझड़ चाहे हो बसंत,
आत्मा में परमात्मा का साक्षात्कार हो,
मां तुम एक विचार हो।।3।।

मुल्क मंजरी
भगवत पटेल
जालौन उत्तर प्रदेश

गुड़िया रानी छन्न पकैया

छन्न पकैया छन्न पकैया, छोटी गुड़िया रानी।
सुनो सुनो सब भैया दीदी, इसकी एक कहानी।।
छन्न पकैया छन्न पकैया, चलती सड़क किनारे।
एक हाथ गुलदस्ता पकड़े, दूजे में गुब्बारे।।
छन्न पकैया छन्न पकैया, चिड़िया पँख फैलाये।
संग संग गुड़िया रानी के, चिड़िया उड़ते जाये।।
छन्न पकैया छन्न पकैया, चलती आगे आगे।
अपनी ही परछाई देखे, उसके पीछे भागे।।
छन्न पकैया छन्न पकैया, करती है शैतानी।
इधर उधर वह दौड़ा करती, होती है हैरानी।।

प्रिया देवांगन प्रियू
पंडरिया
जिला- कबीरधाम
छत्तीसगढ़

ऐसे दूर करें अपनों की मौत का ग़म

कितनी अजीब सी दुनियाँ है! यहाँ हमारा जन्म भी मौत के लिए होता और एक दूसरे का आपस में मिलना भी बिछुड़ने के लिए होता है। जीवन की वास्तविकता को देखे तो पता चलता है कि मनुष्य का आपस में सम्बंध ही अपनों के दूर होने का सबसे बड़ा डर है। परिवार में किसी एक की मौत से कभी कभी बहुत कुछ चला जाता है जिससे पूरा परिवार एक बार तो पूर्ण रूप से टूट जाता है लेकिन मनुष्य को ये नहीं भूलना चाहिए कि मौत एक अटल सत्य है जिसका एक दिन सभी को वरण करना ही होगा। अपने अज़ीज़ को खोने पर बहुतों को पता नहीं रहता कि आगे चलकर उन्हें कैसी भावनाओं से जूझना पड़ सकता है। मगर कुछ भावनाएँ और मुश्?किलें ऐसी होती हैं जिनसे सबको गुज़रना पड़ता है। जब कोई अपना चला जाता है तो खुद को सँभालना बहुत मुश्?किल हो जाता है। कुछ लोग अचानक फूट-फूटकर रोने लगते हैं, अपने अज़ीज़ को देखने के लिए तरसते हैं और उनका मिज़ाज अचानक बदल जाता है। ऊपर से अज़ीज़ की यादें और रात को उनके बारे में आनेवाले सपने उनका दर्द और बढ़ा देते हैं। पर शुरू में जब उन्हें अपने अज़ीज़ की मौत के बारे में पता चलता है तो वे बिलकुल दंग रह जाते हैं और यकीन नहीं करते।अपनों की मौत का दर्द सहनेवाले कभी-कभार ठीक से सोच नहीं पाते या किसी बात पर ध्यान नहीं लगा पाते। उन्हें लगता है कि उनका अज़ीज़ यहीं कहीं आस-पास है, वे मानो उसकी आवाज़ सुन सकते हैं और उसे देख सकते हैं। उन्हें किसी बात पर ध्यान लगाना या कुछ याद रखना मुश्किल लगता है। शुरू में दुख बर्दाश्त के बाहर लगता है, मगर धीरे-धीरे कम हो जाता है। इसका यह मतलब नहीं कि एक इंसान अपने दुख से पूरी तरह उबर जाता है या उसे फिर कभी अपने अज़ीज़ की याद नहीं आती। लेकिन शुरू-शुरू में अचानक उसकी यादों से जिस तरह दिल तड़प उठता था, वह धीरे-धीरे कम होने लगता है। पर यह भी है कि अचानक किसी बात से वही यादें फिर से ताज़ा हो जाती हैं या साल के किसी दिन उसकी याद सताने लगती है, जैसे शादी की सालगिरह या उसकी मौत की सालगिरह पर। पर वक्त के साथ-साथ कई लोग सँभल जाते हैं और रोज़मर्रा के कामों में दोबारा ध्यान दे पाते हैं। खासकर अगर परिवारवालों और दोस्तों का साथ हो और एक व्यक्ति ज़रूरी कदम उठाए, तो वह समय के चलते जीना सीख लेता है। एक दिन में उतना ही कीजिए जितना आपसे होगा, कल की चिंता मत कीजिए। याद रखिए कि शुरू में जो गहरा दर्द होता है वह हमेशा नहीं रहेगा। हालाँकि शुरू में बहुत दुख होता है, फिर भी आप कुछ ऐसे कदम उठा सकते हैं जिससे आपका दुख थोड़ा कम हो और आपको उबरने में ज़्यादा समय न लगे। कुछ लोग अपने अज़ीज़ का गम भुलाने के लिए बहुत ज़्यादा शराब पीते हैं या ड्रग्स लेने लगते हैं। ऐसा करके वे अपने दुख पर काबू पाने के बजाय उसे और बढ़ा लेते हैं, क्योंकि ये चीज़ें भले ही पल-भर के लिए राहत दिलाएँ, मगर आगे चलकर इनके बुरे अंजाम हो सकते हैं। अपने मन का तूफान शांत करने के लिए कुछ ऐसा कीजिए जिससे आपको नुकसान न हो। कई लोगों ने पाया है कि हर वक्त शोक में डूबे रहने के बजाय, कभी-कभी अपना ध्यान हटाने के लिए कुछ करें, तो उन्हें थोड़ी राहत मिलती है। आप चाहे तो नए दोस्त बना सकते हैं, पुराने दोस्तों से ज़्यादा घुल-मिल सकते हैं, कोई नया हुनर सीख सकते हैं या फिर थोड़ा मन-बहलाव कर सकते हैं। इससे आपको कुछ देर के लिए राहत मिल सकती है। समय के चलते हो सकता है आपका मन करे कि अपना ध्यान हटाने के लिए ऐसे काम और ज़्यादा करें। फिर धीरे-धीरे आपके मन के घाव अपने-आप भरते जाएँगे। कई लोग अपने अज़ीज़ की मौत के बाद बहुत जल्द बड़े-बड़े फैसले कर लेते हैं। मगर बाद में उन्हें पछताना पड़ता है। बड़े-बड़े फैसले करने के लिए हो सके तो कुछ समय इंतज़ार कीजिए। जैसे घर बदलने, नौकरी बदलने या अपने अज़ीज़ की चीज़ें दूसरों को देने या फेंकने में जल्दबाज़ी मत कीजिए। यह सच है कि दुनिया की कोई भी चीज़ आपका दर्द पूरी तरह मिटा नहीं सकती। लेकिन आपके जैसे कई लोगों ने जब अपने दुख से उबरने के लिए कुछ ज़रूरी कदम उठाए, तो उन्हें काफी दिलासा मिला। उन्हीं में से कुछ सुझाव इस लेख में बताए गए हैं। हालाँकि इसमें वे सारे सुझाव नहीं बताए गए हैं जिन्हें आज़माने से एक इंसान का दुख कम हो सकता है, फिर भी इनमें से कुछ बातों पर अमल करने से आपके दुखी मन को थोड़ी राहत ज़रूर मिलेगी।

कवि दशरथ प्रजापत
पथमेड़ा, जालोर (राजस्थान)

आशियाना

कैसा आशियाना है?, छोड़कर तो जाना है7
फिर भी कितने शिकवे हैं, कैसा ताना-बाना है?
वक्त ना ठहरता यह, हाथ से फिसलता है7
उम्र के पड़ाव को तो, यूं ही आना जाना है7
जाएगी धरी तेरी, ख्वाहिशें हो कितनी भी7
एक भी तमन्ना को, संग नहीं जाना है7
क्यों अकड़ता है मानव, तेरा ना अस्तित्व कोई7
समय का परिंदा है, इसको तो उड़ जाना है7
पंच तत्व का यह देह, आत्मा से पूर्ण हुआ7
पंचतत्व में इसको फिर, से मिल जाना है7
कर्म तेरे फैलेंगे पुष्प की, सुगंध सदृश7
इसलिए सुकर्म करो, पुण्य गर कमाना है7
मृत्यु सत्य शाश्वत है, एक दिन आएगी7
जीवन को कर सार्थक, भक्ति मार्ग पाना है7
कलुषित ना कर जीवन, ईश्वर में रत हो मन7
मार्ग का प्रदर्शक तो, उसको ही बनाना है7
सांसो का बंधन यह, आत्मा से यूं जुड़ा है7
वैसा ही बंधन, भगवान से बनाना है7
समय कहां रुकता है, भागता परिंदा सा7
जीवन को सार्थक , सदमार्गी बनाना है7
÷ रीत÷ कहे काया में, ही बसती माया है7
ईश्वर का ध्यान करके, मुक्ति मार्ग पाना है7
स्वरचित, अप्रकाशित एवं मौलिक रचना

लेखिका /रचनाकार- रीता तिवारी ÷रीत÷
संप्रति- अध्यापिका, स्वतंत्र लेखिका एवं कवयित्री
शिक्षा- एमए समाजशास्त्र, बी एड, सीटीईटी उत्तीर्ण
पिता का नाम- श्री अवधेश तिवारी, मऊ उत्तर प्रदेश से

सूरज की तलाश में न खो वक्त मधु

कभी टूटते तो कभी बिखरते हैं बेटा
विपत्तियों में इन्सान निखरते हैं बेटा
न्दिगी की जंग जीताता है हौसला
मंजिल से पहले नहीं ठहरते हैं बेटा
तकलीफों से टूटकर मत बहा आंसू
ऐसे लोग खुदा को अखरते हैं बेटा
ऊपर वाले की नियामत है इम्तहान
खरे सोने अंगारों से गुजरते हैं बेटा
सूरज की तलाश में न खो वक्त षमधुष
काली रात में जुगनू चमकते हैं बेटा

डॉ. मधुसूदन चौबे
9131637239

सबसे मिलकर चलिए, यह कटुता का समय नहीं

अमेरिका से टीके के लिए कच्चे माल के साथ कोरोना से संघर्ष के लिए औषधियों सहित सामग्रियों की आपूर्ति आरंभ हो गई है। अमेरिकी सैन्य अड्डों से सामग्रियां एकत्रित कर वायुसेना के विमानों से भारत भेजी जा रही हैं। इस तरह की मदद अमेरिका की ओर से 2004 की सुनामी के दौरान की गई थी। ह्वाइट हाउस की प्रेस वार्ता के दौरान राष्ट्रपति जो बाइडेन ने स्पष्ट कहा कि कठिन समय में भारत ने अमेरिका की मदद की थी और अब अमेरिका की बारी है। यह अमेरिका का ऐसा परिवर्तित रूप है, जिसकी कल्पना एक सप्ताह पहले नहीं थी। अमेरिका ने कोविड को राष्ट्रीय आपातकाल मानकर इसे लागू कर टीके में काम आने वाली 37 सामग्रियों का निर्यात रोक दिया था, इसलिए भारत को परेशानी हुई। इस दृष्टि से देखें तो अमेरिका आज भारत के लिए स्वयं अपनी ही कसौटियों पर 180 डिग्री मुड़ चुका है। निश्चय ही यह प्रश्न हम सबके अंदर उठ रहा है कि उसके व्यवहार में बदलाव के मूल कारण क्या हैं। इसी में यह प्रश्न भी निहित है कि अब द्विपक्षीय-अंतरराष्ट्रीय संबंधों में भारत का व्यवहार कैसा होना चाहिए? पश्चिमी देशों से जो गलती हुई है, उसकी भरपाई आसान नहीं है। लेकिन हमें अपनी गलतियों को ज्यादा देखना चाहिए। वर्षों से हम अनेक सामग्रियों के लिए पश्चिमी देशों पर निर्भर क्यों रहे हैं? हमने अपने स्तर पर ऐसे प्रयास क्यों नहीं किए कि दूसरे देशों पर हमारी निर्भरता कम हो? यह भी देखने वाली बात है कि आत्मनिर्भर भारत अभियान का कितना असर दवा निर्माण उद्योग पर पड़ा है? इससे यह भी पता चला है कि हमने अमेरिका या पश्चिमी देशों पर कुछ ज्यादा ही भरोसा कर लिया था। समझने वाली बात है कि अगर ये देश भारत केदर्द को समझते, तो भारत तीन दशक से सीमापार आतंकवाद या अलगाववाद की आंच नहीं झेल रहा होता। पश्चिमी देश भले ही अब भारत की बात मान गए हों और हर संभव मदद कर रहे हों, लेकिन भारत को यह नहीं भूलना चाहिए कि विकसित होने के लिए हर मामले में हमारा आत्मनिर्भर होना जरूरी है। महामारी के दौर में तो दवा उद्योग में हमारी आत्मनिर्भरता सबसे जरूरी है। हमारी विशाल आबादी किसी विकसित देश से आने वाली मदद के भरोसे नहीं रह सकती। भारत का महत्व तभी बढ़ेगा,जब हम सक्षम होंगे। गौर करने की बात है, बाइडेन की जिस प्रेस वार्ता की हमने आरंभ में चर्चा की, उसमें भारत से संबंधित प्रश्न तब किया गया, जब वह अपनी बात पूरी कर पोडियम छोड़ चुके थे। भारत की सहायता का प्रश्न सुनते ही वह वापस लौटे और कहा कि इस प्रश्न का उत्तर मैं अवश्य देना चाहूंगा।

राधे का टाइटल ट्रैक रिलीज, सलमान खान का स्वैग और दिशा पाटनी के लुक्स बढ़ा देंगे धड़कनें

सलमान खान की मच अवेटेड फिल्म राधे- योर मोस्ट वॉन्टेड का टाइटल ट्रैक रिलीज हो चुका है। सलमान खान ने गाना अपने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। गाने में सलमान खान का फुलऑन स्वैग दिख रहा है। उनके फैन्स को सॉन्ग काफी पसंद कर रहे हैं। गाने में दिशा पाटनी भी अट्रैक्टिव दिख रही हैं। ट्रैक को साजिद-वाजिद जोड़ी के साजिद ने आवाज दी है। **आते ही छा गया टाइटल ट्रैक**-सलमान खान की फिल्म राधे ईद (13 मई) को रिलीज होने वाली है। मेकर्स फिल्म के गाने सीटी मार और दिल दे दिया रिलीज कर चुके हैं। अब फिल्म का टाइटल ट्रैक राधे भी आ चुका है। सलमान खान ने गाना अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर करके लिखा है, साथ में लिखा ईश्वर की मर्जी और इंसानों के सपोर्ट से ये भी बीत जाएगा। नफरत दूर कीजिए। राधे राधे राधे। गाने में सलमान खान गोलियों और गाड़ियों के साथ एकदम ऐक्शन हीरो नजर आ रहे हैं वहीं दिशा पाटनी के ग्लैमरस लुक्स धड़कने बढ़ाने वाले हैं।

किस वाले सीन के थे चर्चे-राधे का ट्रेलर सलमान खान के फैन्स को काफी पसंद आया था। इसमें वह दिशा पाटनी को किस करते भी दिखाई दिए थे। हालांकि मेकर्स ने राधे का बिहाइन्ड द सीन वीडियो जारी किया था। इसमें सलमान ने बताया है कि उन्होंने किस जरूर किया है पर दिशा को नहीं, टेप को किस है। इस वीडियो को ध्यान से देखेंगे तो पता चलेगा कि दिशा के होठों पर टेप लगा है। फिल्म में सलमान के साथ दिशा पाटनी, रणदीप हुड्डा और जैकी श्रॉफ अहम किरदारों में हैं।

नेहा कक्कड़ इतनी छोटी सी उम्र से गा रही हैं गाना, तस्वीर शेयर कर बताया स्टेज पर और कौन है साथ

बॉलीवुड इंडस्ट्री की सिंगिंग सेंसेशन नेहा कक्कड़ के बचपन की एक फोटो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही है। इस फोटो में क्यूट नेहा माइक थामे गाना गाते हुए दिख रही हैं। इस फोटो को खुद सिंगर ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल से शेयर की है। नेहा द्वारा शेयर किये गए इस फोटो में उनके अलावा पूरी कक्कड़ फैमली स्टेज पर दिख रही है। फोटो में उनके माता-पिता के साथ लाल स्वेटर पहने भाई टोनी कक्कड़ भी माइक थामे बैठे हुए नजर आ रहे हैं। इस फोटो के अलावा नेहा ने एक अन्य तस्वीर भी शेयर की है, जिसमें वो अपने गुरु के साथ नजर आ रही हैं। नेहा कक्कड़ की ये दोनों फोटोज सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है।

इमोशनल भरा है कैप्शन-इन तस्वीरों को शेयर करते हुए नेहा ने कैप्शन में लिखा है,आप क्लीयरली देख सकते हैं कि मैं कितनी छोटी थी, जब मैंने सिंगिंग शुरू की थी। और मैं नहीं, आप टोनी भाई को भी मां के आगे बैठे हुए देख सकते हैं और पापा उनके बगल में बैठे हैं। वो आजकल कहते हैं न कि 'मेहनत रियल है', वेल हमारे केस में ये वास्तव में रियल है। हम कक्कड़ एक प्राउड फैमिली हैं। दूसरी फोटो के बारें में बताते हुए नेहा ने आगे लिखा, हालांकि, जब आप राइट स्वाइप करेंगे, तो आप मेरी करेंट तस्वीर एक ब्यूटीफुल आदमी के साथ देखेंगे। ये वही हैं, जिन्होंने मेरी जिंदगी की सबसे ब्यूटीफुल तस्वीर मेरे हाथ में थमाई है। थैंक यू सर आपने ये बेहद कीमती तस्वीर हमें देकर मुझे और मेहनत करने की शक्ति दे दी। जय माता दी।

बहुत गरीबी देखी हैं नेहा कक्कड़-बॉलीवुड की पॉपुलर सिंगर नेहा कक्कड़ आज लोगों के दिलों पर राज करती हैं। हालांकि आज नेहा जिस ऊंचे मुकाम पर हैं, वहां पहुंचने के लिए उन्होंने खूब मेहनत की है। इतना ही नहीं बचपन में उन्होंने काफी स्ट्रगल किया था और यही वजह है कि इतनी पॉपुलैरिटी मिलने के बाद भी वह जमीन से जुड़ी हुई हैं। एक इंटव्यू के दौरान नेहा ने ये खुद स्वीकार किया था कि उन्होंने और उनके परिवार ने बहुत गरीबी देखी है। परिवार चलाने के लिए नेहा के पापा उनकी बहन सोनू के कॉलेज के बाहर समोसा बेचते थे। यही नहीं खुद नेहा कक्कड़ भी अपने बचपन में जगरातों में भजन गाती थीं।

आम्रपाली संग देखने वालों ने क्या-क्या नहीं देखा होगा गाना गाते दिखे निरहुआ

भोजपुरी क्वीन आम्रपाली दूबे और दिनेश लाल यादव उर्फ निरहुआ का एक वीडियो सोशल मीडिया पर खूब पसंद किया जा रहा है। इस वीडियो में दोनों बॉलीवुड का फेमस गाना देखने वालों ने क्या-क्या नहीं देखा होगा गाते हुए दिख रहे हैं। वहीं अक्षरा सिंह ने भी इसी गाने पर अपना वीडियो शेयर किया है। दिनेश लाल यादव ने इस वीडियो को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से शेयर किया है। वीडियो को देखकर फैंस के अलावा भोजपुरी सितारों ने भी कॉमेंट और लाइक किया है। भोजपुरी एक्ट्रेस काजल राघवानी ने भी रिएक्शन देते हुए कॉमेंट किया है। काजल ने दोनों की क्यूट वीडियो देखकर कॉमेंट बॉक्स में लॉफिंग इमोजी संग लिखा, ओह एमजी! काजल के अलावा एक्ट्रेस यामिनी सिंह ने लिखा, क्यूट शानदार वीडियो। वीडियो में आम्रपाली खुले बालों में बलां की खूबसूरत लग रही हैं वहीं दिनेश लाल ह्वाइट टी-शर्ट पहने हुए मास्क लगाए दिख रहे हैं। इन दोनों के इस क्यूट वीडियो को देखकर फैंस बेहद खूश हैं। फैंस दोनों के एक्सप्रेशन की तारीफ करते हुए हार्ट,फ्लावर और फायर इमोजी शेयर कर रहे हैं। इस वीडियो को लाखों लोग देख चुके हैं। गौरतलब है कि आम्रपाली- निरहुआ के अवाला एक्ट्रेस अक्षरा सिंह ने भी इसी गाने को गाते हुए अपना वीडियो शेयर किया है। वह इस गाने के बोल को कॉपी करते हुए झूला झूलते हुए एक्टिंग कर रही हैं। वीडियो में अक्षरा फ्लावर प्रिंट शॉर्ट ड्रेस पहने हुए दिख रही हैं। वह बहुत क्यूट लग रही हैं।

एक नजर...

कोरोना से जान गंवाने वाले ड्राइवर-कंडक्टर के परिजनों को मिलेगी 50 लाख रुपये की सहायता राशी

लखनऊ। कोविड के दौरान ड्यूटी में जान गंवाने वाले ड्राइवर-कंडक्टर समेत अन्य कर्मचारियों को सहायता धनराशि मिलेगी। रोडवेज में कार्यरत नियमित, संविदा अथवा आउटसोर्स कर्मियों की संक्रमण से मृत्यु होने पर उनके आश्रितों को 50-50 लाख रुपये की एक मुश्त धनराशि दी जाएगी। इस संबंध में परिवहन निगम के अपर प्रबंध निदेशक अन्नपूर्णा गर्ग ने आदेश जारी कर दिया है। परिवहन निगम के प्रधान प्रबंधक डीबी सिंह ने बताया कि यूपी में अभी तक करीब 50 से ज्यादा कर्मियों की मौत की सूचना ड्यूटी के दौरान हुई है। इस संबंध में प्रदेश भर से 25 मई तक सूचना मांगी गई है। **रोडवेज संगठनों की मांग पूरी हुई**-रोडवेज संगठनों ने प्रदेश सरकार से लेकर एमडी तक को पत्र भेजकर कोविड से संक्रमित कर्मियों की मौत पर उनके परिजनों को सहायता धनराशि दिए जाने की मांग की थी जिसे सरकार ने संज्ञान में लेते हुए निगमों में तैनात संविदा, आउटसोर्स कर्मियों के परिजनों को एक मुश्त धनराशि देने का आदेश जारी किया।

लखनऊ में ब्लैक फंगस के मरीज बढ़े दवाओं की कालाबाजारी शुरू

लखनऊ। ब्लैक फंगस से महिला की मौत के बाद राजधानी लखनऊ में मरीजों की संख्या बढ़ने लगी है। इसके साथ ही ब्लैक फंगस के इलाज में दी जाने वाली दवाओं की कालाबाजारी भी शुरू हो गई है। मेडिकल स्टोरों से ब्लैक फंगस की दवाएं नदारद हैं। परेशान मरीज और तीमारदार महंगी दवा खरीदने को विवश हो रहे हैं। लखनऊ में ब्लैक फंगस के 16 मरीजों का इलाज चल रहा है। इसमें से 13 मरीज केजीएमयू और तीन लोहिया संस्थान में भर्ती हैं। रेमडेसिविर के बाद ब्लैक फंगस के इलाज में इस्तेमाल होने वाली दवाओं की कालाबाजारी शुरू हो गई है। दवाओं की मांग भी तेजी से बढ़ रही है। डॉक्टरों के मुताबिक ब्लैक फंगस बीमारी में सबसे ज्यादा अम्फोटेरिसिन-बी इंजेक्शन अधिक प्रभावी है। बाजार में इंजेक्शन का जबरदस्त संकट है। यही नहीं आइसोकोनाजोल की गोली भी असरदार है। यह दवा मरीज को 14 दिन तक लेनी पड़ती है। पोसोकोनाजोल सिरप और वोरिकोनाज़ॉल की गोलियां भी बाजार में नहीं मिल पा रही हैं। इलाज में इस्तेमाल होने वाले इंजेक्शन की कालाबाजारी शुरू हो गई है। दो हजार रुपये वाला अम्फोटेरिसिन बी इंजेक्शन आठ हजार का मिल रहा है। लखनऊ केमिस्ट एसोसिएशन के प्रवक्ता मयंक रस्तोगी ने कहा कि सिरप 19 हजार व 10 गोलियों का पत्ता चार हजार रुपये में मिल रहा है।
इलाज के इंतजाम में देर न करें:योगी-शनिवार को टीम 9 की बैठक में मुख्यमंत्री ने प्रदेश में ब्लैक फंगस की स्थिति की जानकारी लेते हुए इस मामले में प्रो-एक्टिव रहने के निर्देश दिए हैं। सीएम ने कहा कि विशेषज्ञों के मुताबिक कोविड से उपचारित मरीजों खासकर अनियंत्रित मधुमेह की समस्या से जूझ रहे लोगों में ब्लैक फंगस की समस्या देखने में आई है। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग और चिकित्सा शिक्षा विभाग को निर्देश दिए कि विशेषज्ञों के परामर्श के अनुसार इसके उपचार में उपयोगी दवाओं की उपलब्धता तत्काल सुनिश्चित कराई जाए। लोगों में जागरूकता बढ़ाने के लिए जरूरी गाइड लाइन जारी कर दी जाए।

झड़प के बाद टीटीई ने यात्री को चलती ट्रेन से ढकेला, मौत

लखनऊ। सिकंदराबाद से गोरखपुर जा रही ट्रेन में टिकट बनाने को लेकर यात्री और टीटीई में झड़प हो गई। दोनों के बीच काफी विवाद हुआ। यात्रियों ने बताया कि टीटीई ने चलती ट्रेन में यात्री वसंत (26) को ढकेल दिया। यात्री अनियंत्रित होकर ट्रेन से गिरा और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मामला बादशाहनगर रेलवे स्टेशन के पास बीती रात का है। यात्रियों ने टीटीई को पकड़कर पहले 112 पर डायल किया फिर उसे पुलिस के हवाले कर दिया। वहीं, मृतक के जीजा गोविंद ने चारबाग जीआरपी में टीटीई जय नारायण यादव के खिलाफ मामला दर्ज कराया है।
जीआरपी इंस्पेक्टर अंजनी कुमार मिश्रा ने बताया कि टीटीई के खिलाफ 304 का मामला दर्ज किया गया है। मामले की विवेचना की जा रही है। बता दें कि टीटीई की हरकत से नाराज यात्रियों ने हंगामा किया। आरोपी टीटीई को जेल भेज दिया गया है।
देवरिया के रहने वाले थे जीजा और साले-जीआरपी इंस्पेक्टर ने बताया कि गोरखपुर के चौरी-चौरा निवासी गोविंद देवरिया के रहने वाले अपने साले वसंत (26) के साथ सिकंदराबाद से गोरखपुर जा रहे थे। ट्रेन बादशाहनगर पहुंची। इस बीच वसंत के टिकट को लेकर टीटीई जय नारायण यादव का विवाद हो गया। इस बीच ट्रेन बादशाहनगर से भी चल पड़ी थी। नोकझोंक और धक्कामुक्की के दौरान यह घटना हुई। मामले की पुलिस जांच कर रही है।

सीतापुर में पेट्रोल डालकर युवक ने खुद को जिंदा जलाया

सीतापुर। सीतापुर जिले के खैराबाद इलाके में उस समय हड़कंप मच गया, जब एक युवक ने खुद के ऊपर पेट्रोल छिड़ककर आग लगा ली। आननफानन में परिजनों ने जिला अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना मोहल्ला मेवाती टोला की है। कस्बे के मोहल्ला मेवाती टोला निवासी इस्माइल (18) पुत्र स्वर्गीय शरीफ ने अपने घर के पीछे स्थित गोश्त की मंडी में खुद के ऊपर पेट्रोल डालकर आग लगा ली। शोर-शराबा सुनकर मोहल्ले के तमाम लोग मौके पर पहुंचे और आग बुझाने की कोशिश की। लेकिन तब तक इस्माइल 80 फीसदी तक जल चुका था। आग बुझाने के बाद लोगों ने उसको जिला अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया। कुछ देर तक चलते इलाज के बाद उसने दम तोड़ दिया। सूत्रों की मानें तो मृतक इस्माइल ईद मिलने मोटरसाइकिल से मोहम्मदी जाना चाहता था। परिजनों ने उससे मोटरसाइकिल से न जाकर बस से जाने की सलाह दी। इस्माइल मोटरसाइकिल में तेल भराकर लाया था। परिवार में वाद-विवाद के बाद आवेश में आकर इस्माइल ने मोटरसाइकिल से पेट्रोल निकालकर अपने ऊपर छिड़ककर आग लगा ली। थानाध्यक्ष ओपी राय का कहना है कि मामला संज्ञान में नहीं है। तहरीर आने पर उचित कार्रवाई की जाएगी।

अमेठी में डॉक्टर और स्टाफ को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा अस्पताल में की तोड़फोड़, जानिए पूरा मामला

अमेठी। अमेठी जिला अस्पताल में 55 वर्षीय महिला की मौत से नाराज परिजनों ने डॉक्टर व स्वास्थ्य कर्मियों को दौड़ा दौड़ाकर पीटा। साथ ही अस्पताल में जमकर की तोड़फोड़ की गई। पुलिस के पहुंचने पर परिजन भाग खड़े हुए। डॉक्टरों के मुताबिक महिला को अस्पताल में ब्राडडेड लाया गया था। वहीं मारपीट में डॉक्टर व फार्मासिस्ट गंभीर रूप से घायल हो गये। शनिवार की देर रात मरीज के परिजनों ने अस्पताल में जमकर हंगामा किया प्राप्त जानकारी के अनुसार मुंशीगंज थाना क्षेत्र के गरथौलिया गांव निवासी एक 55 वर्षीय महिला की तबीयत खराब होने पर रात्रि लगभग 9ः30 बजे इलाज के लिए उसे जिला अस्पताल लाया गया। अस्पताल में मौजूद डॉक्टर हनुमान प्रसाद ने जांच कर उसे मृत घोषित कर दिया। जिसके बाद इलाज में देरी किये जाने का आरोप लगाते हुएपरिजन भड़क उठे तथा मौके पर मौजूद डाक्टरों व स्वास्थ्य कर्मियों के साथ गाली गलौज और मारपीट शुरू कर दिया। बीच बचाव कर रहे अन्य मरीजों के तीमारदारों को भी पीटा गया। तथा अस्पताल के शीशे, खिड़कियां, मेज कुर्सी व अन्य स्वास्थ्य पर तोड़ दिए गए। मृत महिला के परिजन काफी देर तक हंगामा करते रहे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्थिति को सम्हाला। अधीक्षक डॉ. पीके उपाध्याय ने बताया कि अस्पताल पहुंचने के पहले ही महिला की मृत्यु हो चुकी थी। परिजनों ने अनावश्यक रूप से तोड़फोड़ व मारपीट की है। आरोपियों के विरुद्ध कार्यवाही के लिए पुलिस को शिकायती पत्र सौंपा गया है।

यूपी के गांवों में कोरोना का कहर, हालात गंभीर

कई जगह दर्जन से अधिक मौतें

लखनऊ। कोरोना महामारी इस समय राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में जैसे कहर बरपा रही है। कई गांव तो ऐसे हैं जहां कुछ ही दिनों में कोरोना के इस दूसरे लहर ने कई जानें ले ली हैं। घर-घर मातम पसरा हुआ है। सूचनाएं जिला मुख्यालयों से लेकर शासन स्तर तक पहुंचने के बाद स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने जांच व मेडिकल किट बांटने का काम शुरू किया है। तमाम स्तर पर लापरवाहियां भी देखने को मिल रही हैं। कोरोना के लक्षणों से पीड़ित तमाम ग्रामीण छोला छाप डाक्टरों की सेवाएं लेने को मजबूर हैं।
रायबरेली जिले के गुरबक्श गंज थाना क्षेत्र के सुल्तानपुर खेड़ा गांव में कोरोना संक्रमण से अब तक करीब 22 लोगों की मौत हो चुकी है। गांव में स्वास्थ विभाग की टीम घर-घर जाकर लोगों की जांच कर रही है। गांव में आने जाने पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया गया है। गोंडा के हलधरमऊ ब्लॉक की ग्राम पंचायत हलधरमऊ में करीब 70 प्रतिशत लोग सर्दी, जुकाम व बुखार से पीड़ित हैं। लोग यहां झोलाछाप डाक्टरों से दवा करा रहे हैं। ग्राम प्रधान मसूद खां ने बताया है कि संक्रमण से करीब 16 लोगों की मौत अप्रैल से अब तक हो चुकी है। स्वास्थ्य विभाग इस गांव में चार मौतें बता रहा है। स्वास्थ्य कर्मियों ने कुछ लोगों की सैंपलिंग की है। दवाओं का वितरण नहीं कराया गया है। एसडीएम करनैलगंज शत्रुघ्न पाठक दो टूक में कहते हैं कि स्वाभाविक मौत को कोरोना नहीं कहा जा सकता है। सीतापुर जिले के खैराबाद इलाके में कोरोना संक्रमण से कई लोगों की मौत हो चुकी है। बुखार और सांस लेने की दिक्कत से एक माह के भीतर 40 लोगों के दम तोड़ने की बातें बती जा

रही हैं। स्वास्थ्य विभाग की ओर से अभी तक कस्बे में घर-घर टेस्टिंग की प्रक्रिया आरम्भ नहीं हुई है। श्रावस्ती के सिरसिया विकास खंड क्षेत्र के दुर्गापुर केपी में एक पखवारे में सात लोगों की मौत हो चुकी है। इसमें से चार लोगों में कोरोना की पुष्टि हुई थी। अब तक मेडिकल टीम मौके पर नहीं पहुंची है। सीएमओ डा. एपी भार्गव ने बताया कि मरीजों के हिसाब से जिले में संसाधन कम हैं। दुर्गापुर केपी में मेडिकल टीम भेजकर दवा वितरित कराई जाएगी। अयोध्या जिले के मिल्कीपुर तहसील क्षेत्र में तेंधा, धनैचा, उधुई गांव में कोरोना से सर्वाधिक मौतें हुई हैं। स्वास्थ्य विभाग की टीम तथा तहसील प्रशासन की टीम सेनेटाइजेशन करा रहे हैं। बीमार लोगों को दवाएं बांटी जा रही हैं। सीएमओ डा. घनश्याम सिंह ने बताया कि निगरानी टीम घर घर जाकर जुखाम, खांसी व बुखार के साथ सांस फूलने वाले मरीजों की पहचान कर रही है। बाराबंकी जिले के फतेहपुर ब्लाक (ग्रामीण क्षेत्र) में 628 और मसौली ब्लॉक में 507 एक्टिव केस हैं। मसौली ब्लाक के ग्राम पंचायत देवकलिया और इसके मजरे मुंजापुर में 25 एक्टिव केस मिल चुके हैं। सीएमओ बीकेएस चौहान बताते हैं कि लगातार सैम्पलिंग कराई जा रही है। बहराइच के गैंसड़ी ब्लाक के कोहरगड्डी गांव में एक सप्ताह में सौ से अधिक कोरोना संक्रमित मिल चुके हैं। पिछले गुरुवार को इस गांव में 43 लोग कोरोना संक्रमित पाए गए थे। गांव में निगरानी समितियां एवं स्वास्थ्य टीम काम कर रही हैं। अपर सीएमओ डा. एके सिंघल ने बताया कि टीकाकरण में गांव के लोग सहयोग नहीं कर रहे हैं। कमोवेश ऐसे ही हालात राज्य के अन्य जिलों के ग्रामीण क्षेत्रों में भी हैं। गांवों का जीवन अस्त व्यस्त हो गया है। गांवों में संक्रमण और कामधाम ठप होने से तमाम ग्रामीणों के सामने खाने-पीने की दिक्कतें भी हैं। हालांकि मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद शासन से लेकर जिले तक के प्रशासनिक अधिकारियों ने गांवों में कोरोना संक्रमण की रोकथाम के लिए तमाम कदम उठाने शुरू किए हैं। सेनेटाइजेशन, फागिंग का काम युद्धस्तर पर चल रहा है। लक्षण वाले लोगों की जांच कराई जा रही है। कोरोना संक्रमितों को दवाएं भी देने का काम स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने शुरू कर दिया है।

24 मई तक बढ़ा लॉकडाउन, पंजीकृत मजदूरों को मिलेगा 1000 रुपए भत्ता

यूपी। कोरोना की दूसरी लहर से देश धीरे-धीरे बाहर निकल रहा है। दिल्ली, महाराष्ट्र, यूपी और बिहार सहित देश के कई राज्यों में संक्रमण की रफ्तार धीमी पड़ चुकी है। इसके पीछे लॉकडाउन को बड़ा हथियार बताया जा रहा है। यूपी में भी कोरोना संक्रमण में कमी आई है, जिसे देखते हुए सरकार ने एक बार फिर से लॉकडाउन बढ़ाने का फैसला लिया है। योगी सरकार ने 24 मई तक के लिए लॉकडाउन बढ़ा दिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ये फैसला कैबिनेट बैठक के बाद लिया।

इतना ही नहीं योगी सरकार ने लॉकडाउन के दौरान रेहड़ी-पटरी वालों की समस्या को देखते हुए पंजीकृत रेहड़ी-पटरी वालों को हर महीने 1000 रूपये देने का फैसला लिया है। सरकार के इस कदम से एक करोड़ रेहड़ी-पटरी वाले दुकानदारों को काफी मदद मिलेगी। इसके साथ ही 3 महीने तक सभी राशनकार्ड धारकों को राशन फ्री में देने का ऐलान किया है। प्रदेश में तकरीबन 15 करोड़ राशन कार्ड धारक हैं, जिनको इसका लाभ मिलेगा। प्रदेश में शहरी क्षेत्रों में संक्रमितों की संख्या कम हो रही है साथ ही रिकवरी रेट भी बढ़ रहा है पर गांवों में फैल रहा संक्रमण सरकार के लिए चिंता का सबब बन गया है इसलिए सरकार कोई मौका नहीं लेना चाहती है। प्रदेश में कंटेनमेंट जोन की संख्या भी तेजी से कम हो रही है. जब पंचायत चुनाव चल रहा था उस समय प्रदेश में कंटेनमेंट जोन की संख्या 90 हजार पार कर गई थी. यह संख्या अब 51 हजार से कम हो गई है. एडीजी कानून व्यवस्था प्रशांत कुमार के अनुसार, 11 मई तक प्रदेश में 51284 कंटेनमेंट जोन थे. बता दें कि प्रदेश में 30 अप्रैल से कर्फ्यू लागू है. शुरू में इसे 3 मई तक लागू रहना था, लेकिन बाद में इसकी अवधि 6 मई तक बढ़ा दी गई थी. बाद में इसे और विस्तार देते हुए 10 मई तक कर दिया गया था और जिसे अब बढ़ाकर 17 मई किया गया है. बता दें कि यूपी में 30 अप्रैल के बाद से ही आंशिक कोरोना कर्फ्यू है. इसका असर यह हुआ कि कोरोना के सक्रिय मामलों में 60 हजार की कमी आ गई है. यही नहीं 18 से 44 साल के लोगों के लिए वैक्सीनशन कराने के लिए भी योगी सरकार तेजी से काम कर रही है.

ब्लैक फंगस का लखनऊ में कहर जारी, दूसरी मौत

लखनऊ। ब्लैक फंगस का प्रकोप थमने का नाम नहीं ले रहा है। बड़ी संख्या में लोग ब्लैक फंगस की चपेट में आ रहे हैं। ब्लैक फंगस की चपेट में आने से एक और मरीज की मौत हो गई है। गंभीर अवस्था में मरीज को लखनऊ के निजी अस्पताल में भर्ती कराया था। ब्लैक फंगस से राजधानी लखनऊ में दूसरी मौत है। गोरखपुर निवासी 54 वर्षीय पुरुष को 14 मई को सिप्स हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। अस्पताल के प्रमुख डॉ. राज मिश्र के मुताबिक है। मरीज को गंभीर अवस्था में भर्ती कराया गया था। भर्ती के कुछ घंटे बाद मरीज को वेंटिलेटर पर भर्ती किया गया। इलाज के दौरान मरीज की सांसें थम गईं। घातक फंगस मरीज के दिमाग तक पहुंच चुका था। उसमें ब्लैक फंगस का संक्रमण ब्रेन तक पहुंच चुका था। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि अब तक अस्पताल में ब्लैक फंगस की चपेट में आए छह मरीजों को इलाज मुहैया कराया जा चुका है। जिसमें तीन मरीज की तबीयत स्थिर है।

गांव में वैक्सीन लगाने पहुंची स्वास्थ्य टीम पर हमला, जान बचाने के पड़े लाले

औरैया। कोविड-19 की घातक दूसरी लहर से हाहाकार मचा हुआ है. जहां शहरों में हालात बेहद भयावह हो चुके हैं तो वहीं कोरोना संक्रमण ने अब गांवों को भी अपने चपेट में ले लिया है. कोरोना महामारी के बढ़ते खतरे को देख गांवों में घर-घर टेस्टिंग और सर्विलांस पर जोर दिया जा रहा है तो संक्रमण की रोकथाम के लिए वैक्सीनेशन का अभियान भी चलाया जा रहा है. कोरोना से लड़ने में टीकाकरण को मजबूत हथियार बताया जा रहा है. लेकिन उत्तर प्रदेश के औरैया जिले से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है. यहां कोविड वैक्सीन लगाने एक गांव में पहुंची स्वास्थ्य विभाग की टीम को अपनी जान बचाने के लाले पड़ गए. गांव में स्वास्थ्य विभाग की टीम पर लोगों ने हमला कर दिया, जिसमें उनकी जान बाल बाल बची है. जानकारी के अनुसार, औरैया जिले के सदर कोतवाली क्षेत्र के कादलपुर गांव में स्वास्थ्य विभाग की टीम वैक्सीनेशन के लिए पहुंची थी. जहां ग्रामीणों ने लाठी डंडों और गाली गलौच से उनका स्वागत किया. कोरोना से लोगों को बचाने के लिए गांव में पहुंची स्वास्थ्य टीम को अपनी जान बचाना मुश्किल हो गया. गांव के महिलाओं, बच्चों और पुरुषों ने हाथों में लाठी डंडे लेकर स्वास्थ्य विभाग की टीम को गाली गलौच करते हुए गांव से बाहर निकाल दिया. हालांकि स्वास्थ्य टीम के साथ हुई इस घटना की जानकारी मिलते ही एसडीएम सदर रमेश यादव ने सख्त कार्रवाई के आदेश दिए हैं. दरअसल, जिले में सर्दी-जुकाम, खांसी व बुखार से पीड़ित मरीजों की मौत का आंकड़ा तेजी से बढ़ रहा है. जिले में कोरोना वायरस संक्रमण से मरने वालों की संख्या भी काफी है. ऐसे में स्वास्थ्य विभाग की टीम गांव-गांव पहुंच रही है. मगर ग्रामीण सरकार की मंशा और जिला स्वास्थ्य टीम की मेहनत पर पानी फेर रहे हैं. बहरहाल, जब स्वास्थ्य टीम पर ही हमला होगा और उसके साथ अभद्रता तो फिर गांवों में टीकाकरण कैसे होगा.

चलती डबल डेकर बस में लगी आग ड्राइवर की सजगकता से बचे 90 यात्री

अयोध्या। अयोध्या में राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित रानीमऊ गांव के समीप शनिवार की देर रात एक डबल डेकर बस में अचानक आग लग गई। इस अग्निकांड हादसे में बस पर सवार करीब 90 यात्री बाल बाल बच गए जबकि थोड़ी ही देर में पूरी बस जलकर राख हो गई। जानकारी के मुताबिक जालंधर, पंजाब से बिहार के पूर्णिया जा रही एक डबल डेकर बस जैसे ही अयोध्या जिले की सीमा में प्रवेश कर रानीमऊ गांव के समीप पहुंची कि अचानक एसी में शार्ट सर्किट की वजह से आग लग गई। हालांकि चालक ने तत्काल बस को राजमार्ग के किनारे लगाकर यात्रियों को बाहर निकाल लिया। सूचना यूपी 100 के टोल फ्री नंबर पर दिया। कंट्रोल रूम की सूचना पर स्थानीय पुलिस बल व फायर बिग्रेड की टीम मौके पर पहुंची।

उत्तर प्रदेश में धीमी पड़ी कोरोना की रफ्तार

24 घंटे में 12547 नए संक्रमित

लखनऊ। कोरोना वायरस की रफ्तार कुछ धीमी पड़ने लगी है. यूपी में बीते 24 घंटे में कोरोना वायरस के 2,56,755 लोगों का टेस्ट किया गया. जिनमें 12547 लोग नए संक्रमित मिले हैं. इसके साथ ही 28404 लोग संक्रमण से मुक्त भी हो गए हैं. प्रदेश में बीते 24 घंटे में 281 लोगों की मौत हुई है. अपर मुख्य सचिव सूचना नवनीत सहगल ने बताया कि यूपी में बीते 24 घंटे में कोरोना वायरस के 2,56,755 लोगों का टेस्ट किया गया. जिनमें 12547 लोग नए संक्रमित मिले हैं. इसके साथ ही 28404 लोग संक्रमण से मुक्त भी हो गए हैं. अब तक प्रदेश में एक्टिव केस काफी नीचे आता जा रहा है. प्रदेश में अब एक्टिव केस एक लाख 77,643 हो गए हैं. प्रदेश में बीते 24 घंटे में 281 लोगों की मौत हुई है. राज्य में अब तक कोरोना वायरस के संक्रमण से 17,238 लोगों की मौत हो चुकी है. इनमें लखनऊ में 2228

की मौत हुई है. प्रदेश में अब रिकवरी रेट 87.90 प्रतिशत हो गया है. प्रदेश में 30 अप्रैल को एक दिन में सर्वाधिक 38000 से अधिक नए केस आए थे. आज तो 12546 नए केस आए हैं. नवनीत सहगल ने बताया कि प्रदेश में अब तो 18-44 वर्ष के लोगों का टीकाकरण तेजी से किया जा रहा है. प्रदेश में पहले 18-44 वर्ष के लोगों के लिए टीकाकरण केवल 18 जनपदों में ही चल रहा था अब सोमवार से यह टीकाकरण 23 जिलों में शुरू हो जाएगा. टीकाकरण की प्रक्रिया बहुत तेजी से चल रही है. अब तक प्रदेश में 1,47,00,000 वैक्सीन की डोज दी गई है. इनमें से 1,16,00,000 लोगों को पहली और 31,00,000 लोगों को दूसरी डोज दी जा चुकी है. 31,00,000 लोगों को दोनों डोज मिल चुकी है. स्वास्थ्य विभाग के अनुसार राजधानी लखनऊ में बीते 24 घंटे में 617 नए केस मिले हैं, जबकि 12 लोगों की मौत हुई है. कानपुर में 14 लोगों की मौत हुई है जबकि 197 नए संक्रमित मिले हैं. मेरठ में 879 नए केस मिले हैं तो 19 लोगों ने दम तोड़ दिया है. झांसी में 315 केस मिले हैं और दस लोगों की मौत हुई है. गौतमबुद्धनगर में 480 नए संक्रमित मिले हैं और दस लोगों का निधन हो गया है. चंदौली में गंगा नदी में शव मिलने का कारण भी सामने आ रहा है. यहां पर सिर्फ 165

पत्नी ने प्रेमी के साथ मिलकर रची साजिश, पति की ऐसे की हत्या

अमरोहा। अमरोहा पुलिस ने वारदात के तीन दिन के बाद शनिवार को जोगेश हत्याकांड का खुलासा कर दिया। उसकी पत्नी ने ही प्रेमी के साथ मिलकर जोगेश की हत्या की साजिश रची थी। पुलिस ने हत्या में शामिल मृतक की पत्नी और उसके प्रेमी समेत अन्य दो आरोपियों को गिरफ्तार करके चालान कर दिया है।
थाना क्षेत्र के गांव मिठनपुर निवासी जोगेश सिंह (40 वर्ष) उर्फ कलवा मजदूरी कर परिवार का पालन-पोषण करता था। बीती 12 मई को उसका शव रामगंगा पोषक नहर के दिसौरा पुल के पास पड़ा मिला था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा था। एसपी सुनीति ने भी घटनास्थल का मुआयना कर थाना पुलिस को जल्द हत्याकांड का खुलासा करने का निर्देश दिया। इस बीच परिजनों ने उसकी हत्या किए जाने की आशंका जताते हुए पुलिस को तहरीर दी थी। मृतक के भाई की तहरीर पर पुलिस ने मृतक की पत्नी पिंकी और चौहड़पुर बगद निवासी कावेंद्र के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू की। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मृतक की मौत सिर में धारदार हथियार से वार करने से होने की पुष्टि हुई। हत्याकांड का खुलासा करते हुए सीओ सत्येंद्र सिंह ने शनिवार को बताया कि मृतक की पत्नी पिंकी के कावेंद्र से अवैध संबंध थे। दोनों ने चुपचाप शादी भी कर ली थी। इसकी जानकारी जोगेश को हो गई थी। इसके बाद दोनों ने जोगेश को रास्ते से हटाने के लिए उसकी हत्या करने की योजना बनाई। कावेंद्र ने अपने दो दोस्त चमन और सोनू के साथ मिलकर 12 मई की रात मंडी धनौरा से मजदूरी करके लौटते वक्त उसे मौत के घाट उतार दिया। घटना को हादसे का रूप देने के लिए शव को पुल के किनारे फेंक

दिया। शक के आधार पर हिरासत में लिए गए कावेंद्र और पिंकी से सख्ती से पूछताछ करने पर दोनों ने पूरा राजफाश कर दिया। मृतक की पत्नी पिंकी, कावेंद्र पुत्र राजेंद्र सिंह निवासी चौहड़पुर बगद व चमन पुत्र भूप सिंह और सोनू पुत्र बालकिशन निवासी धनौरी खुर्द थाना बछरायूं को आला कत्ल समेत गिरफ्तार कर चालान किया गया है।
हत्या की एवज में दोस्तों को मिलने थे 15 हजार-मंडी धनौरा। कावेंद्र ने जोगेश की हत्या की योजना अपने दो दोस्त चमन और सोनू के साथ मिलकर बनाई थी। इसकी एवज में दोनों को 15 हजार रुपये देना भी तय हुआ था। कावेंद्र ने पांच हजार रुपये बतौर एडवांस दिए थे, बाकी दस हजार रुपये वारदात के बाद देना तय हुआ था।
हत्या से पहले सबने मिलकर पी थी शराब-मंडी धनौरा। जोगेश को मौत के घाट उतारने से पहले तीनों आरोपियों ने 11 मई की शाम को मिलकर शराब पी थी। कावेंद्र की जोगेश से दोस्ती थी। योजना के मुताबिक कावेंद्र ने बछरायूं के घेरकुंडा गांव में समर्सिबल की मोटर डालने के लिए बुलाया था। इसके बाद शाम को जोगेश, कावेंद्र, चमन व सोनू ने मंडी धनौरा पहुंचकर शराब पी और फिर उसके सिर में लोहे के पाइप से वार करने के साथ ही गला घोंटकर हत्या कर दी।
दोनों गुप्त रूप से रचा चुके शादी-मंडी धनौरा। कावेंद्र समर्सिबल का मिस्त्री है। वह जोगेश को मजदूर के रूप में अपने साथ रखता था। इसके कारण उसका जोगेश के घर आना जाना था। इसी बीच उसका पिंकी से प्रेम प्रसंग हो गया। दोनों एक वर्ष पूर्व आर्य समाज मंदिर में गुप्त रूप से शादी भी रचा चुके है, हालांकि जोगेश को इसकी जानकारी हो गई थी।
खुलासे में कॉल डिटेल बनी अहम कड़ी-हत्याकांड के खुलासे के लिए पुलिस अधीक्षक सुनीति ने दो टीमें बनाई थीं। सर्विलांस के जरिए पुलिस को हत्याकांड शीघ्र खोलने में बड़ी मदद मिली। कॉल डिटेल के जरिए कड़ी से कड़ी मिलाते हुए पुलिस के हाथ हत्यारों के गिरेबान तक जा पहुंचे और घटना में शामिल सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर तीन दिन में ही घटना का खुलासा कर दिया।

हारेगा कोरोनाः जीतेगा देश

दवाओं की उपलब्धता के साथ नियमों का पालन करने के दिये निर्देश

ललितपुर। जिलाधिकारी अन्नावि दिनेशकुमार एवं मुख्य विकास अधिकारी अनिलकुमार पांडेय ने जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों में कोविड-19 अंतर्गतवैक्सिनेशन कार्य का औचक निरीक्षण किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी नेतालबेहट क्षेत्र अंतर्गत कडेसराकलां एवं असउपुरा में उपस्थित एमओआईसी,सीएचओ व एएनएम से ग्राम स्तर पर किये जा रहे वैक्सिनेशन की प्रगति कीजानकारी ली। यहां पर जिलाधिकारी ने संबंधित लेखपाल, उचित दर विक्रेता,आशा, आंगनवाड़ी कार्यकत्री एवं सहायिका को निर्देशित किया कि वहअपने-अपने क्षेत्र में ग्रामीण जनता को वैक्सीनेशन के प्रति संपूर्णजानकारी देते हुए प्रोत्साहित करें। मौके पर जिलाधिकारी ने पूर्वमाध्यमिक विद्यालय असउपुरा परिसर में अधूरे पड़े कक्ष का संज्ञान लेतेहुए उप जिला अधिकारी को निर्देशित किया कि निर्माण कार्य की जांच करकार्य पूर्ण ना किए जाने के दोषी के विरुद्ध कार्रवाई करें, इसके साथ हीवैक्सीनेशन हेतु तैनात मेडिकल स्टाफ द्वारा यदि लोगों से किसी प्रकार कीअभद्रता की जाती है तो सम्बन्धित के विरुद्ध कठोर कार्यवाही करें। इसकेसाथ ही वैक्सीनेशन को त्वरित गति से कराए जाने एवं शत प्रतिशत आच्छादनहेतु एमओआईसी से समन्वय स्थापित कर आवश्यक पर्यवेक्षण करें। इसके साथ हीजिलाधिकारी ने आयुष्मान भारत योजना के तहत हेल्थ एंड वैलनेस जमालपुर काभी निरीक्षण किया। यहां पर जिलाधिकारी ने पेयजल व्यवस्था सुचारू बनाएरखने हेतु एमओआईसी को निर्देश दिए, साथ ही कहा कि बुखार-खांसी से पीड़ितमरीजों की जांच कराते हुए आवश्यक दवाएं उपलब्ध कराएं। मौके पर जिलाधिकारीने केंद्र पर सफाई व्यवस्था, दवाओं की उपलब्धता का भी जायजा लिया तथाकेंद्र पर नियमित सफाई कराने के निर्देश दिए। इसके अलावा उन्होंनेअभिलेखों का सत्यापन भी किया। केंद्र के बाहर व पंचायत भवन के बाहर खराबपड़े हैंडपंप की मरम्मत हेतु ग्राम प्रधान को निर्देशित किया। इसी प्रकारमुख्य विकास अधिकारी अनिल कुमार पाण्डेय द्वारा

भी ग्राम गिदवाहा,नैनवारा एवं साडूमल में वैक्सीनेशन कार्य का जायजा लेने के लिए औचकनिरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान नैनवारा एवं साडूमल में वैक्सीनलगाई जा रही थी। इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित स्वास्थ्य कर्मियों सेवैक्सीनेशन के संबंध में जानकारी प्राप्त की साथ ही निर्देश दिये किलोगों को वैक्सीन लेने हेतु प्रेरित करें एवं शत प्रतिशत वैक्सिनेशनकराएं। इसके साथ ही मुख्य विकास अधिकारी ने ग्राम गिदवाहा में जन चौपाललगाकर लोगों को कोविड-19 संक्रमण से बचाओ के उपाय एवं वैक्सीन लगवाने केलिए प्रेरित किया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी ने स्वास्थ्यकर्मियोंको सम्बोधित करते हुए कहा कि कोविड संक्रमण को रोकने में आप सभी कीभूमिका सबसे महत्वपूर्ण है, इसलिए आप सभी अपने दायित्वों का संवेदनशीलहोकर निर्वहन करें। उन्होंने निगरानी समितियों को याद दिलाते हुए कहा किजिस तरह से पिछले साल कोविड-19 प्रसार को रोकने में निगरानी समितियोंद्वारा सक्रिय भूमिका निभाई गई थी, इस वर्ष भी इतनी तत्परता से कार्यकरें। उन्होंने निगरानी समिति से वार्ता करते हुए समिति द्वारा किए जानेवाले कार्यों की जानकारी ली तथा वर्तमान में किये जारहे कार्यों कीसमीक्षा भी की, उन्होंने कहा कि समिति गांव में रहने वाले अथवा बाहर सेआने वाले व्यक्तियों की जानकारी लेंगे, यदि कोई संदिग्ध मिलता है तोचेकिंग/टेस्टिंग कराते हुए उन पर नजर रखेगें। निरीक्षण के दौरान उपस्थितलोगों को बताया गया कि शासन के निर्देशों के क्रम में 10 मई 2021 से 45वर्ष से ऊपर के समस्त नागरिकों को कोविड वैक्सीन के प्रथम डोज हेतुटीकाकरण किया जा रहा है। यह टीकाकरण उनके द्वारा ऑनलाइन पंजीकरण कराने केपश्चात ही किया जाएगा। उन्होंने बताया कि बॉक-इन के माध्यम से ऑन द स्पॉटपंजीकरण की व्यवस्था प्रथम डोज के लिए 10 मई, 2021 से अग्रिम आदेशों तकके लिए स्थगित की गई है। द्वितीय डोज के टीकाकरण का कार्य पूर्व की भांतियथावत किया जायेगा। मौके पर लोगों को रजिस्ट्रेशन के सम्बंध में जानकारीदेते हुए बताया गया है कि टीकाकरण के लिए रजिस्ट्रेशन कोविड ऐप या आरोग्यसेतु ऐप से कराया जा सकता है। ऐप पर आपको रजिस्ट्रेशन का विकल्प दिखेगा।इस विकल्प को चुनने के बाद यह प्रक्रिया अपनाएं। मोबाइल फोन नम्बर याआधार नम्बर भरें। मोबाइल फोन नम्बर पर एक ओटीपी (वन टाइम पासवर्ड) आएगाजिसे वेरिफाइ करना होगा। वेरिफाइ करते ही वैक्सीन सेण्टर की लिस्ट दिखनेलगेगी। कोविन 2.0 आधुनिक वर्जन है, और यह जीपीएस आधारित है। इसलिए यहआपकी लोकेशन से पास के सेण्टर को दर्शाएगा। आप अपनी सुविधानुसारवैक्सिनेशन सेण्टर का चयन कर लें। इसमें टाइम स्लॉट भी चुन सकते हैं। तयवक्त पर टीकाकरण सेण्टर पहुँचकर लाभ उठाएं। रजिस्ट्रेशन कराने के बादलाभार्थी को अपॉइण्टमेण्ट लेना आवश्यक होगा। बिना स्लॉट के टीकाकरण नहीं होगा।

अन्नपूर्णा ऑक्सीजन बैंक एवं केयर सेंटर आज से शुरू

20 पलंग के साथ शिक्षक रेन बसेरा में केअर सेंटर की शुरुआत

ललितपुर। कोरोना पीड़ित मरीजों को निशुल्क ऑक्सीजन की व्यवस्था के लिएअन्नपूर्णा ऑक्सीजन बैंक एवं केयर सेंटर का शुभारंभ सोमवार से कोतवाली केसामने शिक्षक रैन बसेरा में प्रारंभ किया जा रहा है। वैश्विक महामारी

केचलते हुए जहां चारों तरफ ऑक्सीजन की दिक्कत अस्पतालों में हो रही है उसकोदेखते हुए अन्नपूर्णा सेवा संघ ने शहर ललितपुर निशुल्क ऑक्सीजन प्रदानकरने के लिए बीड़ा उठाया है, जिससे कोई भी मरीज ऑक्सीजन की कमी सेललितपुर शहर में ना मरे। जिसमें सहयोग के लिए सर्वप्रथम रवि तिवारी नेलगभग 45 लाख के दान की घोषणा की। 50 छोटे सिलेंडर और 30 जम्बो सिलेंडरउनके द्वारा बुक कई जा चुके है जिसमे से 20 जम्बो सिलेंडर प्रदान किए जाचुके हैं। उसी क्रम को आगे बढ़ाते हुए झांसी से गुप्तदाता परिवार द्वाराऔर अजय साहू द्वारा 5 लीटर वाली 15 ऑक्सीजन कंसंट्रेटर तुरंत प्रदान कियेगए। सिद्धि हॉस्पिटल के डा.आलोक जैन द्वारा उपयोग हेतु 10 हाइड्रोलिकपलंग और टेबल और 2 ऑक्सीजन सिलेंडर भरे हुए प्रदान किए गए और मरीजों कोकिस तरह से ऑक्सीजन प्रदान की जाए इसकी जानकारी दी। संस्था के अन्यदानदाताओं ने भी बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया और अन्नपूर्णा ऑक्सीजन बैंक एवंकेयर सेंटर में धनराशि प्रदान की। नगर के डा.अक्षय टड़ैया ने दोनों समयविजिट कर परिजनों के हाल-चाल एवं उनके स्वस्थ जीवन की कामना करने हेतुअपना समय प्रदान करने की घोषणा की संस्था के कोषाध्यक्ष स्वदेश अग्रवाल,उपाध्यक्ष जगजीत सिंह बॉबी, मीडिया प्रभारी विनय ताम्रकार, प्रिंस जैन,प्रखर जैन, आनंद कुशवाहा, शुभम अग्रवाल ने केयर सेंटर और ऑक्सीजन बैंक कोव्यवस्थित करने में अपना सराहनीय योगदान दिया। सुरेंद्र रसिया ने सभी 20पलंग के लिए चादर और ओढने् बिछाने की नई चादर प्रदान की। विनय जैन उदितजैन जड़ी-बूटी वालों ने एवं गुलशन सराफ निहारिका ने भी अपना एक एकसिलेंडर प्रदान किया। सुरेश बडेरा, साकेत बडेरा ने निःशुल्क टेबल कुर्सीव कूलर उपयोग हेतु प्रदान किये। अन्नपूर्णा सेवा संघ ने अनुरोध किया कियदि किसी पोस्ट कोविड मरीज को ऑक्सीजन के लिए आवश्यकता केयर सेंटर मेंरहने की है तो वह यहां रहकर ऑक्सीजन ले सकते हैं और अगर उनको घर मेंऑक्सीजन की आवश्यकता है तो उनको संस्था द्वारा ऑक्सीजन कंसंट्रेटरनिशुल्क प्रदान किया जाएगा। संस्था के पदाधिकारियों ने बताया कि यह पूरीव्यवस्था जनहित में निशुल्क दी जा रही है 20 बिस्तरी इस केयर सेंटर मेंअमीर हो या गरीब हो दोनों को एक समान रूप से निशुल्क ऑक्सीजन प्रदान कीजाएगी। किसी भी प्रकार से ऑक्सीजन की परेशानी को दूर करने के लिए 9450371475, 877 085 8622, 9415508641 व 8299509176 पर संपर्क कर सकते हैं।

गऊ जल सेवा के लिए पानी की टंकी रखीं

ललितपुर। वीर बुन्देली समाज सेवा संस्था द्वारा अक्षय तृतीया पर भगवानपरशुराम जयन्ती के अवसर पर वार्ड नं.4 में गऊ जल सेवा के लिए 25 जल पात्र(टंकी) हर गली में प्रत्येक हैण्डपम्प के पास रखवाये गये। वहीं संस्था केसदस्यों ने प्रण लिया कि अपनी-अपनी गली मोहल्ला व घर के पास गऊ सेवा केलिए गऊ जल पात्र से सुबह उठकर भरेंगे एवं शाम को पात्र की सफाई करकेभरेंगे। संस्था अध्यक्ष अरविन्द राजा ने सभी सदस्यों को शपथ दिलायी व खुदप्रण किया। इस दौरान दीपक कुशवाहा, मानवेन्द्र सिंह, महेश साहू,जितेन्द्र जोशी, शिवम परिहार, सौरभ पंथ, अनिल पंथ, नवीन पंथ, प्रेमचंद्रकुशवाहा, मुकेश यादव, हुकुम साहू आदि मौजूद रहे।

सीओ ने शहर के प्रमुख चौराहों पर किया पैदल भ्रमण

कोरोना कर्फ्यू में लोगों से नियमों का पालन करने का आह्वान

ललितपुर। उत्तर प्रदेश में कोरोना संक्रमण के मामलों में भले ही गिरावटदर्ज की जा रही है, लेकिन संकट अभी टला नहीं है। इसी लिए प्रदेश शासन ने17 मई को सुबह 7 बजे समाप्त हो रहे कोरोना कर्फ्यू की समय सीमा को बढ़ाकर24 मई तक कर दिया है। आंशिक कोरोना कर्फ्यू में केन्द्र व प्रदेश सरकारद्वारा जारी गाइड लाइन का सख्ती से अनुपालन कराने के लिए पुलिस महकमापूरी तरह मुस्तैद है। इसी क्रम में रविवार को पुलिस अधीक्षक

प्रमोद कुमारके निर्देश पर क्षेत्राधिकारी सदर इमरान अहमद ने पुलिस बल के साथ शहर केप्रमुख चौराहों पर पैदल गश्त कर लोगों से कोरोना कर्फ्यू के दौरान गाइडलाइन का अनुपालन करने का आह्वान किया। गौरतलब है कि जिले में आंशिककोरोना कर्फ्यू का सख्ती से पालन कराया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक प्रमोदकुमार दलबल के साथ बाजारों में पैदल गश्त करते हुये व्यवस्थाओं को देखतेहैं तो वहीं उनके द्वारा शहर में प्रवेश करने वाले मार्गों पर भी पिकेटतैनात कर रखी है, जो कि अन्य जनपद व प्रान्तों से आने वाले लोगों पर सख्तनिगरानी रखे हुये हैं। रविवार को कोरोना कर्फ्यू का समय बढ़ाये जाने कोलेकर एसपी के निर्देश पर सीओ सिटी ने दलबल के साथ शहर के प्रमुख चौराहोंपर पैदल गश्त की। इस दौरान उन्होंने लोगों से कोविड-19 को लेकर जारी गाइडलाइन का अनुपालन करने और दो गज की दूरी के साथ मास्क की अनिवार्यता कोअपनाने का आह्वान किया। इस दौरान शहर कोतवाल संजय कुमार शुक्ला मौजूदरहे।

अशोकनगर को जल्द पहुँचाए जाएंगे ऑक्सीजन के सिलेंडरः मुख्यमंत्री श्री चौहान

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान राज्य मंत्री ने बतायीं जिले की जरूरतें

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि कोरोना संक्रमण की रोकथाम और प्रभावितों के उपचार के लिए जो भी जरूरत होगी उसे पूरा किया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से चर्चा के दौरान राज्य मंत्री श्री बृजेंद्र सिंह यादव द्वारा अशोकनगर जिले के लिए ऑक्सीजन सिलेंडर की मांग किए जाने पर यह बात कही। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में सांसद डॉ. के. पी. यादव, विधायक श्री जजपाल सिंह जज्जी, कलेक्टर श्री अभय वर्मा, एसपी श्री भदौरिया आदि शामिल हुए। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान राज्य मंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी एवं कोविड-19 के अशोकनगर जिला प्रभारी मंत्री श्री यादव ने जिले के लिए 100 ऑक्सीजन सिलेंडर की मांग की। श्री यादव ने कहा कि गरीबों को शासकीय उचित मूल्य दुकान से जो राशन मिलना चाहिए उसमें हितग्राहियों को कठिनाइयां हो रही है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने अशोकनगर के लिए बहुत जल्दी ऑक्सीजन सिलेंडर भेजने का आश्वासन देते हुए कलेक्टर को निर्देश दिए कि राशन वितरण का कार्य राज्यमंत्री की मंशा अनुरूप सुनिश्चित करवाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राशन वितरण में गड़बड़ी करने वालों पर सख्त कार्रवाई भी सुनिश्चित करें।

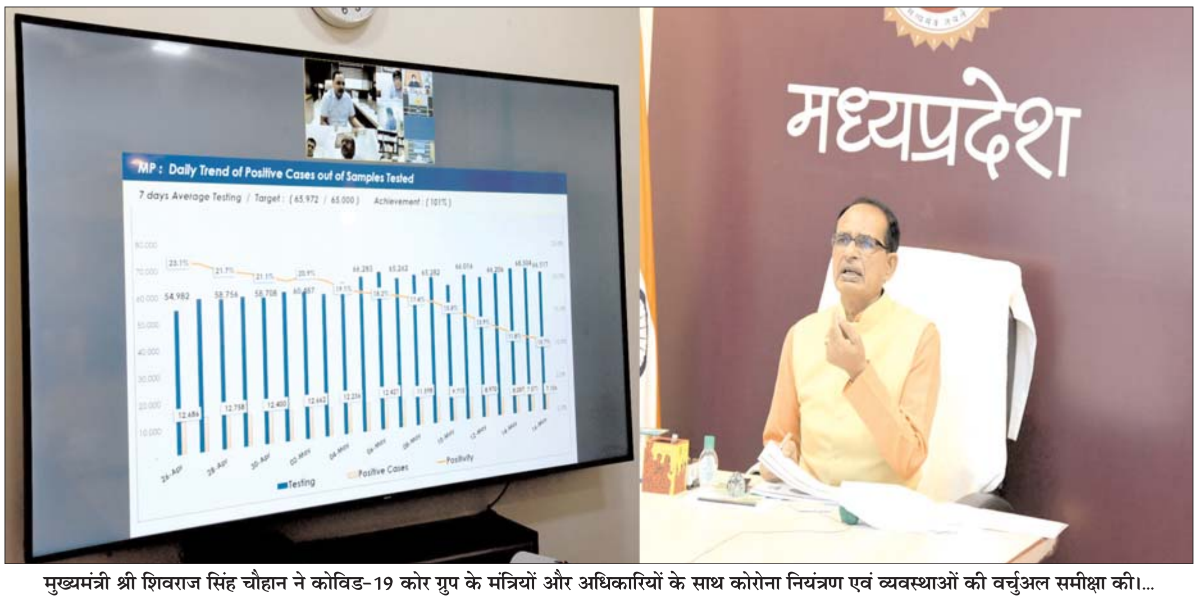

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कोविड-19 कोर ग्रुप के मंत्रियों और अधिकारियों के साथ कोरोना नियंत्रण एवं व्यवस्थाओं की वर्चुअल समीक्षा की।...

कोविड वैक्सीनेशन-दिव्यांगजनों के लिए हो मोबाइल टीकाकरण केन्द्र

श्योपुर। आयुक्त निशक्तजन कल्याण श्री संदीप रजक ने प्रदेश के दिव्यांगजनों के कोविड वैक्सीनेशन के लिए मोबाइल टीकाकरण केन्द्र और ऑनलाइन वैक्सीनेशन रजिस्ट्रेशन के बजाए केन्द्र पर ही तुरंत पंजीयन की सुविधा की माँग की है। लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण आयुक्त को भेजे पत्र में श्री रजक ने भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा दिव्यांगजनों की सुरक्षा के सिलसिले में जारी नीति के पक्ष में उडीसा उच्च न्यायालय द्वारा दिव्यांगजनों को टीकाकरण में प्राथमिकता और विशेष व्यवस्था संबंधी निर्णय से भी अवगत कराया है। श्री रजक ने कहा कि कुछ क्षेत्रों में दिव्यांगजन विभिन्न कारणों से ऑन लाइन पंजीकरण सुविधा का लाभ उठाने मे सक्षम नहीं है। दिव्यांगों के लिए वैक्सीनेशन सेंटर पर ही विशेष ऑफ लाइन सुविधा उपलब्ध कराई जाए। ग्रामीण क्षेत्रों में दिव्यांगों का वैक्सीनेशन मोबाइल टीकाकरण केन्द्र से हो। श्री रजक ने कहा कि कई वैक्सीनेशन सेंटर पर दिव्यांग भी लंबी कतारों में खड़े हो रहें है। यह उनके स्वास्थ्य की दृष्टि से उचित नहीं है। विशेषकर दृष्टिबाधित दिव्यांगों के कई जगह स्पर्श का सहारा लेने से संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है। अतः उन्हें केन्द्र पर एक दिव्यांग सहायक भी उपलब्ध कराया जाए।

संक्रमण रोकने, कोरोना के उपचार के साथ ही पोस्ट कोविड केअर पर भी पूरा ध्यान दें

सम्बद्ध निजी अस्पताल इलाज से इनकार करें, यह बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, जहाँ किसानों का गेहूँ उपार्जन से शेष हो, उपार्जन की तिथि बढ़ाएँ, मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कोरोना कीस्थिति एवं व्यवस्थाओं की समीक्षा की

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि सभी जिलों में सख्ती से कोरोना संक्रमण रोकने, अस्पतालों में कोरोना उपचार की उत्कृष्ट व्यवस्था के साथ ही पोस्ट कोविड केयर पर भी पूरा ध्यान दिया जाए। पोस्ट कोविड दुष्प्रभाव होने पर, जो मरीज होम आयसोलेशन अथवा कोविड केयर सेंटर्स में हैं, उन्हें इलाज की आवश्यकतानुसार अस्पतालों अथवा पोस्ट कोविड सेंटर्स में भर्ती किया जाए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने स्पष्ट शब्दों में कहा मुख्यमंत्री कोविड उपचार योजना के अंतर्गत सम्बद्ध किया गया कोई भी निजी अस्पताल, उनके यहाँ बेड खाली होने पर, योजना के पात्र किसी कोविड मरीज का निःशुल्क उपचार करने से इंकार करे, यह बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि जिन क्षेत्रों में किसानों का गेहूँ उपार्जन से शेष हो, वहाँ के उपार्जन केंद्रों की तिथि बढ़ाएँ। हर एक किसान का गेहूँ खरीदा जाना सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने आज निवास से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कोरोनानियंत्रण कोर ग्रुप के सदस्यों से चर्चा की तथा प्रदेश के जिलों में कोरोना कीस्थिति एवं व्यवस्थाओं की समीक्षा की। बैठक में कोर ग्रुप के सदस्य, मंत्री, अधिकारी, जिलों के प्रभारी मंत्री एवं अधिकारी उपस्थित थे।

कोरोना संबंधी लापरवाही पर ग्रामीण क्षेत्रों में 18 लाख का जुर्माना-मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश में कोरोना संक्रमण कम हुआ है, परंतु हमें थोड़ी भी असावधानी नहीं बरतना है। हर व्यक्ति मास्क लगाए, एक दूसरे के बीच दूरी रखे, साथ ही कोरोना कर्फ्यू का सख्ती से पालन करे। प्रदेश के शहरी क्षेत्रों के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में भी मास्क न लगाने, कोरोना कर्फ्यू का पालन न करने आदि पर कार्रवाई की जा रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में 18 लाख रुपए का जुर्माना किया गया है।

2 हजार एम्फोटेरेसिन इंजेक्शन गुजरात से-मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि कोविड के पश्चात होने वाले ब्लैक फंगस रोग के इलाज की भी निःशुल्क व्यवस्था सरकार द्वारा की जा रही है। प्रदेश में इसके इलाज के लिए 2 हजार एम्फोटेरेसिन इंजेक्शन गुजरात से हवाई जहाज से मंगाए जा रहे हैं।

वैक्सीन का एक भी डोज़ बेकार न जाए-मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश में किए जा रहे कोविड वैक्सीनेशन कार्य में यह सुनिश्चित किया जाए कि वैक्सीन का एक भी डोज़ बेकार न हो। वेटिंग तथा ऑन द स्पॉट रजिस्ट्रेशन और वैक्सीनेशन की व्यवस्था भी की जाए।

24,807 कोविड मरीजों का निःशुल्क इलाज-प्रदेश में 24 हजार 807 कोविड मरीजों को शासकीय एवं निजी अस्पतालों में निःशुल्क इलाज दिया जा रहा है। इसमें 17 हजार 377 का सरकारी अस्पतालों में, 2584 मरीजों का अनुबंधित अस्पतालों में तथा 4856 मरीजों का मुख्यमंत्री कोविड उपचार योजना के अंतर्गत संबद्ध निजी अस्पतालों में निःशुल्क इलाज किया जा रहा है। प्रदेश में 441 निजी अस्पताल योजना के अंतर्गत संबद्ध किए गए हैं।

नकली दवाओं, कालाबाजारी पर 55 लोगों के विरूद्ध आपराधिक प्रकरण-प्रदेश में नकली रेमडेसिविर बेचने वालों, कालाबाजारी करने वाले 55 व्यक्तियों के विरूद्ध आपराधिक प्रकरण दर्ज किए गए हैं। इसके अलावा अधिक शुल्क लिए जाने पर अस्पतालों के विरूद्ध कार्रवाई की गई है। कुल 232 प्रकरणों में कार्रवाई करते हुए मरीजों के परिजनों को 88 लाख 96 हजार रूपए की राशि वापस दिलाई गई है।

कोविड-19 की संभागीय समीक्षा बैठक

संक्रमण की चैन को तोड़ने के लिये एकजुटता के साथ कार्य करना होगा: मुख्यमंत्री

ग्वालियर। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि कोविड की इस महामारी के समय हम सबको मतभेद भुलाकर संक्रमण की चैन को तोड़ने में जुटना होगा। कोरोना को परास्त करना ही हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने रविवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में ग्वालियर-चंबल संभाग के सभी जिलों में कोरोना संक्रमण की रोकथाम के लिये किए जा रहे कार्यों की समीक्षा बैठक में यह बात कही। उनके साथ केन्द्रीय कृषि, पंचायतीराज एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर, राज्यसभा सांसद श्रीमंत ज्योतिरादित्य सिंधिया, प्रदेश के चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री विश्वास सारंग, ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, सांसद श्री विवेक नारायण शेजवलकर सहित क्राइसेस मैनेजमेंट समिति के सदस्यगण उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि कोरोना की चैन को तोड़ने के लिये जनता कर्फ्यू ही सबसे प्रभावी उपाय है। ग्वालियर में संक्रमण कम हुआ है। इसे पूर्ण रूप से समाप्त करने के लिये 30 मई तक जनता कर्फ्यू लागू रहेगा। उन्होंने कहा कि कोरोना के संक्रमण में कमी जरूर आई है, लेकिन अभी लड़ाई लम्बी है। हम सबको कोरोना से मुक्त प्रदेश बनाने के लिये निरंतर कार्य करना होगा। हम सबको एक इकाई के रूप में मिलकर संक्रमण को मिटाने के लिये निरंतर कार्य करते रहने की आवश्यकता है। इस कार्य में हमें जनता का सहयोग भी हासिल करना होगा।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि हमारे लिये यह राहत की बात है कि हमारे प्रदेश की पॉजिटिविटी दर घटकर 10.8 हो गई है। कुछ दिन पहले यह 24 प्रतिशत तक पहुँच गई थी। ग्वालियर-चंबल संभाग के सभी जिलों में स्थिति में निरंतर सुधार ही हो रहा है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि जिलों में जो कोविड केयर सेंटर स्थापित किए गए हैं उन्हें अब पोस्ट कोविड केयर सेंटर के रूप में संचालित करने की भी तैयारी हमको करना होगी। कोरोना की बीमारी से ठीक होने के बाद भी कुछ लोगों को ब्लैक फंगस, खून जमने जैसी बीमारियों के प्रकरण सामने आ रहे हैं। इनकी देखभाल के लिये भी हमें पोस्ट कोविड केयर सेंटर की आवश्यकता पड़ेगी। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि शहरी क्षेत्र के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्र में भी संक्रमण न फैले, इसके लिये विशेष प्रयास किए जाना जरूरी है। प्रदेश में चलाए जा रहे किल कोरोना-3 अभियान के तहत ग्रामीण क्षेत्र के हर घर तक टीम पहुँचे और जो भी संक्रमित मिले उसका उपचार प्रारंभ हो यह सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने जिला स्तरीय, ब्लॉक स्तरीय तथा ग्राम स्तरीय क्राइसेस मैनेजमेंट समिति के सदस्यों से भी अपेक्षा की कि वे स्वयं और उनसे जुड़े हुए लोग भी किल कोरोना अभियान के तहत जो दल घर-घर जा रहे हैं उनके साथ जाएं और लोगों को दवा वितरण और जागरूकता के कार्य में सहभागी बनें।

भविष्य की चुनौतियों के लिये भी करें पुख्ता प्लानिंग–मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि हमें वर्तमान संक्रमण की रोकथाम के साथ-साथ भविष्य की चुनौतियों के लिये भी पुख्ता प्रबंध करने की आवश्यकता है। इसके लिये सभी जिलों के कलेक्टर अपने-अपने जिलों में भविष्य की व्यवस्थाओं की प्लानिंग करें। प्रदेश सरकार द्वारा सभी जिलों में ऑक्सीजन प्लांट, आईसीयू बैड और ऑक्सीजन बैड बढ़ाने की व्यवस्था की जा रही है। आने वाले दिनों में चिकित्सकों और पैरामेडीकल स्टाफ की भर्ती का कार्य भी सरकार करने जा रही है। हर जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं को और बेहतर करने की दिशा में भी कार्य किए जा रहे हैं।

ब्लैक फंगस और बच्चों के लिये बनाए जाएं अलग वार्ड–मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने बैठक में यह भी निर्देशित किया है कि ब्लैक फंगस और बच्चों के लिये सभी मेडीकल कॉलेजों में अलग से वार्ड बनाने की व्यवस्था की जाए। भविष्य में अगर कोई दिक्कत आती है तो उससे निपटने के लिये अलग वार्ड और सुविधायें रहें, यह सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि मेडीकल कॉलेज के साथ-साथ सभी जिलों में यह व्यवस्था हो, इसके लिये जिला कलेक्टर अपने-अपने जिले की प्लानिंग तैयार कर कार्य करे।

हर जरूरतमंद को मिले निःशुल्क खाद्यान्न–मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने बैठक में यह भी निर्देशित किया है कि प्रदेश सरकार द्वारा तीन माह का और केन्द्र सरकार द्वारा दो माह का राशन निःशुल्क उपलब्ध कराया जा रहा है। यह निःशुल्क राशन हर जरूरतमंद को मिले, यह सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कलेक्टरों को यह भी निर्देशित किया है कि खाद्यान्न का वितरण सही ढंग से हो, इसकी मॉनीटरिंग भी होना चाहिए। कोई भी जरूरतमंद अनाज की उपलब्धता से वंचित नहीं रहना चाहिए।

निःशुल्क उपचार की व्यवस्था की गई है–मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि

ग्वालियर-चंबल संभाग के सभी जिलों में 30 मई तक रहेगा जनता कर्फ्यू

प्रदेश में जरूरतमंदों को निःशुल्क उपचार मिले, इसकी व्यवस्था की गई है। आयुष्मान कार्ड के माध्यम से हर जरूरतमंद को निःशुल्क उपचार की व्यवस्था मिले, यह सुनिश्चित किया जाए। इसके साथ ही जिस परिवार के एक सदस्य के पास भी आयुष्मान कार्ड है, उसके पूरे परिवार को निःशुल्क उपचार की व्यवस्था मिलना चाहिए। इसके लिये प्रदेश के सभी जिलों में अस्पतालों को चिन्हित कर लिया गया है। इन अस्पतालों में सभी को उपचार मिले। इसके साथ ही कलेक्टर यह भी सुनिश्चित करें कि अगर कोई जरूरतमंद है तो उसका भी आयुष्मान कार्ड तैयार किया जाए। ऐसे लोग जिनके पास आयुष्मान कार्ड नहीं है उनके नए कार्ड बनाने का कार्य भी तेजी के साथ किया जाना चाहिए।

सभी जिले भविष्य के लिए एडवांस प्लानिंग करें: केन्द्रीय मंत्री श्री तोमर–केन्द्रीय कृषि, पंचायतीराज एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा है कि मध्यप्रदेश में कोरोना संक्रमण की रोकथाम के लिये मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान एवं उनकी टीम ने जो कार्य किया है वह प्रशंसनीय है। देश में संक्रमण की दृष्टि से मध्यप्रदेश में भी संक्रमण अधिक था। संक्रमण को नियंत्रित करने और व्यवस्थाओं को बेहतर करने की दिशा में मध्यप्रदेश ने उल्लेखनीय कार्य कर स्थिति को नियंत्रण में किया है। केन्द्रीय मंत्री श्री तोमर ने कहा कि अभी हमारी लड़ाई समाप्त नहीं हुई है। कोरोना को पूरी तरह से समाप्त करने के साथ-साथ हमें भविष्य के लिये भी सचेत होना होगा। इसके लिये सभी जिले एडवांस प्लानिंग कर अपनी-अपनी रणनीति तैयार करें और इसको अमलीजामा भी पहनाएं। केन्द्र सरकार के माध्यम से भी प्रदेश को हर संभव सहयोग उपलब्ध कराया जा रहा है। प्रदेश सरकार ने भी सभी जिलों में क्राइसेस मैनेजमेंट समिति और जनता के सहयोग से कोरोना संक्रमण के नियंत्रण में सफलता हासिल की है। ग्रामीण क्षेत्र में भी किल कोरोना-3 अभियान के माध्यम से घर-घर सर्वेक्षण कर संक्रमण की चैन को तोड़ने का कार्य किया जा रहा है। जन सेवा से जुड़े हुए सभी लोगों के साथ-साथ जनता का सहयोग हासिल कर हमें इस महामारी से निजात पानी होगी।

वर्तमान के साथ-साथ भविष्य के लिये भी हो प्लानिंग – राज्यसभा सांसद श्री सिंधिया–राज्यसभा सांसद श्रीमंत ज्योतिरादित्य सिंधिया ने बैठक में कहा है कि मध्यप्रदेश ने कोरोना संक्रमण को नियंत्रण में किया है, यह प्रसन्नता की बात है। हमें वर्तमान के साथ-साथ भविष्य के लिये भी पुख्ता प्लानिंग करने की आवश्यकता है। वर्तमान समय में ब्लैक फंगस की जो बीमारी सामने आ रही है उस पर प्रभावी नियंत्रण के लिये प्रयास किए जा रहे हैं। सभी मेडीकल कॉलेजों में ब्लैक फंगस के लिये अलग से वार्ड स्थापित हों, यह जरूरी है। इसके साथ ही भविष्य के लिये सभी मेडीकल कॉलेजों में बच्चों के लिये भी पृथक से वार्ड स्थापित हो, ताकि कोई दिक्कत आती है तो उसका सामना किया जा सके। राज्यसभा सांसद श्री सिंधिया ने यह भी कहा कि शहरी क्षेत्र के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी हमें कोरोना के संक्रमण की रोकथाम के लिये विशेष प्रयास करना होंगे। प्रदेश में किल कोरोना अभियान के माध्यम से घर-घर पहुँचकर जो सर्वेक्षण का कार्य किया जा रहा है उसे और प्रभावी बनाया जाए। शासकीय अमले के साथ-साथ जनप्रतिनिधि और जनता का सहयोग भी इस अभियान को मिले, यह जरूरी है। उन्होंने कहा कि ब्लैक फंगस के लिये जो आवश्यक इंजेक्शन है उसकी पूर्ति भी प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा की जा रही है। यह समस्या भी शीघ्र दूर हो जायेगी। श्री सिंधिया ने यह भी कहा कि सभी जिलों में कोरोना टेस्ट अधिक से अधिक संख्या में होना चाहिए, ताकि जो प्रकरण सामने आए उसका उपचार किया जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा हर जिलों में ऑक्सीजन प्लांट और वेंटीलेटर की व्यवस्था की जा रही है। इनके संचालन के लिये भी स्टाफ को प्रशिक्षित किया जाना आवश्यक है ताकि इनका बेहतर उपयोग जरूरतमंदों के लिये हो सके।

सभी जिलों की क्राइसेस मैनेजमेंट समिति ने दिए महत्वपूर्ण सुझाव–मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने समीक्षा बैठक में ग्वालियर-चंबल संभाग के सभी जिलों में कोरोना संक्रमण की रोकथाम और उपचार के लिये किए जा रहे प्रबंधनों की विस्तार से समीक्षा की। जिला कलेक्टरों ने अपने-अपने जिलों में किए जा रहे प्रबंधनों के संबंध में प्रजेण्टेशन के माध्यम से जानकारी दी। इसके साथ ही सभी जिलों में गठित क्राइसेस मैनेजमेंट समिति के सदसयों ने अपने महत्वपूर्ण सुझाव भी मुख्यमंत्री को प्रस्तुत किए।

चिकित्सक एवं पैरामेडीकल स्टाफ की भर्ती की जाए: सांसद श्री शेजवलकर–क्षेत्रीय सांसद श्री विवेक नारायण शेजवलकर ने ग्वालियर में स्वास्थ्य सुविधाओं की बढ़ोत्तरी के साथ-साथ चिकित्सकों और पैरामेडीकल स्टाफ की भर्ती की बात कही। उन्होंने कहा कि सुपर स्पेशिलिटी अस्पताल में चिकित्सक एवं पैरामेडीकल स्टाफ की कमी के कारण दिक्कतें महसूस की जा रही हैं। इसके साथ ही एक हजार बिस्तर के अस्पताल का निर्माण भी ग्वालियर में किया जा रहा है। इसमें भी उपकरण और उपचार की आवश्यकता पड़ेगी। कॉन्टेक्ट बेस पर कम से कम एक अथवा दो वर्ष के लिये चिकित्सक और पैरामेडीकल स्टाफ की भर्ती की अनुमति प्रदेश सरकार से अपेक्षित है।

संभागीय कमिश्नर एवं कलेक्टर ने दी जानकारी–संभागीय समीक्षा बैठक में संभाग आयुक्त श्री आशीष सक्सेना ने ग्वालियर-चंबल संभाग के जिलों में कोविड संक्रमण और उपचार के लिये किए जा रहे प्रबंधनों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इसके साथ ही कलेक्टर ग्वालियर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने ग्वालियर में किए गए प्रबंधनों के संबंध में भी प्रजेण्टेशन के माध्यम से विस्तार से जानकारी दी।

बैठक में यह भी रहे उपस्थित–कोविड-19 की संभागीय समीक्षा बैठक में ग्वालियर कलेक्ट्रेट सभाकक्ष एवं एनआईसी कक्ष में क्राइसेस मैनेजमेंट समिति के सदस्य, जिला पंचायत प्रशासकीय समिति की अध्यक्ष श्रीमती मनीषा यादव, पूर्व मंत्री एवं विधायक श्री लाखन सिंह यादव, विधायक डबरा श्री सुरेश राजे, विधायक ग्वालियर पूर्व श्री सतीश सिकरवार, पूर्व मंत्री श्री अनूप मिश्रा, पूर्व मंत्री श्री इमरती देवी, जिला अध्यक्ष भाजपा श्री कमल माखीजानी, ग्रामीण अध्यक्ष श्री कौशल शर्मा, पूर्व विधायक श्री मुन्नालाल गोयल, श्री मदन कुशवाह, श्री रामबरन सिंह, श्री रमेश अग्रवाल, चेम्बर ऑफ कॉमर्स के मानसेवी सचिव श्री प्रवीण अग्रवाल, बहुजन समाज पार्टी के अध्यक्ष श्री रामवीर सिंह कुशवाह, श्री मोहन सिंह राठौर सहित संभागीय आयुक्त श्री आशीष सक्सेना, आईजी श्री अविनाश शर्मा, डीआईजी श्री सचिन अतुलकर, कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह एवं विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

संक्रमण कम हुआ है यह संतोष की बात है लेकिन अभी रूकना नहीं है, मंजिल दूर है

ग्वालियर। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि कोरोना संक्रमण की दर प्रदेश में घटी है। यह हमारे लिये संतोष की बात है। लेकिन मंजिल अभी दूर है। हमें अपने प्रयासों को रोकना नहीं है, बल्कि और गति के साथ आगे बढ़ना है। ग्रामीण क्षेत्र में कोरोना संक्रमण की चैन को तोड़ने के लिये किल कोरोना-3 अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत ग्रामीण क्षेत्र के हर घर तक दल पहुँच रहा है और लोगों का परीक्षण कर उन्हें दवा वितरण का कार्य कराया जा रहा है। इस

प्रदेश को कोरोना मुक्त बनाकर ही हम चैन की साँस लेंगे। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने रविवार को ग्वालियर से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से ग्वालियर - चंबल संभाग के जिला स्तरीय, ब्लॉक स्तरीय, ग्राम स्तरीय और वार्ड स्तरीय क्राइसेस मेनेजमेंट समित के सदस्यों को संबोधित करते हुए यह बात कही। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा क्राइसेस मैनेजमेंट समिति के सदस्यों से चर्चा के दौरान केन्द्रीय कृषि, पंचायत एवं एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर, राज्यसभा सांसद श्रीमंत ज्योतिरादित्य सिंधिया, प्रदेश के चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री विश्वास सारंग, ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, क्षेत्रीय सांसद विवेक नारायण शेजवलकर सहित क्राइसेस मैनेजमेंट समिति के सदस्य और विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि सर्वेक्षण कार्य में क्राइसेस मैनेजमेंट समिति के सदस्य और उनके सहयोगी भी दल के साथ जाएं, यह अपेक्षा है। उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक लोगों का टेस्ट कराया जाए ताकि जो भी संक्रमित सामने आए उनका उपचार सुनिश्चित किया जा सके। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने क्राइसेस मैनेजमेंट समिति के सदस्यों से कहा कि वे ग्रामीणों को जागरूक करें कि वे कोरोना से डरें नहीं बल्कि सावधानी बरतें। किसी को भी सर्दी, खांसी या बुखार है तो छुपाएं नहीं बल्कि बताएं, ताकि उसका उपचार समय रहते किया जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि यह समय संयम का है। बिना काम के कोई भी व्यक्ति घर से न निकले। कोविड गाइडलाइन का पालन हो, यह भी सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे कोई आयोजन न किए जाएं जिसमें भीडभाड़ हो। शादी विवाह, धार्मिक आयोजन एवं अन्य आयोजन अभी बिल्कुल न किए जाएं। वर्तमान समय अपने आपको बचाने का है। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि हमने गरीबों को निःशुल्क पाँच माह का राशन उपलब्ध कराने की व्यवस्था की है। तीन माह का प्रदेश सरकार द्वारा तथा दो माह का केन्द्र सरकार द्वारा प्रदाय किया जा रहा है। यह राशन सभी जरूरतमंदों तक पहुँचे, इसकी मॉनीटरिंग भी

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिला, ब्लॉक एवं ग्राम स्तरीय क्राइसेस मैनेजमेंट कमेटी के सदस्यों से की चर्चा

की जाए। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने यह भी कहा कि कोरोना काल में कई बच्चों ने अपने माँ-बाप खो दिए हैं ऐसे बच्चों के लिये भी हमने निर्णय लिया है कि पाँच हजार रूपए प्रतिमाह पेंशन, निःशुल्क खाद्यान्न तथा शिक्षा की व्यवस्था भी प्रदेश सरकार करेगी। उन्होंने क्राइसेस मैनेजमेंट समिति के सदसयों तथा जिला कलेक्टरों से भी कहा कि अगर उनके जिले में ऐसे कोई बच्चे हैं तो उनकी सूची तैयार की जाए ताकि उन्हें सरकार की तरफ से मदद दी जा सके। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने सभी क्राइसेस मैनेजमेंट समिति के सदस्यों से अपेक्षा की है कि अपने-अपने स्तर पर कोरोना संक्रमण की रोकथाम के लिये जनता को साथ लेकर सकारात्मक माहौल बनाने का कार्य करें। कोरोना से लोग डरें नहीं बल्कि सावधानी अवश्य बरतें। उन्होंने यह भी कहा कि कोविड की चैन को तोड़ने के लिये जो कोरोना जनता कर्फ्यू लगाया गया है उसका सख्ती से पालन भी शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्र में हो यह भी सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने अंत में कहा कि हम सभी के प्रयास से कोरोना हारेगा और ग्वालियर-चंबल संभाग जीतेगा। कोरोना संक्रमण समाप्त होगा और हम फिर सामान्य जीवन जीयेंगे। इस संकट की घड़ी में हम सबको एकजुटता के साथ इसको समाप्त करने में जुट जाना चाहिए।

ग्वालियर अस्पताल में कोविड पेशेंट के गहने चोरी

ग्वालियर। अस्पताल में कोविड पेशेंट महिला की मौत के बाद उसके सोने और डायमंड के गहने चोरी चले गए। घटना उपभोक्ता फोरम कोर्ट के जज के साथ हुई। मामला सामने आने के 15 दिन बाद रविवार को गोला का मंदिर थाने में रिपोर्ट दर्ज की गई है। घटना 29 अप्रैल को बिड़ला अस्पताल की है। सचिन तेंदुलकर मार्ग स्थित टाउनशिप निवासी अरुण सिंह तोमर उपभोक्ता फोरम में जज हैं। 19 अप्रैल को उनकी पत्नी सरला तोमर की कोरोना जांच रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी। हालत बिगड़ने पर पत्नी को बिड़ला हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। हॉस्पिटल में भर्ती करते समय सरला तोमर दोनों हाथ में सोने की अंगूठी, एक अंगूठी में डायमंड लगा था। इसके अलावा कान में टॉप्स, पैरों में पायल, बिछिया व नाक में लौंग पहने थीं। 29 अप्रैल की रात 11 बजे सरला देवी की मौत हो गई। परिजन को सूचना दी। इस पर जज का बेटा राघवेन्द्र सिंह हॉस्पिटल पहुंचे। यहां बकाया बिल 3.11 लाख रुपए भी जमा किए। उस समय तक महिला के शव को कोविड बैग में पैक कर मुक्तिधाम के लिए भेज दिया गया था। डॉक्टर ने एक लौंग व पायल परिजन को सौंप दी। शेष सामान उनके कपड़े के बैग में रखा होने की बात कही। इसके बाद, कोविड गाइडलाइन से महिला का अंतिम संस्कार कर दिया गया। दो से तीन दिन बाद जब परिजन ने उनका बैग खोला, तो उसमें गहने नहीं थे। साथ ही, पेशेंट का ऑक्सीमीटर व एक हजार रुपए नकदी भी गायब थे। पुलिस ने मामले में रविवार को जज के बेटे राघवेन्द्र सिंह की शिकायत पर बिड़ला हॉस्पिटल के अज्ञात वार्ड बॉय के खिलाफ मामला दर्ज किया है। मामले में ऊजह्र गोला का मंदिर थाना विनय शर्मा का कहना है, एफआईआर दर्ज कर ली है। अब सीसीटीवी कैमरों की फुटेज देखकर चोरी करने वाले की पहचान की जाएगी।

ग्वालियर में 500 बिस्तर का अस्पताल बनेगा

ग्वालियर। ग्वालियर में 500 बिस्तर का नया अस्पताल बनेगा। जिसमें सभी स्वास्थ्य उपकरण के साथ-साथ फर्नीचर आदि की व्यवस्था भी की जायेगी। इसके साथ ही डबरा में स्वीकृत 50 बिस्तर के अस्पताल का निर्माण कार्य भी शीघ्रता से किया जायेगा। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने रविवार को संभाग स्तरीय क्राइसेस मैनेजमेंट ग्रुप की बैठक में यह बात कही। बैठक में केन्द्रीय कृषि, पंचायतीराज एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर, राज्यसभा सांसद श्रीमंत ज्योतिरादित्य सिंधिया, प्रदेश के चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री विश्वास सारंग, ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, सांसद श्री विवेक नारायण शेजवलकर सहित क्राइसेस मैनेजमेंट समिति के सदस्यगण उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने बैठक में कहा है कि ग्वालियर में ऑक्सीजन के कई प्लांट स्थापित करने की स्वीकृति भी दी गई है। इसके साथ ही वेंटीलेटर भी पर्याप्त संख्या में उपलब्ध कराए गए हैं। ऑक्सीजन प्लांट और वेंटीलेटर के संचालन में जो स्टाफ लगेगा उनको प्रशिक्षित करने का कार्य भी किया जाए, ताकि आवश्यकता पड़ने पर सुचारू संचालन हो सके। चिकित्सक और पैरामेडीकल स्टाफ की भर्ती के संबंध में भी उन्होंने बताया कि शासन स्तर से इसकी प्रक्रिया की जा रही है। शीघ्र ही ग्वालियर को भी पर्याप्त स्टाफ की उपलब्धता सुनिश्चित की जायेगी। संभागीय आयुक्त श्री आशीष सक्सेना ने जानकारी दी कि संभाग के सभी जिलों में गूगल मीट के माध्यम से होम क्वारंटाइन मरीजों से चर्चा की जा रही है और उन्हें

संभागीय क्राइसेस मैनेजमेंट की बैठक में मुख्यमंत्री ने दी सहमति

चिकित्सकीय सुविधायें उपलब्ध कराने के साथ-साथ उनके मनोबल को बढ़ाने का कार्य भी किया जा रहा है। इसके साथ ही सभी जिलों में अस्पताल में भर्ती मरीजों से उनके परिजनों की चर्चा वीडियो कॉलिंग के माध्यम से कराई जा रही है। अस्पतालों के माध्यम से भर्ती मरीजों के परिजनों को दूरभाष पर भी उनके स्वास्थ्य की जानकारी देने का कार्य किया जा रहा है। कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने बताया कि ग्वालियर में कंट्रोल कमाण्ड सेंटर के माध्यम से वॉट्सएप वीडियो कॉलिंग, 1075 हैल्पलाइन, ऑक्सीजन सप्लाई की मॉनीटरिंग, एम्बूलेंस संचालन सेवा की मॉनीटरिंग, पेशेंट शिफ्टिंग कार्य की मॉनीटरिंग, मेडीकल किट का वितरण करने के साथ-साथ होम आईसोलेशन मरीजों की मॉनीटरिंग का काम भी किया जा रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि बच्चों में कोविड के लक्षण के संबंध में चिकित्सकीय सुविधा देने हेतु कंट्रोल कमाण्ड सेंटर में शिशु रोग विशेषज्ञ चिकित्सकों को बिठाकर वीडियो कॉलिंग के माध्यम से चिकित्सीय सलाह देने का कार्य भी जिले में किया जा रहा है। कलेक्टर श्री सिंह ने बताया कि ग्वालियर जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में कुल 8 कोविड केयर सेंटर स्थापित किए गए हैं। जिनमें शासकीय कन्या छात्रावास भितरवार, शासकीय छात्रावास चीनौर, कन्या छात्रावास डबरा, सेवा भारती डबरा, मैरिज गार्डन झांसी रोड़ डबरा, शासकीय छात्रावास बेहट, इन्द्रप्रस्त हॉस्पिटल घाटीगांव स्थापित किए गए हैं। इसके साथ ही शहरी क्षेत्र में भी कोविड केयर सेंटर, सामाजिक संस्थाओं और जनप्रतिनिधियों के माध्यम से संचालित किए जा रहे हैं। कलेक्टर ने यह भी बताया कि जिले में बिना मास्क पहने घूमने वालों के विरूद्ध दण्डात्मक कार्रवाई भी की गई है। कुल 70 हजार 147 व्यक्तियों के विरूद्ध जुर्माने की कार्रवाई कर लगभग 63 लाख रूपए से अधिक की वसूली की गई है।

ग्वालियर में बच्चों के सामने मां से गैंगरेप

ग्वालियर के बिजौली क्षेत्र के सिद्धीपुरम में लॉकडाउन में दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। यहां दो बदमाशों ने एक महिला के साथ उसके बच्चों के सामने ही गैंगरेप किया। आरोपियों ने बच्चों के सिर पर कट्टा अड़ा कर जान से मारने की धमकी दी। महिला का पति कोरोना संक्रमित होने के बाद अस्पताल में भर्ती है। महिला बदमाशों के सामने गिड़गिड़ाती रही, लेकिन आरोपियों ने एक नहीं सुनी। घटना बिजौली के सिद्धीपुरम गांव में शनिवार-रविवार दरमियानी रात 2 बजे की है। रविवार सुबह मामले में स्नढ्ढक्रदर्ज की गई है। फिलहाल, आरोपी फरार हैं। सिद्धीपुरम निवासी 28 वर्षीय महिला के पति की रिपोर्ट दो दिन पहले कोरोना पॉजिटिव आई थी। इसके बाद अचानक पति की हालत बिगड़ी, तो उसने पति को अस्पताल में भर्ती करा दिया। वह बच्चों के साथ घर में सो रही थी। शनिवार-रविवार दरमियानी रात करीब 2 बजे छत के रास्ते दो बदमाश घर में दाखिल हुए। सो रही महिला के साथ आरोपियों ने छेड़खानी शुरू कर दी। इससे महिला की नींद खुली। उसने खुद को बचाने का प्रयास किया।

पंचायत एवं मनरेगा

के समस्त अभिलेख के थोक एवं खेरिज विक्रेता

मनीष बंसल

मो.नं. 9755898938

पता-कल्पना नगर मुरार.

P TV NEWS INDIA प्रतिभा हम निखारेंगे PUSHPANJALI TODAY न्यूज़ नई सोच नई पहल

अगर आपके अंदर है कोई जज्बा तो उभर कर आइये आगे आपकी लिखी हुई कहानी, लेख, कविताओं को हम देंगे जगह आपके अंदर की प्रतिभा को हम उभारेंगे।

तो देर किस बात की हमे भेजें अपनी कविता, लेख, कहानियां फिर देश की आर्थिक स्थति या फिर स्वच्छता के ऊपर अपने विचार

आप हमें व्हाट्सप या मेल भी कर सकते हैं

हमारा उद्देश्य भारत में छिपी प्रतिभाओं को बाहर निकालना।

PUSHPANJALI TODAY न्यूज़ नई सोच नई पहल

Whatsapp :- 9425665944, 9691270207

gmail - pushpanjalitoday@gmail.com

नोट - व्हाट्सएप या मेल करते समय ध्यान रखे भेजने वाला व्यक्ति अपनी फोटो ओर नाम/ पता / अवश्य भेंजे

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130 नियर हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478